THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

डोनाल्ड ट्रंप मूडी हैं : कार्ति चिदंबरम

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ट्रेड डील के ऐलान को लेकर विपक्ष के कुछ सांसद सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के सांसद कार्ति चिदंबरम ने भी इस विषय पर प्रतिक्रिया दी है। कार्ति चिदंबरम ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मूडी करार दिया है। कार्ति चिदंबरम ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि भारत को अमेरिका की ज़रूरत है और अमेरिका को भारत की जरूरत है। दोनों बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों की आबादी भी बहुत ज्यादा है। अमेरिका भारत से आने वाली सप्लाई चेन को इतनी आसानी से रिप्लेस नहीं कर सकता।

वर्ष-30 अंक : 309 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.3, 2082 बुधवार, 4 फरवरी-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अमेरिका ट्रेड डील में हितों से समझौता नहीं : पीयूष गोयल

> ट्रम्प को धन्यवाद, उन्होंने मोदी से मित्रता का सम्मान किया-राहुल की सोच निगेटिव

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को अमेरिका से ट्रेड डील पर मीडिया को ब्रीफ किया। गोयल ने कहा कि इस डील से किसी के हितों से समझौता नहीं किया गया है। दोनों देश इस डील पर जल्द ही इस पर साझा बयान जारी करेंगे। यह एक ऐसी डील है, जिस पर हर भारतीय को गर्व होगा।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा एग्रीकल्चर और डेयरी दोनों सेक्टर को सपोर्ट किया है, उनके हितों की रक्षा की। जो लोग अलग-अलग सेक्टर में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, खासकर ऐसे सेक्टर जिनमें ज्यादा मेहनत लगती है और जो लाखों लोगों को रोज़गार देते हैं। सभी इससे उत्साहित हैं। गोयल ने कहा कि ये डील करने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का धन्यवाद, उन्होंने पीएम मोदी की मित्रता का सम्मान किया। पीयूष गोयल ने कहा- इससे भारत का निर्यात बढ़ेगा। इससे हमारे इंजीनियरिंग सेक्टर्स के पार्ट्स बनाने वाले, टेक्सटाइल, मरीन गुड, ज्वेलर सेक्टर समेत सभी मैन्यूफेक्चरिंग सेक्टर को बहुत सारे मौके मिलेंगे। उन्होंने कहा- राहुल गांधी समेत विपक्ष के तमाम नेता इस डील का विरोध इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि उनकी सोच नकारात्मक है। इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। हम सब जानते हैं कि प्रधानमंत्री ने प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ अपने दोस्ताना रिश्ते और करीबी रिश्तों का फायदा उठाते हुए, अमेरिका के साथ एक ट्रेड डील फाइनल की है, जो हमारे सभी पड़ोसियों, सभी आस-पास के देशों और हमारे साथ मुकाबला करने वाले सभी देशों की तुलना में भारत को मिली सबसे अच्छी डील है। यह हम सभी के लिए एक बड़ी डील है।

मैं सबकी तरफ से पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं और आप सभी को बधाई देता हूं, क्योंकि यह ट्रेड डील, जिसे प्रधानमंत्री ने कल फाइनल किया, सच में भारत की इकॉनमी के लिए, भारत के सभी 140 करोड़ नागरिकों के लिए, गांवों में रहने वाले हर गरीब व्यक्ति, किसान, मछुआरे, नौजवान और महिला, हमारी बहनों और महिलाओं के लिए बहुत सारे मौके लाएगी। पीयूष गोयल ने कहा- हमने पूरे देश से रिपोर्ट्स देखी हैं। बड़े पैमाने पर उत्साह है। भारत के एक्सपोर्ट से जुड़े सभी लोग, भारत के टेक्नोलॉजी सेक्टर से जुड़े लोग, जो लोग भारत में मॉडर्न टेक्नोलॉजी लाना चाहते हैं या ग्लोबल सप्लाई चेन और ग्लोबल वैल्यू चेन का हिस्सा बनना चाहते हैं, जो लोग ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बनाना चाहते हैं, और जो लोग अलग-अलग सेक्टर में इन्वेस्ट करना चाहते हैं।

युमनाम खेमचंद बनेंगे मणिपुर के नए मुख्यमंत्री

भाजपा विधायक दल की बैठक में लिया गया फैसला

इंफाल, 3 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में आगामी 12 फरवरी को राष्ट्रपति शासन खत्म होना वाला था। इससे पहले ही एनडीए में सरकार बनाने को लेकर कवायद तेज हो गई थी। इस बीच भाजपा विधायक दल की बैठक में मंगलवार को युमनाम खेमचंद को विधायक दल का नेता चुना गया। इसी के साथ युमनाम खेमचंद के मणिपुर के नए मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। मणिपुर में फिर से सरकार बनाने के लिए भाजपा के विधायक सोमवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। वहीं, राष्ट्रपति शासन की अवधि खत्म होने से ठीक पहले भाजपा ने पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ को राज्य का केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से ही करीब एक साल तक मुख्यमंत्री पद खाली रहा। मणिपुर में 13 फरवरी 2025 को पहली बार छह महीने के लिए राष्ट्रपति शासन लगाया गया था, जिसे अगस्त 2025 में बढ़ाया गया। अगर अब भी सरकार का गठन नहीं हो पाता, तो केंद्र सरकार को संसद के बजट सत्र के दौरान राष्ट्रपति शासन बढ़ाने के लिए दोनों सदनों में वैधानिक प्रस्ताव लाना पड़ता।

पीएम मोदी ने कहा 'वर्ल्ड ऑर्डर' भारत के पक्ष में बदल रहा

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता हो चुका है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी के बीच फोन कॉल के बाद इस डील का ऐलान हुआ. अब अमेरिका के अंदर भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ की जगह केवल 18 प्रतिशत का टैरिफ लगेगा. मंगलवार, 3 फरवरी को एनडीए की संसदीय दल बैठक बंद कमरे में हुई. सूत्रों ने बताया है कि यहां पीएम मोदी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के निहितार्थ के बारे में बात की. पीएम मोदी ने यहां कहा कि वर्ल्ड ऑर्डर भारत के पक्ष में बदल रहा है. चलिए समझते हैं कि पीएम मोदी ने ऐसा क्यों कहा है। सूत्रों के अनुसार एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने कहा था कि वर्ल्ड ऑर्डर बदलेगा. कोविड के बाद वो दिख रहा है और आज वर्ल्ड ऑर्डर भारत के पक्ष में ट्विस्ट हो रहा है. अमेरिकी ट्रेड डील से अच्छा वातावरण बना. लोग आलोचना कर रहे थे, लेकिन हमने धैर्य रखा. धैर्य का परिणाम निकला. अब मैन्युफैक्चरिंग बढे. और देश में क्वालिटी प्रोडक्ट बनाए।'

'बोलने से रोकना लोकतंत्र पर कलंक'; राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने से उन्हें रोकना लोकतंत्र के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा को रोकने का प्रयास है।

राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा 'कल जब मैं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बोल रहा था, तो आपने मुझे उस पत्रिका की प्रमाणिकता सत्यापित करने को कहा, जिसका मैं हवाला देना चाहता था। मैंने आज अपने भाषण की शुरुआत में दस्तावेज को प्रमाणित कर दिया। परंपरा के अनुसार, एक सदस्य जो किसी दस्तावेज का हवाला देना चाहता है, उसे उसका प्रमाणिकरण करना होता है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद स्पीकर सदस्य को दस्तावेज का हवाला देने की अनुमति देते हैं। इसके बाद इसका जवाब सरकार की जिम्मेदारी होती है और अध्यक्ष का कर्तव्य समाप्त हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा मुझे लोकसभा में बोलने से रोकना केवल इस परंपरा का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि विपक्ष के नेता के रूप में मुझे राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर बोलने से रोकने का जानबूझकर प्रयास किया गया। राष्ट्रपति के अभिभाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा एक मुख्य विषय था, जिस पर संसद में चर्चा होना आवश्यक है।

'यह न्याय व्यवस्था के लिए बीमारी, अब इलाज जरूरी'

> फैसलों में देरी पर सीजेआई सूर्यकांत की दो टूक

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स में फैसले सुनाने और उन्हें सार्वजनिक करने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह न्याय व्यवस्था की एक पहचान योग्य बीमारी बन चुकी है, जिसे अब जड़ से खत्म करना जरूरी है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि समय पर न्याय न मिलना, न्याय से वंचित किए जाने जैसा ही है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ झारखंड हाईकोर्ट से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट ने 4 दिसंबर 2025 को याचिका खारिज करने का मौखिक आदेश तो सुना दिया, लेकिन महीनों बाद भी उसका लिखित फैसला अपलोड नहीं किया गया।

ऐसी देरी का कोई तर्क नहीं :

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से पेश वकील से कहा कि इस तरह की देरी का कोई औचित्य नहीं है और निर्देश दिया कि पूरा फैसला अगले सप्ताह के अंत तक संबंधित वकील को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, मामले को फरवरी 16 से शुरू होने वाले सप्ताह में फिर सूचीबद्ध करने का आदेश दिया गया।

सीजेआई की दो टूक :

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका के भीतर इस समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा 'कुछ जज बेहद मेहनती होते हैं, कई मामलों की सुनवाई कर फैसले सुरक्षित रखते हैं, लेकिन फिर लंबे समय तक निर्णय नहीं देते। यह व्यक्तिगत आरोप नहीं है, बल्कि पूरी न्यायपालिका के सामने एक चुनौती है। यह बीमारी है और इसे फैलने नहीं दिया जा सकता।' सीजेआई ने यह भी चिंता जताई कि कई मामलों में बहस पूरी होने के बाद भी केस को बार-बार आगे के निर्देशों के लिए सूचीबद्ध किया जाता है, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी बढ़ती है। सीजेआई ने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि हाईकोर्ट जज के रूप में अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में मैंने कभी भी ऐसा नहीं किया कि फैसला सुरक्षित रखा हो और तीन महीने के भीतर सुनाया न हो। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा ऐसा लगता है जैसे केवल औपचारिकता निभाई जा रही है। कोई सख्त संदेश जाना जरूरी है। यह कानून की गरिमा के साथ खिलवाड़ है।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से होगी चर्चा :

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने बताया कि वह इस मुद्दे को हाईकोर्ट्स के मुख्य न्यायाधीशों की आगामी बैठक में उठाएंगे। उन्होंने कहा हम इस पर चर्चा करेंगे और ऐसा समाधान निकालने की कोशिश करेंगे, जिससे इस तरह की टाली जा सकने वाली कानूनी कार्यवाही खत्म हो। गौरतलब है कि नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट्स को निर्देश दिया था कि वे आरक्षित फैसलों से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट सौंपें, जिसमें फैसला सुरक्षित रखने की तारीख, सुनाए जाने की तारीख और अपलोड करने की तारीख स्पष्ट रूप से दर्ज हो।

सुप्रीम कोर्ट बोला मेटा-वॉट्सएप कानून मानें या भारत छोड़ें

भारतीयों का डेटा शेयर करने की इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मेटा और वॉट्सएप को उनकी प्राइवेसी पॉलिसी पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम आपको एक भी जानकारी शेयर करने की इजाजत नहीं देंगे। आप इस देशवासियों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, यदि आप हमारे संविधान का पालन नहीं कर सकते, तो भारत छोड़ दें। हम नागरिकों की प्राइवेसी से समझौता नहीं होने देंगे। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पांचोली की बेंच मेटा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका वॉट्सएप की 2021 प्राइवेसी पॉलिसी से जुड़ी है, जिसमें कंपटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने नवंबर 2024 में मेटा पर 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था।

अगस्ता वेस्टलैंड सेना के लिए फिर हेलिकॉप्टर सप्लाई करेगी

> भारतीय अफसरों को 360 करोड़ रुपये रिश्वत देने का आरोप था

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। इटली की कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड क्लीन चिट मिलने के पांच साल बाद फिर भारत के रक्षा क्षेत्र में एंट्री करने जा रही है। यह वही कंपनी है, जिसका नाम बहुचर्चित वीवीआईपी हेलिकॉप्टर कांड से जुड़ा था।

इसने करीब एक दशक तक भारतीय राजनीति को झकझोर दिया था। अगस्ता की पैतृक कंपनी लियोनार्डो के साथ अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की डील को अंतिम रूप दिया जा चुका है। अडाणी ग्रुप के अनुसार इसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को होगी। लियोनार्डो कभी फिनमैकेनिका के नाम से जानी जाती थी।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला 3,600 करोड़ रुपये का एक वीवीआईपी हेलिकॉप्टर खरीद घोटाला है। इसमें कंपनी पर 12 एडब्ल्यू-101 (एडब्ल्यू-101) हेलिकॉप्टर की खरीद में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों और बिचौलियों को लगभग 360 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप है।

भारत ने 2014 में इस सौदे को औपचारिक रूप से रद्द करने के बाद कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया गया था। सबूतों के अभाव में पहले इटली की अदालत ने और बाद में नवंबर 2021 में रक्षा मंत्रालय ने अगस्ता वेस्टलैंड को क्लीन चिट दे दी थी।

यह सौदा 2010 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान इटली की कंपनी फिनमैकेनिका की सहायक कंपनी 'अगस्ता वेस्टलैंड' के साथ हुआ था। 2013 में इटली की जांच एजेंसियों ने रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच शुरू की। सौदे में बिचौलियों की भूमिका सामने आई। मामला सीबीआई को सौंपा गया और नौबत यह भी आई कि सौदे के समय वायु सेना प्रमुख रहे एयर चीफ मार्शल एसपी त्यागी और कुछ अन्य लोगों को जेल भी जाना पड़ा।

ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले एसआईआर कराने पर उठाए सवाल, बोलीं-असम को क्यों छोड़ा गया?

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। एसआईआर पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंगाल में इसे लेकर लगातार विवाद बढ़ रहा है। इसी बीच नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर केंद्र और चुनाव तंत्र पर गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, उन्हें अपना पक्ष रखने का उचित मौका नहीं दिया जा रहा। ममता बनर्जी ने इसे चुनाव से ठीक पहले की गई संदिग्ध कार्रवाई बताया। ममता बनर्जी ने कहा कि उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद लोग एसआईआर प्रक्रिया के पीड़ित हैं और ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। उनके अनुसार कई वास्तविक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावित लोगों को न तो ठीक से सूचना दी जा रही है और न ही उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिल रहा है। इतनी बड़ी जांच दो-तीन महीने में बिना पहले से योजना के कैसे पूरी की जा सकती है? चार चुनावी राज्यों में से तीन में एसआईआर हो रहा है, लेकिन भाजपा शासित असम में क्यों नहीं? एसआईआर के कथित पीड़ितों को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया जा रहा। कई लोग एसआईआर से प्रभावित हैं और बड़ी संख्या में लोग इससे परेशान भी हैं।

चुनाव से पहले समय पर उठाए सवाल

मुख्यमंत्री ने एसआईआर की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले यह प्रक्रिया क्यों शुरू की गई। उन्होंने पूछा कि क्या इतनी बड़ी जांच बिना लंबी तैयारी के दो–तीन महीने में पूरी की जा सकती है। उनके मुताबिक इससे चुनावी निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं और मतदाताओं में भ्रम की स्थिति बनती है।

ममता बनर्जी ने कहा कि चार चुनावी राज्यों में से तीन में एसआईआर किया जा रहा है, लेकिन भाजपा शासित असम में यह प्रक्रिया नहीं हो रही। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण करार दिया।

कपड़े, आभूषण और रत्न टैरिफ के 50% से 18% होने का क्या नतीजा

किस सेक्टर पर अब कितना असर

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के बीच एक साल लंबी वार्ता के बाद आखिरकार एक व्यापार समझौते पर मुहर लग गई है। फिलहाल इस ट्रेड डील की शर्तें सामने नहीं रखी गई है। यानी यह साफ नहीं है कि अमेरिका किस तरह से और किस सेक्टर को टैरिफ से कितनी राहत देने वाला है। हालांकि, यह साफ है कि भारत पर लगे कुल 50 फीसदी टैरिफ में से 25 फीसदी टैरिफ, जो कि भारत पर रूस से तेल खरीदने के एवज में लगाया गया था वह अब हट चुका है। दूसरी तरफ व्यापार घाटे को कम करने के लिए लगाया गया 25 फीसदी आयात शुल्क भी अब 18 फीसदी पर लाया गया है। यानी इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को व्यापार में अपने प्रतिद्वंद्वी देशों के मुकाबले काफी मदद मिलेगी।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ट्रंप के टैरिफ 50 फीसदी से घटकर 18 फीसदी पर आने का क्या असर होगा? देश के किन-किन सेक्टर्स को इससे फायदा होने की उम्मीद है? कौन से क्षेत्र पहले ही ट्रंप के टैरिफ के असर से सुरक्षित थे? अमेरिका में भारतीय उत्पादों के आयात शुल्क कम होने से क्या होगा? इस फैसले की बदौलत भारत से निर्यात किए गए जिन उत्पादों पर अमेरिकी उपभोक्ता/कंपनियां पहले 50 प्रतिशत तक टैरिफ चुकाती थीं, अब वे 18 फीसदी टैरिफ ही चुकाएंगी। इसका असर यह होगा कि भारतीय उत्पादों की कीमत अमेरिकी बाजार में कम होगी और इनका उपभोग, जो पहले कुछ कम हुआ था, वह वापस अपने पुराने स्तर पर लौटेगा। लंबी अवधि में भारत इन टैरिफ के जरिए अपने व्यापारिक प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले लाभ की स्थिति में रहेगा, क्योंकि दूसरे देशों के मुकाबले अमेरिकी नागरिक भारतीय उत्पादों को ज्यादा तरजीह दे सकते हैं।

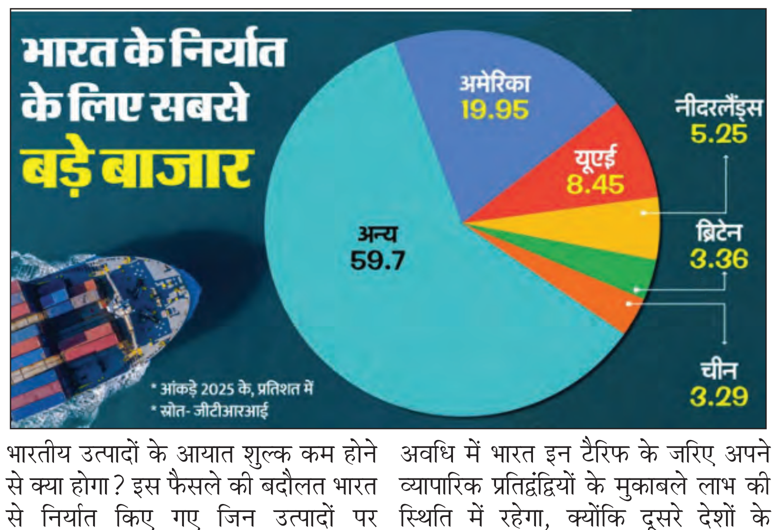

हमारे टेक्सटाइल, आभूषण और रत्न, कृषि और कुछ अन्य सेक्टर पर इस टैरिफ के कम होने का असर दिख सकता है। 27 अगस्त को लगने वाले 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ (रूस से तेल खरीदने के लिए) के बाद यह बढ़कर 150 रुपये के हो गए। यही स्थिति अलग-अलग सेक्टर्स के उत्पादों की रही। हालांकि, अब रूस से तेल खरीदने के लिए लगने वाले टैरिफ को पूरी तरह हटा दिया गया है। वहीं, व्यापार घाटे को कम करने के लिए लगने वाला टैरिफ भी कम हुआ है। यानी भारतीय निर्यातकों को फायदा मिलना शुरू होगा।

भारत के कपड़ा उद्योग के निर्यात का बड़ा हिस्सा अमेरिका पर निर्भर रहा है। दरअसल, टैरिफ लागू होने से पहले तक भारत से होने वाला कुल टेक्सटाइल निर्यात का 28 फीसदी अकेले अमेरिका को जाता था। इसकी कुल कीमत 10.3 अरब डॉलर से ज्यादा है। टैरिफ दरें बढ़कर 50 फीसदी होने से सबसे ज्यादा प्रभावित भारत ही हुआ था, क्योंकि अमेरिका में आयातकों पर भारतीय कपड़े खरीदने के लिए ज्यादा कीमत देनी पड़ रही थी। वहीं वियतनाम, इंडोनेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों को कम टैरिफ का फायदा मिला। वियतनाम पर अमेरिका 19 फीसदी टैरिफ लगा रहा है, वहीं इंडोनेशिया पर ट्रंप ने 20 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसी तरह बांग्लादेश और कंबोडिया के ऊपर भी टैरिफ दर 20 फीसदी से कम है।

भारतीय सीमा में फेंके गए पांच लाख रुपये के जाली नोट, आरोपी गिरफ्तार

मालदा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बंगाल के मालदा जिले में पांच लाख रुपये के जाली नोटों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि ये जाली नोट बांग्लादेश से सीमा पर लगाए गए बाड़ के ऊपर से पैकेट में भारतीय सीमा में फेंके गए थे। सोमवार को कालियाचक थाना पुलिस ने अभियान चलाकर आरोपित मुशर्रफ हुसैन (22) को गिरफ्तार किया। वह वैष्णवनगर थाना क्षेत्र के पार देवेनापुर इलाके का निवासी है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत बंद्योपाध्याय ने बताया कि चरी अनंतपुर आइटीआइ के पास जाली नोटों का लेनदेन होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने छापेमारी कर एक युवक के पास से पांच लाख के जाली नोट बरामद किए। बरामद सभी जाली नोट '9आरके सीरीज' के हैं।

पति को छोड़कर अलग रहने वाली पत्नी को पिछला भरण-पोषण नहीं मिलेगा

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला

तिरुवनंतपुरम, 3 फरवरी (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण पारिवारिक कानून से जुड़े फैसले में कहा है कि जो पत्नी बिना किसी उचित कारण के अपने पति को छोड़कर अलग रहती है, वह उस अवधि के लिए पिछला भरण-पोषण पाने की हकदार नहीं है।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सतीश निनन और न्यायमूर्ति पी कृष्ण कुमार की खंडपीठ ने की। अदालत ने पारिवारिक न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें पति को पत्नी को पिछला भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था, जबकि उसी अदालत ने पत्नी द्वारा पति को छोड़े जाने के आधार पर तलाक भी मंजूर किया था।

अदालत की अहम टिप्पणी

हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जब यह साबित हो जाए कि पत्नी ने बिना किसी वैध या उचित कारण के पति का परित्याग किया है, तो वह उससे भरण-पोषण की मांग नहीं कर सकती। अदालत ने अपने फैसले में कहा जब यह निष्कर्ष निकल चुका है कि पत्नी ने पति को छोड़ा है, तो ट्रायल कोर्ट को उसे पिछला भरण-पोषण देने का आदेश नहीं देना चाहिए था।

तलाक अधिनियम पर कोर्ट की व्याख्या

पत्नी की ओर से यह दलील दी गई थी कि तलाक अधिनियम, 1869 में 'परित्याग' की परिभाषा में बिना कारण शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। इस पर हाईकोर्ट ने उद्देश्यपूर्ण व्याख्या अपनाते हुए कहा कि 'परित्याग का अर्थ केवल अलग रहना नहीं है, बल्कि बिना उचित कारण के विवाह को त्यागना ही परित्याग माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि उचित कारण से अलग रहने वाले जीवनसाथी को भी दोषी माना जाए, तो यह संवैधानिक समानता (अनुच्छेद 14) और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) के खिलाफ होगा।

फैमिली कोर्ट बनाम हाईकोर्ट

फैमिली कोर्ट ने पति-पत्नी के बीच चले विवाद में पति को तलाक देने की अनुमति दी थी और साथ ही पति को पत्नी के 28 सोने के सिक्के या उनकी बाजार कीमत लौटाने का निर्देश दिया था। इसके अलावा, अदालत ने पत्नी को 25,500 रुपये और नाबालिग बच्चे को 8,000 रुपये की राशि पिछली अवधि के भरण-पोषण के रूप में देने का भी आदेश पारित किया था। वहीं, इस फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट ने सोने के गहनों को लौटाने संबंधी फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, लेकिन पत्नी को पिछला भरण-पोषण देने के निर्देश को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने माना कि चूंकि पत्नी ने बिना उचित कारण पति का परित्याग किया था, इसलिए वह अलग रहने की अवधि के लिए भरण-पोषण की हकदार नहीं है।

पूरा मामला क्या था?

मामले के तथ्यों के अनुसार, दंपति की शादी जून 2003 में ईसाई रीति-रिवाजों के तहत हुई थी। शादी के कुछ समय बाद पत्नी गर्भवती होने पर अपने मायके चली गई, जहां उसने बच्चे को जन्म दिया। दिसंबर 2005 में बच्चे के जन्म के बाद भी पति-पत्नी साथ नहीं रह पाए और दोनों अलग-अलग रहने लगे। इसके बाद पति ने पारिवारिक न्यायालय में तलाक की याचिका दायर की, जबकि पत्नी ने सोने के गहनों, विवाह के समय दिए गए पैसों की वापसी और अपने व बच्चे के भरण-पोषण की मांग को लेकर अलग याचिका दाखिल की।

श्वानों के काटने के मामलों को लेकर हाई कोर्ट की तल्ख टिप्पणी, 'इंदौर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन तक नहीं होता'

इंदौर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। शहर में लगातार बढ़ रहे श्वानों के काटने के मामलों को लेकर हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने चिंता जताई है। जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की और कहा कि इंदौर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन तक नहीं होता। चूंकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। इसलिए हम सिर्फ इतना आदेश दे रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जाए। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने लगभग दो माह पहले नगरीय निकायों को आदेश दिया था कि सार्वजनिक स्थानों से श्वानों को हटाया जाए और उन्हें डॉग शेल्टर होम बनाकर शिफ्ट किया जाए। बावजूद इसके इंदौर में अब तक कुछ नहीं हुआ। हाई कोर्ट अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसले आने के बाद सुनवाई करेगा।

पश्चिम बंगाल में 10 जगहों पर ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

जांच एजेंसी के निशाने पर ये लोग

बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया जवाब

कोलकाता, 3 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में ईडी ने मंगलवार को 10 जगहों पर छापेमारी की। ईडी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में कई जगहों पर छापेमारी की। यह छापेमारी कोयले की कथित अवैध माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य पुलिस अधिकारी मनोरंजन मंडल सहित लगभग दस ठिकानों पर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई की जा रही है। यह जांच उस दूसरे कथित कोयला घोटाले के मामले से अलग है, जिसकी जांच केंद्रीय जांच एजेंसी कर रही है। इस एजेंसी ने पिछले महीने कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पीएसी के ठिकानों पर भी छापा मारा था। अधिकारियों ने बताया कि इस ताजा कार्रवाई के तहत किरण खान, शेख अख्तर, प्रबीर दत्ता, मिर्जा एच बेग समेत कुछ अन्य लोगों के ठिकानों पर भी छापेमारी की जा रही है।

वहीं, ईडी की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें प. बंगाल सरकार का हलफनामा आज ही मिला है। उन्हें इस पर जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई टाल दी। दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल करके आई-पैक कार्यालय पर छापेमारी के दौरान राज्य मशीनरी की ओर से किये गए हस्तक्षेप के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल याचिका को चुनौती दी है। राज्य सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में इसी तरह के एक मामले के लंबित होने का हवाला दिया है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने 15 जनवरी को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को ईडी की याचिका पर नोटिस जारी किया था।

खाई में गिरी हिमाचल रोडवेज की बस, तीन सवारियों की मौत; 15 घायल

देहरादून, 3 फरवरी (एजेंसियां)। मंगलवार सुबह हिमाचल प्रदेश के चौपाल-नेरवा से पांवटा जा रही एचआरटीसी की एक बस क्वानू के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। यह बस सुबह साढ़े छह बजे चौपाल डिपो से पहले नेहवा पहुंची और उसके बाद मीनस-क्वानू- हरिपुर रूट से पांवटा जा रही थी। बस में तीस से अधिक लोग सवार बताए जा रहे हैं। घटना सुबह करीब दस बजे की बताई जा रही है। मीनस-क्वानू-हरिपुर मार्ग पर सुदोई खड्ड के पास ट्रक को साइड देने के चक्कर में सड़क का पुश्ता धंसने से सवारियों से भरी एचआरटीसी की बस खाई में कई पलटे खाने के बाद सीधे खड्ड में जा गिरी। स्थानीय लोग राहत एवं बचाव कार्य के लिए मौके पर जुटे हैं। घटना की सूचना से पुलिस प्रशासन व एसडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हो गई।

अंकिता भंडारी मर्डर केस

वीआईपी एंगल की सीबीआई जांच शुरू अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दर्ज हुआ केस

देहरादून, 3 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में पारदर्शी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की संस्तुति पर सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। सीबीआई की स्पेशल क्राइम ब्रांच की शाखा दो ने अज्ञात वीआईपी के खिलाफ दिल्ली में मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच टीम उत्तराखंड पहुंच गई है।

इसे राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें वह न्याय के हर पहलू को सामने लाने के पक्ष में है। दरअसल, यह मामला एक बार फिर उस समय चर्चा में आया जब भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उनकी कथित पत्नी उर्मिला सनावर के बीच वायरल ऑडियो और सोशल मीडिया पर जारी वीडियो सामने आए। उर्मिला सनावर ने फेसबुक लाइव के जरिए अंकिता हत्याकांड में एक वीआईपी की भूमिका का जिक्र किया था। इसके बाद प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमा गया और विपक्षी दलों व विभिन्न संगठनों की ओर से सीबीआई जांच की मांग तेज हो गई।

सरकार ने इस पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए किसी भी तरह की शंका या संदेह को दूर करने के लिए तुरंत कदम उठाया। नौ जनवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले की सीबीआई जांच की संस्तुति कर दी थी। सरकार का स्पष्ट कहना है कि वह किसी को बचाने के बजाय सच्चाई सामने लाने में विश्वास रखती है और यदि मामले में कोई भी दोषी है, चाहे वह कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो, उसे कानून के दायरे में लाया जाएगा।

400 फीट अंधेरी गहरी खाई में मिली लॉ छात्रा की लाश

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई से लापता हुई 20 साल की लॉ स्टूडेंट श्रेया नरेंद्रपति का शव पुलिस ने लोनावला के टाइगर पॉइंट क्षेत्र से बरामद किया है। श्रेया करीब 400 फीट गहरी खाई में गिरी हुई थी, जिसे ड्रोन और विशेष रेस्क्यू टीम की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार, श्रेया मुंबई से लोनावला ट्रैकिंग के लिए आई थी। वो ड्यूक्स नोज इलाके में ट्रैकिंग करने गई थी। लेकिन जब वह शाम तक घर वापस नहीं लौटी, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। रातभर तलाश करने के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो 1 फरवरी की सुबह लोनावला रूरल पुलिस स्टेशन में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जांच के दौरान टाइगर पॉइंट के पास पुलिस को एक लावारिस बैग मिला, जिसकी पहचान श्रेया के सामान के रूप में हुई।

फर्जी वीजा रैकेट का भंडाफोड़, गिरफ्तार'

कोलकाता । विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर फर्जी वीजा जारी कर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। दक्षिण 24 परगना जिले के उस्ती इलाके से गिरफ्तार आरोपितों गुलाम मुस्तफा शेख, रमीजुद्दीन शेख व अफरीदी शेख के पास से 22 पासपोर्ट व दो गाड़ियां जब्त की गई हैं। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। यह गिरोह वाट्सएप ग्रुप के जरिये काम करता है। पता चला है कि फर्जी वीजा जारी कर इन लोगों ने जिले के करीब 22 लोगों को चूना लगाया है। प्रत्येक से दो से तीन लाख रुपये लिए गए थे।

पंकजा मुंडे के हेलिकॉप्टर में आई खराबी, लिया गया बडा फैसला

संभाजीनगर, 3 फरवरी (एजेंसियां)।

अजित पवार के प्लेन क्रैश में निधन के बाद महाराष्ट्र के बाकी नेता भी हवाई यात्रा करने में सतर्कता बरत रहे हैं। ताजा मामला बीजेपी नेता और कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे से जुड़ा सामने आया है। पंकजा मुंडे के हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद पंकजा ने हेलिकॉप्टर से यात्रा टाल दी। पंकजा मुंडे संभाजीनगर से लातूर के लिए हेलिकॉप्टर से जाने वाली थीं। उन्हें जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए यहां जाना था। लेकिन पायलट ने पहले ही तकनीकी खराबी की जानकारी दी, जिसके बाद पंकजा ने अपनी यात्रा टाल दी। बता दें कि अजित पवार के प्लेन क्रैश हादसे में निधन के बाद सभी नेता हवाई यात्रा में सतर्कता बरत रहे हैं।

हाल ही में प्लेन क्रैश में हुआ था अजित पवार का निधन

गौरतलब है कि हालही में एनसीपी नेता अजित पवार का प्लेन बारामती में क्रैश हो गया था। इस हादसे में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से सभी नेता हवाई यात्रा करने से पहले अलर्ड मोड अपना रहे हैं। अजित पवार महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम थे और बारामती में सभा को संबोधित करने के लिए मुंबई से सुबह के वक्त ही निकले थे। अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का डिप्टी सीएम बनाया गया है। अजित पवार से पहले एयर इंडिया के विमान क्रैश में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मौत हो चुकी है। ये हादसा 12 जून 2025 को अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ देर बाद हुआ था। एयर इंडिया की फ्लाइट 171 इस हादसे में पूरी तरह नष्ट हो गई थी। इससे पहले भारत के पहले 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' जनरल बिपिन रावत की साल 2021 में तमिलनाडु के कुन्नूर में एमआई-17वी5 हेलिकॉप्टर हादसे में मौत हो गई थी। गौरतलब है प्लेन क्रैश में विमान सवार लोगों के बचने की संभावना बहुत कम होती है।

ट्रेन में हुई छेड़छाड़ से नागदा में मचा बवाल, सात आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन, 3 फरवरी (एजेंसियां)। रतलाम से खाचरौद के बीच मेमू ट्रेन में सवार गुजरात के एक परिवार के साथ अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ युवकों द्वारा अभद्रता और मारपीट किए जाने की घटना के बाद रात को नागदा में हुआ तनाव अब शांत है। पुलिस ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। नागदा में भारी फोर्स तैनात है। सोमवार सुबह फोर्स ने फ्लैग मार्च निकाला। गौरतलब है कि रात को रेलवे स्टेशन के बाहर जमा भीड़ को खदेड़ने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा था। 15 दिन की अवधि में तराना के बाद नागदा दूसरा ऐसा कस्बा है, जहां शांति भंग करने की कोशिश की है।

पुणे लैंड डील घोटाला: पार्थ पवार को बड़ी राहत, प्राथमिक जांच में कहीं भी नहीं आया नाम

पुणे, 3 फरवरी (एजेंसियां)।

लैंड डील घोटाले के मामले में दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार को बड़ी राहत मिली है। इस घोटाले के मामले में राज्य पुलिस की इकोनॉमिक ऑफिस विंग ने चार्जशीट दायर की है। चार्जशीट के मुताबिक, प्राथमिक जांच में कहीं भी पार्थ पवार का नाम नहीं आया है। पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पुणे के मुंढ़वा में 40 एकड़ जमीन के सौदे से संबंधित 1,886 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) धारक शीतल तेजवानी (44) ने यह जानते हुए भी कि जमीन का यह टुकड़ा राज्य सरकार के स्वामित्व में है, अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी के साथ बिक्री विलेख निष्पादित किया।

एफआईआर में पार्थ का नाम नहीं

दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ, अमाडिया एंटरप्राइजेज में साझेदार हैं, हालांकि एफआईआर में पार्थ का नाम नहीं है। अमाडिया के एक अन्य साझेदार दिग्विजय अमर सिंह पाटिल और निलंबित तहसीलदार सूर्यकांत येवाले पर भी आरोप लगाए गए हैं। पुणे पुलिस सूत्रों की माने तो अभी इस मामले में आगे जांच जारी है और आवश्यकता पड़ने पर सप्लीमेंट्री चार्ज शीट भी दाखिल की जा सकती है।

दरअसल, ये पूरा मामला 40 एकड़ सरकारी जमीन की बिक्री में कथित अनियमितताओं से संबंधित है जो कि एक कंपनी को 300 करोड़ रुपये में बेचा गया था। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि महार वतन भूमि के रूप में वर्गीकृत की गई इस जमीन की वास्तविक कीमत 300 करोड़ रुपये से कहीं ज्यादा है। नियमों के अनुसार, राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति के बिना ऐसी 'महार वतन' भूमि को बेचा नहीं जा सकता है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि जमीन का बाजार मूल्य 1,800 करोड़ रुपये था।

पिता ने दिखाई हैवानियत पीड़िता ने खुद थाने पहुंचकर की शिकायत

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के पहाड़गंज में 14 वर्षीय बेटी से कई बार बलात्कार करने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। शिकायत करने वाली आठवीं कक्षा की छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह मुख्य रूप से अपने छोटे भाई-बहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सामने आई। लड़की अपने मकान मालिक के साथ पहाड़गंज थाने पहुंची। पुलिस ने बताया कि शिकायत में लड़की ने कहा, कि उसकी मां लगभग 15 दिन पहले बिहार में उनके पैतृक गांव चली गई थी, जिसके बाद उसका उत्पीड़न शुरू हुआ। पुलिस के अनुसार लड़की ने आरोप लगाया कि रात के दौरान उसके पिता ने घर पर उसका बलात्कार किया। लड़की ने पुलिस को बताया कि उसने विरोध किया, लेकिन पिता ने धमकाकर चुप रहने के लिए कहा। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, लड़की ने बताया कि पिछले 10-15 दिन में चार-पांच बार इसी तरह की घटनाएं हुईं।

गुजरात में जातिवाद का खौफनाक चेहरा! घोड़े पर चढ़े दलित दूल्हे पर तलवारें लेकर टूट पड़ी भीड़

अहमदाबाद, 3 फरवरी (एजेंसियां)।

इक्कीसवीं सदी के भारत में जहां हम तकनीकी और आर्थिक प्रगति के बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, वहीं सामाजिक धरातल पर जातिवाद का ज़हर आज भी हमारे लोकतंत्र को खोखला कर रहा है। ताजा मामला गुजरात के पाटन जिले से सामने आया है, जहां एक दलित युवक को अपनी शादी के दिन सिर्फ इसलिए प्रताड़ित किया गया, क्योंकि उसने घोड़े पर चढ़कर बारात निकालने की 'हिम्मत' की थी। विशाल चाबड़ा नामक यूवक के लिए वह दिन उसके जीवन का सबसे सुखद अवसर होने वाला था।

पांच अन्य दूल्हों की तरह विशाल भी सुनहरे सपने आंखों में लिए सज-धजकर घोड़े पर सवार होकर अपनी बारात लेकर निकला था। संगीत की धुन पर बाराती नाच रहे थे, लेकिन चंद्रुमना गांव के पास पहुंचते ही खुशियों का यह माहौल अचानक मातम और दहशत में बदल गया। अचानक संगीत थम गया और नाचते हुए कदम रुक गए। सन्नाटे को चीरते हुए सुनाई दी तो बस नफरत भरी आवाजें और तलवारों की झंकार। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गांव के एक 'प्रभावशाली' समुदाय के लोगों ने बारात का रास्ता रोक लिया। हमलावरों का तर्क हैरान करने वाला और अमानवीय था।

उनका मानना था कि घोड़े पर सवार होना केवल 'उच्च वर्ण' के लोगों का विशेषाधिकार है। भीड़ में से लोग चिल्ला रहे थे, इस गांव में एक दलित की घोड़े पर चढ़ने की हिम्मत कैसे हुई? देखते ही देखते आरोपियों ने तलवारें निकाल लीं और दूल्हे विशाल को डराना-धमकाना शुरू कर दिया। बारात में शामिल कई लोगों के साथ मारपीट की गई और उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

पांच माह से बिना वीजा रह रहा चीन का नागरिक

धर्मशाला, 3 फरवरी (एजेंसियां)। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की नगरी मैक्लोडगंज में हिमाचल पुलिस ने एक चीनी नागरिक को हिरासत में लिया है। आरोपी के खिलाफ बिना वैध भारतीय वीजा के लंबे समय तक भारत में ठहरने के आरोप में मैक्लोडगंज पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि उसकी गतिविधियां जासूसी से जुड़ीं तो नहीं हैं। जांच के दौरान उसके बैंक खाते में लगभग चार लाख चीनी युआन की राशि पाई गई है। उसके मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी फॉरेंसिक जांच की जा रही है। वह करीब पांच माह से मैक्लोडगंज के समीप एक गांव में किराये के मकान में रह रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी चीन पुलिस में अपनी सेवाएं दे चुका है।

सुनेत्रा पवार इस हफ्ते संभालेंगी डिप्टी सीएम का कार्यभार

मंत्रालय में मिला अजित पवार का ही केबिन

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)।

विमान हादसे में अजित पवार की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी। अब खबर सामने आई है कि सुनेत्रा पवार इस सप्ताह के अंत तक अपना कार्यभार संभाल लेंगी। वहीं, महाराष्ट्र के मंत्रालय में सुनेत्रा पवार को अजित पवार का ही केबिन दिया गया है। सुनेत्रा पवार को मंत्रालय में वही कार्यालयीन कक्ष (दालान) दिए जाएंगे, जिनका उपयोग पहले अजित पवार किया करते थे।

इस संबंध में राज्य सरकार ने निर्णय लेते हुए सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने शासन निर्णय जारी किया है। सरकारी निर्णय के अनुसार, मंत्रालय के 5वें, छठे और 7वें मंजिल पर स्थित अजित पवार के उपयोग में रहे कक्षों को ही अब उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के लिए स्थायी रूप से आवंटित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सुनेत्रा पवार सप्ताह के अंत तक अपने पद का औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल सकती हैं।

मंत्रालय में आवंटित कार्यालयीन कक्ष

सरकारी आदेश के अनुसार, सुनेत्रा पवार को मंत्रालय की मुख्य इमारत के छठे मंजिल पर उत्तर दिशा की कार्यालयीन जगह 7वें मंजिल पर पूर्व दिशा के कक्ष-कक्ष क्रमांक 717 (निधि कक्ष से भीतर प्रवेश के बाद का कक्ष), कक्ष क्रमांक 722 और 723 और 5वें मंजिल पर उत्तर दिशा का कक्ष क्रमांक 503 को कार्यालयीन उपयोग के लिए दिया गया है।

सरकारी निवास भी बरकरार रहने की संभावना

मलबार हिल स्थित 'देवगिरी' सरकारी निवास भी सुनेत्रा पवार को आवंटित रहने की संभावना जताई जा रही है। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री और उससे पहले विपक्ष के नेता रहते हुए अजित पवार इसी सरकारी निवास में रहते थे।

विचार
लक्ष्य ऊंचा रखो, दृष्टि साफ रखो, मंजिल अवश्य प्राप्त होगी

चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने वाले की खैर नहीं

डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबादः 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) । राज्य के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि नगर निगम चुनाव कानून के हिसाब से असरदार तरीके से होने चाहिए।

नगर निगम चुनाव के मौके पर, उन्होंने मंगलवार को उन इलाकों के पुलिस कमिश्नरों, ज़िला एसपी और स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) से वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए बात की, जहाँ नगर निगम चुनाव होने वाले हैं।

राज्य में 7 नगर निगमों और 116 नगर पालिकाओं में हो रहे चुनावों के संदर्भ में, पुलिस अधिकारियों को कोत्तागुडेम, करीमनगर, महबूबनगर, मंचेरियल, निज़ामाबाद, नलगोंडा, रामागुंडम निगमों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 414 वार्डों और 116 नगर पालिकाओं के 2582 वार्डों में असरदार तरीके से चुनाव कराने के निर्देश दिए गए। इस महीने की 11 तारीख को वोटिंग और 13 तारीख को काउंटिंग होने के संदर्भ में, डीजीपी ने नियमों के अनुसार चुनाव कराने और राज्य पुलिस डिपार्टमेंट और सरकार का नाम रोशन करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने साफ किया कि किसी भी तरह की शिकायत या अनचाही घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए जाएं। डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को नियमों के अनुसार सख्ती से काम करने के निर्देश दिए। हैदराबाद पुलिस के लीगल एडवाइजर श्री रामुलु ने मीटिंग में चुनाव कराने से जुड़े कानूनों के बारे में बताया। इस मौके पर उन्होंने कहा... कानून के अनुसार, वोटरों को प्रभावित करने, उन पर सिर्फ एक व्यक्ति को वोट देने का दबाव डालने या उन्हें नॉमिनेशन फाइल करने से रोकने जैसे काम करने वालों के लिए सख्त सजा होनी चाहिए, और अगर पीड़ितों पर सोशल या इकोनॉमिक बॉयकॉट किया जाता है तो कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करनी होगी। इसी तरह, अगर शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने के लिए शराब बांटी जाती है या एक्साइज एक्ट के नियमों का उल्लंघन किया जाता है, तो कम से कम छह महीने से दो साल तक की जेल हो सकती है। आर्म्स एक्ट के मुताबिक, जिनके पास लाइसेंसी हथियार हैं, उन्हें उन्हें पुलिस स्टेशन में जमा कराना होगा, नहीं तो उन्हें एक से तीन साल की सज़ा हो सकती है।

दूसरी तरफ, अधिकारियों को चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा पालन किए जाने वाले नियमों को लेकर सख्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिफेसमेंट ऑफ़ पब्लिक प्लेसेज़ एक्ट-1997 के मुताबिक, अगर कोई बिना इजाज़त दीवारों पर पोस्टर लगाता है या अश्लील विज्ञापन दिखाता है, तो उसे न सिर्फ़ हटाया जा सकता है, बल्कि संबंधित लोगों के ख़िलाफ़ क्रिमिनल केस भी दर्ज किया जा सकता है, और नॉइज़ पॉल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए टाउन न्यूसेंस एक्ट को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। पुलिस अधिकारियों से पहले इजाज़त लिए बिना सार्वजनिक जगहों पर लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करना कानूनी जुर्म है। उन्होंने कहा कि मोटर व्हीकल एक्ट-1988 के तहत प्रचार गाड़ियों के मामले में कई पाबंदियां हैं, और चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर से पहले इजाज़त लेना ज़रूरी है, और इजाज़त के डॉक्यूमेंट की ओरिजिनल कॉपी गाड़ी के आगे लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थाओं और पूजा की जगहों का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद और पार्टी कैंपेन के लिए करना, धार्मिक संस्थाओं के गलत इस्तेमाल की रोकथाम एक्ट-1988 के तहत एक गंभीर अपराध माना जाता है, और जो लोग नफरत फैलाने वाले भाषण देते हैं और जातियों और धर्मों के बीच झगड़ा पैदा करने वाला काम करते हैं, उन्हें पांच साल तक की जेल हो सकती है।

उन्होंने कहा कि पब्लिक मीटिंग और जुलूस निकालने के लिए डिस्ट्रिक्ट पुलिस एक्ट के तहत पहले से लाइसेंस लेना चाहिए, और अगर वे पुलिस के निर्देशों के खिलाफ काम करते हैं और आम ज़िंदगी में रुकावट डालते हैं, तो उन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जो कोई भी चुनाव ड्यूटी में रुकावट डालता है या धांधली जैसी गड़बड़ियां करता है, वह तेलंगाना म्युनिसिपैलिटीज़ एक्ट-2019 के तहत सज़ा का हकदार है। पुलिस कमिश्नर, एसपी ,स्टेशन हाउस ऑफिसर, एआईजी लॉ एंड ऑर्डर रमना कुमार और दूसरे लोग वीडियो कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का जिला दौरा, नगर निगम चुनाव में करेंगे प्रचार

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्राम पंचायत चुनाव प्रचार के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी बुधवार से जिला दौरे पर निकलेंगे। वह 11 फरवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी के पक्ष में प्रचार करेंगे। उनके प्रचार अभियान की शुरुआत बुधवार को पूर्व नालगोंडा जिले के मिरयालगुडा से होने की संभावना है। इसके बाद गुरुवार को करीमनगर के चोप्पाडंडी, शुक्रवार को निजामाबाद ग्रामीण, शनिवार को रंगारेड्डी के परिगी और रविवार को वारंगल के भूपालपल्ली में जनसभाएं होंगी। इसी के साथ उनका प्रचार अभियान पूरा होगा।

सोमवार को मेदक जिले में मुख्यमंत्री के प्रचार कार्यक्रम को लेकर अभी कोई साफ जानकारी नहीं है। जिला दौरे पर जाने से पहले मुख्यमंत्री शहर में मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर सकते हैं। सोमवार नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि होने के कारण बैठक में उम्मीदवारों की जीत की संभावनाओं, चुनावी रणनीति और बागी नेताओं के मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

कांग्रेस–सीपीआई गठबंधन टूटा, अलग-अलग लड़ेंगे चुनाव

कोत्तागुडेम, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कई दिनों की अनिश्चितता और बातचीत के बाद कांग्रेस और सीपीआई ने कोत्तागुडेम में अपना गठबंधन समाप्त करने का फैसला किया है। दोनों दल अब नगरपालिका चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेंगे। पिछले विधानसभा चुनावों में कोत्तागुडेम सीट पर कांग्रेस का समर्थन करने वाली सीपीआई ने नगर निगम चुनावों में भी गठबंधन जारी रखने की इच्छा जताई थी। हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों पार्टियों के बीच सहमति नहीं बन सकी।

सूत्रों के अनुसार, सीपीआई ने 30 सीटों की मांग की थी, जबकि कांग्रेस ने 20 सीटें देने की पेशकश की। बताया गया कि कांग्रेस इन 20 सीटों में से भी उन पांच डिवीजनों पर दावा कर रही थी, जो पिछली नगर परिषद में सीपीआई के पास थे।

खम्मम सांसद आर. रघुराम रेड्डी और कांग्रेस नेता तुल्लुरी ब्रह्मैया ने सीपीआई के जिला सचिव शेख सबीर पाशा के साथ कई दौर की बातचीत की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। अंततः सीट बंटवारे को लेकर मतभेदों के चलते गठबंधन टूट गया। खबरों के अनुसार, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी नगर निगम चुनावों में सीपीआई के साथ गठबंधन के पक्ष में नहीं थे। बताया जाता है कि उन्होंने कहा था कि कोत्तागुडेम नगर निगम और एडुलपुरम नगर पालिका में जीत उनकी जिम्मेदारी है और यह उनके लिए जनमत संग्रह जैसा होगा।

सूत्रों का कहना है कि एडुलपुरम में अधिक सीटों की सीपीआई की मांग को मंत्री ने "लालच" करार दिया। वहीं, सीपीआई नेताओं का मानना था कि कोत्तागुडेम में उन्हें बढ़त मिलेगी, क्योंकि इस विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सीपीआई के राज्य सचिव कुनामनेनी सांबासिवा राव करते हैं।

सीपीआई जिला सचिव शेख सबीर पाशा ने बताया कि पार्टी ने 56 डिवीजनों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और टीडीपी चार सीटों पर चुनाव लड़ते हुए सीपीआई का समर्थन करेगी। दूसरी ओर, कांग्रेस ने 58 डिवीजनों के लिए उम्मीदवार घोषित किए हैं और सीपीआई (एम) को दो सीटें दी हैं।

इधर, कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर असंतोष भी सामने आया है।

टिकट से वंचित नेताओं ने आरोप लगाया है कि पार्टी नेतृत्व ने नए शामिल नेताओं को तरजीह दी और पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी की। कांग्रेस के 53वें डिवीजन के नेता और वड्डेरा संगम के जिला अध्यक्ष पल्लापु वेंकटेश्वरलू ने कहा कि पार्टी के लिए लंबे समय से काम करने के बावजूद उनके साथ अन्याय हुआ है।

वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ता बीरा रवि ने आरोप लगाया कि 24वें डिवीजन से टिकट का आश्वासन देने के बावजूद अंतिम समय में टिकट नहीं दिया गया। अब वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस को कई डिवीजनों में बागी उम्मीदवारों की चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

पूर्व विधायक चंद्रुपतला राम रेड्डी का निधन

पेद्दापल्ली, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंथानी के पूर्व विधायक चंद्रुपतला राम रेड्डी का मंगलवार सुबह हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे। उनकी आयु 80 वर्ष थी। मुथाराम मंडल के खम्ममपल्ली गांव के निवासी राम रेड्डी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत ग्राम सरपंच के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने मुथाराम मंडल के एमपीपी के रूप में भी कार्य किया। वर्ष 1994 में वह तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के टिकट पर मंथानी विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए थे। पूर्व विधायक के दो पुत्र हैं। बड़ा पुत्र विदेश में निवास करता है, जबकि छोटा पुत्र सुनील रेड्डी राजनीति में सक्रिय है और वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा हुआ है। राम रेड्डी के निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, शुभचिंतकों और स्थानीय लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उनका पार्थिव शरीर मंगलवार को मंथानी लाया जाएगा, जबकि अंतिम संस्कार बुधवार को किया जाएगा।

मंचेरियल नगर निगम में महापौर–उप महापौर पद को लेकर सस्पेंस बरकरार

मंचेरियल, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नवगठित मंचेरियल नगर निगम (एमसीसी) में महापौर और उप महापौर पद के लिए कांग्रेस, भाजपा और बीआरएस के बीच उम्मीदवारों के चयन को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। तीनों प्रमुख दलों ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। महापौर का पद बीसी (सामान्य) वर्ग के लिए आरक्षित है। बीसी समुदाय के कई उम्मीदवारों को उम्मीद है कि चुनाव में जीत के बाद उन्हें इस प्रतिष्ठित पद के लिए चुना जा सकता है। इसी उम्मीद में उम्मीदवार चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। प्रत्येक राजनीतिक दल से तीन से अधिक उम्मीदवार महापौर पद की दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं। चर्चा है कि मतदाताओं को लुभाने और प्रचार-प्रसार पर भारी रकम खर्च की जा रही है। बताया जा रहा है कि हर उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्र में करीब एक करोड़ रुपये तक खर्च कर रहा है। हालांकि, कांग्रेस, भाजपा और बीआरएस के जन प्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता महापौर पद के संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चुप्पी साधे हुए हैं। नेताओं का मानना है कि नाम उजागर होने से पार्टी के भीतर असंतोष और गुटबाजी बढ़ सकती है, जिससे चुनावी नुकसान हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, महापौर पद के उम्मीदवार का चयन राज्य स्तर पर किया जाएगा। चयन में उम्मीदवार की आर्थिक स्थिति, व्यक्तित्व और जनता के बीच लोकप्रियता जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा। मंचेरियल नगर निगम में 13 फरवरी को मतदान और उसी दिन मतगणना होगी, जबकि महापौर और उप महापौर का चुनाव 16 फरवरी को कराया जाएगा।

सरकारी नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल निलंबित

जिला कलेक्टर के. हरिता का आदेश

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर के. हरिता ने जिला मुख्यालय स्थित सरकारी नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल बी. विनोद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह जानकारी जिला कलेक्टर ने दी। कलेक्टर ने बताया कि प्रिंसिपल के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों के आधार पर उन्होंने कॉलेज का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रिंसिपल ड्यूटी से अनुपस्थित पाई गईं तथा उनके कार्यालय कक्ष पर ताला लगा हुआ था। अध्यापक स्टाफ और छात्रों से की गई पूछताछ में यह सामने आया कि प्रिंसिपल 29 जनवरी से अपने वैधानिक कर्तव्यों के लिए उपस्थित नहीं हो रही थीं और आसिफाबाद में भी मौजूद नहीं थीं। इसके बावजूद उन्होंने मुख्यालय छोड़ने के लिए किसी प्रकार की पूर्व अनुमति नहीं ली थी। कलेक्टर ने बताया कि दिसंबर 2025 में शैक्षणिक वर्ष शुरू होने के बावजूद अब तक कक्षाएँ प्रारंभ नहीं की गई थीं। छात्रों और शिक्षकों ने पुष्टि की कि छात्र-छात्राएँ अस्वच्छ परिस्थितियों में रह रहे हैं तथा उन्हें निम्न गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। छात्रों ने यह भी शिकायत की कि उनसे सफाई कार्य, प्रिंसिपल के व्यक्तिगत कार्य, तथा आवारा कुत्तों और बिल्लियों की देखभाल व भोजन कराने जैसे कार्यों के लिए दबाव डाला जा रहा था। इसके अलावा छात्रावास में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने से छात्राओं को असुविधा हो रही थी। इन गंभीर अनियमितताओं और लापरवाही को देखते हुए प्रिंसिपल बी. विनोद को निलंबित किया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अनुशासनात्मक कार्यवाही अथवा आपराधिक मामलों से संबंधित सभी प्रक्रियाएँ पूरी होने तक निलंबन जारी रहेगा। निलंबन अवधि के दौरान प्रिंसिपल को जिला मुख्यालय में ही निवास करना होगा तथा पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

चोरी के आरोप में तीन महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) । पुलिस ने चोरी के आरोप में तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। एसएचओ के.वी. सुब्बाराव ने बताया कि सब्जी मार्केट में भीड़ का फायदा उठाकर महिलाओं के हैंडबैग चुराने वाली तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया है। मूसापेट के प्रगति नगर की लोपेट्टी नागमणि रात को लोकल मार्केट में सब्जी खरीद रही थीं, तभी अनजान लोगों ने उनका हैंडबैग चुरा लिया। पीड़ित ने 17 जनवरी को पुलिस में शिकायत की कि उसमें 40 हजार रुपये कैश थे। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की और आज सुबह वाई जंक्शन पर शक के घेरे में घूम रही तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान, उनकी पहचान फतेहनगर और सनतनगर की बंदरी शालिनी (34), गंबू माहेश्वरी (43) और उप्पू सरिता (38) के रूप में हुई। एसएचओने बताया कि आरोपी महिला भीड़भाड़ वाले इलाकों और मेलों को निशाना बनाकर चोरी करती हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 1,500 रुपये कैश बरामद हुए हैं। उन्होंने बाज़ार और मॉल जैसी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने वाली महिलाओं को सलाह दी कि वे अपने साथ लाए बैग और कैश का ध्यान रखें।

महिला ने आत्महत्या का प्रयास किया, पुलिस ने रोका

करीमनगर, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को गंद्रकोटा पावनी नाम की महिला ने हुजूरबाद पुलिस स्टेशन के सामने न्याय न मिलने के विरोध में आत्महत्या का प्रयास किया, जिसमें उसने अपने ऊपर डीजल डाल लिया। सतर्क पुलिसकर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप कर उसे बचा लिया।

पावनी ने दो साल पहले रामपुर निवासी कंचापु अरविंद से शादी की थी। कुछ समय बाद उसने पति पर अतिरिक्त दहेज की मांग करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। बाद में दोनों ने सामुदायिक पंचायत के माध्यम से तलाक लिया। तलाक के समय अरविंद ने कथित तौर पर 9 लाख रुपये मुआवजा देने का वादा किया था, जो अभी तक नहीं मिला। पावनी ने कई बार पुलिस स्टेशन के चक्कर लगाए, लेकिन कार्रवाई न होने पर मंगलवार को अपने माता-पिता के साथ फिर थाने पहुंचीं। संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया और आत्महत्या का प्रयास किया, जिसे पुलिस ने रोक दिया।

साइबर पुलिस ने ओटीपी साझा न करने की दी चेतावनी

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं में वृद्धि के बीच हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने नागरिकों को किसी भी परिस्थिति में वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) साझा न करने की चेतावनी दी है। पुलिस ने बताया कि जालसाज लोग फोन कॉल, टेक्स्ट, व्हाट्सएप, फर्जी कस्टमर केयर नंबर और फिशिंग वेबसाइटों के जरिए लोगों को ओटीपी देने के लिए बहका रहे हैं। इसके कारण बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक अनधिकृत पहुंच हो रही है।

साइबर अपराध अधिकारियों ने कहा कि धोखेबाज अक्सर खुद को बैंक अधिकारी, ग्राहक सेवा प्रतिनिधि, डिलीवरी एजेंट या नौकरी और ऋण प्रदाता के रूप में पेश करते हैं, ताकि जल्दी में ओटीपी हासिल कर सकें। इसके अलावा, पीड़ितों को फर्जी यूपीआई कलेक्ट रिक्वेस्ट, ऑनलाइन रिफंड ऑफर और सिम स्वैप धोखाधड़ी के जरिए भी ठगा जा रहा है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अज्ञात कॉल या संदेश से ओटीपी साझा न करें, अपरिचित यूपीआई अनुरोधों को मंजूरी न दें और ग्राहक सेवा नंबर की पुष्टि केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप के माध्यम से करें। ओटीपी वाले स्क्रीनशॉट साझा करना भी गंभीर जोखिम है।

पत्नी के साथ मारपीट के आरोप में पुलिस कांस्टेबल निलंबित

मंचेरियल, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेड्डी कॉलोनी में रविवार रात को नशे की हालत में पत्नी को जातिगत नाम से पुकारकर गाली देने और मारपीट करने के आरोप में पुलिस कांस्टेबल डी. रवि प्रसाद को निलंबित कर दिया गया है। रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने सोमवार रात मामले में आदेश जारी किया। मंचेरियल टाउन पुलिस स्टेशन में तैनात डी. रवि प्रसाद के खिलाफ उनकी पत्नी शिरीषा की शिकायत पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर निलंबन किया गया है। मामले की जांच जारी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा गया कि नशे की हालत में केवल अंडरगारमेंट्स पहने रवि प्रसाद अपनी पत्नी शिरीषा को घर से सड़क पर घसीटते और मारपीट करते हैं। शिरीषा अपने छोटे बच्चे को गोद में लिए रोती नजर आईं। सूत्रों के अनुसार, दंपति के बीच कुछ साल पहले से मतभेद चल रहे थे। शिरीषा तेलंगाना राज्य विशेष पुलिस की 13वीं बटालियन, गुडीपेट में अधीक्षक हैं। उन्होंने छह साल पहले प्रेम संबंध के बाद रवि प्रसाद से शादी की थी।

यूरिया बुकिंग में दिक्कत, किसानों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

मेदक, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूरिया खरीदने के लिए उर्वरक बुकिंग ऐप का उपयोग न कर पाने से नाराज किसानों ने मंगलवार को चिन्ना शंकरमपेट मंडल के गव्वलापल्ली जंक्शन पर सड़क जाम कर दिया। किसानों ने बताया कि कई बार कोशिश के बावजूद वे ऐप के जरिए यूरिया बुक नहीं कर सके, जिससे उन्हें मजबूरन प्रदर्शन करना पड़ा।

किसानों ने मेदक–चेगुंटा मार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर दिया, जिससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। स्थिति को देखते हुए प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। सूचना मिलने पर कृषि अधिकारी प्रवीण कुमार, एसआई नारायण गौड़ सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर उन्हें समझाया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। कृषि अधिकारी ने किसानों को भरोसा दिलाया कि यूरिया बुकिंग से जुड़ी समस्या को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाएगा और इसका समाधान जल्द से जल्द कराया जाएगा।

ग्रेस कैंसर फाउंडेशन ने मेघालय सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कैंसर जागरूकता और किफायती निदान के क्षेत्र में सक्रिय हैदराबाद स्थित ग्रेस कैंसर फाउंडेशन (जीसीएफ) ने मंगलवार को मेघालय सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य कैंसर जागरूकता और स्क्रीनिंग पहलों को आगे बढ़ाना है।

वरिष्ठ रोबोटिक कैंसर सर्जन और जीसीएफ के संस्थापक डॉ. चिन्नबाबू सुनकावल्ली ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन फाउंडेशन को भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम और किफायती निदान संबंधी पहल शुरू करने में मदद करेगा। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर फाउंडेशन ने यह भी घोषणा की कि फरवरी 2026 से मेघालय और त्रिपुरा में मुफ्त कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। ग्रेस कैंसर फाउंडेशन ने 2025 में 61,000 से अधिक लोगों की जांच की थी, जिससे 1,000 से अधिक मामलों में कैंसर का प्रारंभिक निदान संभव हुआ।

दो लाख नौकरियों के वादे से मुकरने पर केटीआर का कांग्रेस पर तीखा हमला

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार पर बेरोजगार युवाओं को धोखा देने और दो लाख सरकारी नौकरियां भरने के वादे से मुकरने का आरोप लगाते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवा जल्द ही राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर देंगे। केटीआर ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार ने यह साबित कर दिया है कि छह गारंटी और 420 वादे केवल भ्रम और धोखा थे। उन्होंने चेतावनी दी कि अब सरकार को बेरोजगार युवाओं के गुस्से का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने यह टिप्पणी टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के उस बयान के बाद की, जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस ने दो लाख नौकरियां पूरे कार्यकाल में देने का वादा किया था। केटीआर ने कहा कि यह दावा कांग्रेस के घोषणापत्र के खिलाफ है, जिसमें पहले वर्ष के भीतर ही दो लाख नौकरियां देने की बात कही गई थी। बीआरएस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा एक और गारंटी से पीछे हटने के बाद तेलंगाना के बेरोजगार युवा आक्रोशित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि वादा पांच साल में पूरा किया जाना था।

केटीआर ने कहा कि यदि कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के उस बयान को लागू किया जाता, जिसमें उन्होंने कहा था कि पहले साल में दो लाख नौकरियां न देने पर सरकार गिरा दी जाएगी, तो यह सरकार एक साल पहले ही गिर चुकी होती। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार के अंतिम चरण में दी गई 65 हजार नौकरियों का श्रेय लेने के लिए मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र बांटते समय फोटो खिंचवाईं, लेकिन इसके बाद कांग्रेस सरकार एक भी नई भर्ती अधिसूचना जारी करने में विफल रही, जिससे राज्य में शून्य भर्ती की स्थिति बन गई।

केटीआर ने कहा कि अब जनता को यह साफ दिख रहा है कि रेवंत रेड्डी द्वारा बीआरएस सरकार पर लगाए गए आरोपों का मकसद केवल धोखे से सत्ता हासिल करना था, जबकि बीआरएस सरकार पहले ही 1.65 लाख नौकरियां दे चुकी थी। उन्होंने कहा कि 10 हजार नौकरियों के लिए भी अधिसूचना जारी न होने से न केवल बेरोजगार युवा बल्कि उनके माता-पिता भी सरकार से नाराज हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार को अक्षम और अयोग्य करार दिया।

बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार रोजगार कैलेंडर के वादे से पीछे हटते हुए घोटालों में उलझ गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि मुख्यमंत्री यह न समझें कि लोग दो लाख नौकरियों के वादे से मुकरने पर चुप रहेंगे या माफी स्वीकार कर लेंगे।

टेक्सास क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी का हैदराबाद विश्वविद्यालय दौरा

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका के टेक्सास क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी (टीसीयू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) का दौरा किया और दोनों संस्थानों के बीच विचारों के आदान-प्रदान और दीर्घकालिक सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। बैठक के दौरान यह तय किया गया कि संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम के लिए उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान हेतु निरंतर संवाद जारी रहेगा। इसके अलावा, समान रुचि रखने वाले संकाय सदस्यों की पहचान कर सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा।

ह्यूस्टन विश्वविद्यालय ने कहा कि आने वाले हफ्तों में छात्र और संकाय विनिमय की संभावनाओं के साथ-साथ सहयोग के अन्य पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में साझा हितों के क्षेत्रों का मानचित्रण करने और दोनों पक्षों के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी। टीसीयू के प्रतिनिधिमंडल में ग्लोबल निदेशक डॉ. ऐनलीज़ बुश, वाइस प्रोवोस्ट हीथ आइंस्टीन और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सलाहकार डॉ. कैथरीन विनी शामिल थे। हैदराबाद विश्वविद्यालय की टीम का नेतृत्व कुलपति प्रो. बीजे राव ने किया।

सस्पेंशन के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे अलंकार अग्निहोत्री

कहा-केंद्र सरकार में केवल दो लोगों की चलती है, दिल्ली से बड़ा आंदोलन शुरू होगा

प्रयागराज, 3 फरवरी (एजेंसियां)। माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और प्रशासन में हुए विवाद का मामला थम नहीं रहा है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में इस्तीफा देकर पूरे देश में चर्चा में आए बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री प्रयागराज पहुंचे हैं। प्रयागराज में अलंकार अग्निहोत्री अपने निलंबन की कार्रवाई को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। इसी सिलसिले में वह प्रयागराज में अपने विधि सलाहकारों से मिलें।

उनका कहना है कि वह निलंबन को चैलेंज करेंगे। दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंनें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति अपना नर्म रुख दिखाया, लेकिन केंद्र सरकार पर जमकर अपनी भड़ास निकाली। अलंकार अग्निहोत्री नें कहा कि केंद्र सरकार एक कम्पनी की तरह चल रही हैं। इसमें सिर्फ दो लोगों की ही चलती हैं, एक मोदी की दूसरे अमित शाह की। उन्होंने कहा- एससी/एसटी एक्ट में संशोधन कराना ही उनकी मुख्य लड़ाई है। इसके लिए दिल्ली से बड़ा आंदोलन शुरू होगा।

अलंकार अग्निहोत्री ने कहा-देश इस समय बहुत अस्थिरता की स्थिति में गुजर रहा है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार का जो गणतंत्र का कॉन्सेप्ट होता है, जो सिद्धांत होता है, जो रिपब्लिक, वह बिल्कुल इस समय छिन्न-भिन्न हो चुका है।

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के संबंध अच्छे नहीं

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के संबंध अच्छे नहीं हैं। चाहे किसी भी प्रदेश में देखें, कहीं न कहीं इतना हस्तक्षेप है। जो केंद्र सरकार के पास तंत्र है, उसे मैं आजकल 'वेस्ट इंडिया कंपनी' बोलता हूं-काले अंग्रेजों की कंपनी, जो दो लोगों द्वारा चलाई जा रही है: माननीय मोदी जी और अमित शाह जी, सीईओ और एमडी की हैसियत से।

6 राज्यों में 1200-1400 प्रदर्शन

अलंकार अग्निहोत्री ने कहा- इस सरकार के पास तीन केंद्रीय तंत्र हैं, जिनसे ये एमपी, एमएलए और राज्यों के सीएम को कंट्रोल करते हैं। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो), और इंकम टैक्स विभाग जैसा कि आपने देखा, यूजीसी रेगुलेशन 2026, जो 13 जनवरी 2026 को बजट में प्रकाशित हुआ, इससे पूरे देश में उबाल आ गया। हम लोग प्रशासनिक हैं और किसान यूनियन, ओबीसी समाज, क्षत्रिय करणी सेना, ब्राह्मण समाज, सवर्ण सेना आदि से जुड़े हैं। जब हमने इन्हें बताया कि ये सिविल वॉर सिचुएशन क्रिएट कर देगी, तो बरेली में पैराडॉक्स प्रदर्शन हुआ। उसके बाद देशभर में धरने बढ़े।

लेकिन गोदी मीडिया (मेनस्ट्रीम मीडिया) ने इग्नोर किया। इसलिए हमने रिजाइन किया-तब मीडिया को मजबूरी में कवर करना पड़ा। इससे अवेयरनेस फैली, हिंदी बेल्ट के 6 राज्यों में 1200-1400 प्रदर्शन हुए। कलराज मिश्र (बीजेपी) ने 28 तारीख को इसे असंवैधानिक कहा, लेकिन केंद्र के निकम्मे नेता शर्म न करने वाले, ईडी की धमकी से डरे रहते हैं। ये सजातीय ब्राह्मण नहीं, पैसा बचाने वाले हैं, धर्म परिवर्तन कर लेते हैं।

'सहमति से फिजिकल रिलेशन बनाना अपराध नहीं'

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शादी का झूठा वादा करने के मामले में एफआईआर रद्द की

प्रयागराज, 3 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपसी सहमति से फिजिकल रिलेशन को धोखाधड़ी मानने से इनकार कर दिया है। एक मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा- आपसी सहमति से बने फिजिकल रिलेशन को बाद में धोखाधड़ी नहीं माना जा सकता।

यह केवल रिश्ता टूटने से होने वाली निराशा है। कोर्ट ने कहा- बीएनएस की धारा-69 केवल धोखे या छल से बनाए गए संबंधों को दंडित करती है, न कि आपसी सहमति से बने रिश्तों के टूटने से उत्पन्न निराशा को। धारा-69 में शादी का झूठा वादा करके धोखे से संबंध बनाना है। इसमें जुर्म साबित होने पर 10 साल तक की अधिकतम सजा का प्रावधान है। हाईकोर्ट के जज सिद्धार्थ वर्मा और अब्दुल शाहिद की खंडपीठ ने यह टिप्पणी करते हुए एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया है।

मामला नोएडा का है। 12 दिसंबर 2024 को एक युवती ने सेक्टर-63 थाने में एक युवक पर धमकाने, हमला और शादी का झूठा वादा करके रिलेशन बनाने (धारा-69) के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई। आरोपी युवक ने एफआईआर रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। युवक के वकील ने सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया कि युवती और आरोपी युवक ने जोधपुर में एलएलएम की एक साथ पढ़ाई की थी। इस दौरान दोनों में दोस्ती हुई। दोनों ने शादी करने की सहमति बनी। जून 2023 में दोनों की सगाई हुई थी। सगाई के बाद शादी की डेट 12 नवंबर 2024 तय हुई। शादी की डेट तय होने के बाद दोनों परिवारों ने शादी की तैयारियां शुरू कर दीं। कोर्ट में याची की तरफ से होटल की बुकिंग, शादी के कार्ड की प्रिंटिंग और फोटोग्राफर बुकिंग के सबूत पेश किए।

कोर्ट ने कहा-धोखाधड़ी नहीं माना जा सकता

कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पाया कि याची की तरफ से शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी थी। बाद में किन्हीं कारणों से रिश्ता टूट गया। दोनों के बीच मनमुटाव आ गया। कोर्ट ने पाया कि शादी का जो वादा किया था, वह सच्चा था। उसे पिछली तारीख से धोखाधड़ी नहीं माना जा सकता है।

अविमुक्तेश्वरानंद को अयोध्या में न घुसने देने की चेतावनी

> योगी के समर्थन में आए जगद्गुरु परमहंसाचार्य

अयोध्या, 3 फरवरी (एजेंसियां)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर विवाद तेज होता जा रहा है। अयोध्या में तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में अविमुक्तेश्वरानंद के लिए चेतावनी जारी की है। उन्होंने शंकराचार्य को अयोध्या में प्रवेश न करने देने की चेतावनी जारी की है। जगद्गुरु परमहंस आचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर की गई कथित अभद्र टिप्पणियों से नाराज हैं। परमहंस आचार्य का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को औरंगज़ेब और हुमायूं का बेटा कहना अत्यंत निंदनीय है। यह एक संत को शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन धर्म और उत्तर प्रदेश के हित में लगातार काम कर रहे हैं। इस तरह की भाषा अस्वीकार्य है।

जब तक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने शब्द वापस नहीं लेते और सीएम योगी से क्षमा नहीं मांगते, तब तक उन्हें अयोध्या में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। यह भी आरोप लगाया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का गाय को लेकर चल रहा आंदोलन राजनीति से प्रेरित है और विपक्ष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग के बावजूद बछड़ा और बैल के वध पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सका है।

परमहंस आचार्य ने केंद्र और राज्य सरकार से गोवंश को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने और पूर्ण रूप से गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही ग्रामस्तर पर गौरक्षा के लिए ठोस व्यवस्था किए जाने की अपील की। जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि भगवा पहनकर इस तरह की टिप्पणी करना पूरे संत समाज का अपमान है। जब तक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने शब्द वापस नहीं लेते, तब तक सभी सनातनी उनका बहिष्कार करें।

5 साल के बच्चे को कुत्ते ने काटा, मौत

आगरा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। आगरा में 5 साल के बच्चे की कुत्ते की काटने से मौत हो गई। कुत्ते ने घर के बाहर खेलते समय बच्चे के सिर और चेहरे पर काट लिया था। पिता ने कहा- उसे 3 रैबीज के इंजेक्शन लगवाए गए थे, फिर भी उसकी हालत बिगड़ती गई। वह कुत्तों की तरह हरकतें करने लगा। परिवार के लोग उसे आगरा और फिर दिल्ली ले गए। सफदरजंग अस्पताल से लौटने के बाद बच्चे की मौत हो गई। पूरा मामला पिनाहट थाना क्षेत्र के अतैयापुरा गांव की है।

कुंवर सिंह अपने परिवार के साथ पिनाहट के अतैयापुरा गांव में रहते हैं। उनके साथ उनकी पत्नी मनीषा और 3 बच्चे सुरभि (10), मोहित (8), छोटू (5) रहते थे। कुंवर सिंह ने बताया- 9 जनवरी को मैं गांव से बाहर कुछ काम से गया था। घर पर मेरी पत्नी और बच्चे थे। उन्होंने बताया-घर के बाहर की शाम के समय मेरा सबसे छोटा बेटा छोटू खेल रहा था।

बाहुबली अनंत सिंह जेल से सीधे आए विधानसभा

शपथ के बाद नीतीश का पैर छूकर छोटे सरकार ने लिया आशीर्वाद

पटना, 3 फरवरी (एजेंसियां)। शानदार ब्लेजर में ललाट पर टीका लगाए जब बिहार बाहुबली जेडीयू विधायक ललन सिंह विधानसभा पहुंचे तो उनके गले में कई तरह की माला थी। बिहार विधानसभा रिजल्ट के 51वें दिन उन्होंने कोर्ट के परमिशन के बाद शपथ लिया। सदन में शपथ लेने के बाद वो सबसे पहले डायरी में दस्तखत किए, फिर औपचारिक तौर पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार से दुआ-सलाम किए।

वहां से निकले तो उनका सामना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से हुआ। नीतीश कुमार का अनंत सिंह ने पैर छूकर प्रणाम किया। फिर दोनों हाथ जोड़े खड़े रहे। दोनों के बीच कुछ बातें भी हुई। सीएम नीतीश ने भी हाथ उठाकर अनंत सिंह का अभिवादन किया। इसके बाद अनंत सिंह वहां से निकल गए। सदन के भीतर अनंत सिंह के एटीट्यूड को दूसरे विधायकों ने

काफी करीब से निहारा। दरअसल, बाहुबली अनंत सिंह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संबंध करीब दो दशक पुराना है। 2004 के लोकसभा चुनाव के दौरान दोनों की नजदीकियां देखने को मिली थी। उस समय बाढ़ संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे नीतीश कुमार के लिए अनंत सिंह ने 'संकटमोचक' की भूमिका निभाई थी। अनंत सिंह की इलाके में मजबूत पकड़ के कारण ही उन्हें नीतीश कुमार का बेहद करीबी और भरोसेमंद माना जाने लगा। 2005 में जब नीतीश कुमार ने सत्ता संभाली, तब अनंत सिंह जेडीयू के टिकट पर मोकामा से विधायक बने।

हालांकि, 2015 में एक आपराधिक मामले में नाम आने और राजनीतिक समीकरणों के बदलने के बाद दोनों के रिश्तों में खटास आ गई। अनंत सिंह को पार्टी से बाहर कर दिया गया, जिसके बाद वे नीतीश कुमार के मुखर विरोधी बन गए। मगर, अब सबकुछ ठीक है और अनंत सिंह जेडीयू के विधायक हैं।

बिहार की राजनीति के कद्दावर और चर्चित बाहुबली नेता के तौर पर अनंत सिंह की पहचान है। अनंत सिंह को 'छोटे सरकार' के नाम से भी जाना जाता है। वे पटना जिले की मोकामा विधानसभा सीट से लगातार पांच बार विधायक रहे हैं। नीतीश कुमार की जदयू के मददगार रहे और उनके करीबी हैं। अनंत सिंह का नाम कई गंभीर आपराधिक मामलों और विवादों में रहा है, जिसके चलते उन्हें जेल भी जाना पड़ा। अनंत सिंह अपनी बेबाक शैली और क्षेत्र में जनसमर्थन के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में एक केस में दोषी करार दिए जाने के कारण अपनी सदस्यता भी खो चुके थे, लेकिन हालिया चुनावों में उन्होंने फिर से अपनी ताकत साबित की और जेडीयू के विधायक बने।

प्रिया हत्याकांड : अफेयर, लिव-इन और मंदिर में शादी

फिर भी विजय ने दूसरी लड़की से किया विवाह; अब पत्नी संग मारा गया

गोरखपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर में हुए प्रिया हत्याकांड में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। 'पति-पत्नी और वो' की इस कहानी में भरोसे का कत्ल भी हुआ है। आरोपी प्रेमी ने भरोसा देकर मुंबई से प्रिया को गोरखपुर बुलाया। यहां मंदिर में साथ जीने-मरने की कसमें तक खाईं। फिर भी उसने दगा दे दिया। आरोपी ने पत्नी के साथ मिलकर प्रिया को मार डाला।

गोरखपुर के पीपीगंज क्षेत्र में प्रिया हत्याकांड 'पति-पत्नी और वो' के साथ ही भरोसे के कत्ल की भी कहानी है। सहजनवां के विजय के प्यार में पागल प्रिया उसके साथ की चाह में मुंबई से भागी चली आई। यहां विजय ने मंदिर में साथ जीने-मरने की कसमें खाईं। यहीं से शुरू हुआ विजय का शातिरपना। प्रिया उसकी साजिशें समझ नहीं पाई जिसकी कीमत उसे जान देकर चुकानी पड़ी। हालांकि

विजय और अन्य आरोपियों ने बचने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन सीसीटीवी फुटेज ने उनकी कलई खोल दी।

पति-पत्नी और ससुर गिरफ्तार

एसपी साउथ दिनेश पुरी ने सोमवार को इस वारदात का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने मामले में विजय साहनी, उसकी पत्नी संध्या और साजिश रचने के आरोप में विजय के ससुर रामबिलास साहनी को गिरफ्तार कर सोमवार को कोर्ट में पेश किया। वहां से तीनों को जेल भेज दिया गया।

पत्नी के साथ मिलकर प्रिया को मार डाला

पूछताछ में विजय ने स्वीकार किया कि वह प्रिया के दबाव से डर चुका था। पत्नी के साथ मिलकर उसने सुनियोजित तरीके से हत्या की। एसपी साउथ ने बताया कि पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी विजय कुमार साहनी मूल रूप से सहजनवां थाना क्षेत्र के माडर गांव पोस्ट पाली का रहने वाला है।

विजय को 2012 में मिली नौकरी वह लंबे समय से महाराष्ट्र के मुंबई स्थित चारकोप, कांदिवली में रह रहा था। विजय ने हाईस्कूल और कॉमर्स से ग्रेजुएशन मुंबई से ही अपने बड़े भाई के पास रहकर की। वर्ष 2012 में उसे एक प्राइवेट बैंक में एजेंट की नौकरी मिली।

इसी दौरान प्रिया के संपर्क में आया था विजय

काम के सिलसिले में विजय ने विज्ञापन के जरिये अपना मोबाइल नंबर सार्वजनिक किया। इसी नंबर के माध्यम से प्रिया शेट्टी उसके संपर्क में आई। प्रिया एक निजी कंपनी में कार्यरत थी और क्लाइंट उपलब्ध कराने के बदले विजय से कमीशन लेती थी। यहीं से दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और पेशेवर रिश्ता निजी संबंध में बदल गया। धीरे-धीरे विजय और प्रिया का मेलजोल बढ़ता गया।

थानाध्यक्ष पर व्यवसायी से थाने में मारपीट का आरोप

एसएसपी ने एसडीपीओ को दिया जांच का निर्देश

दरभंगा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। दरभंगा में बेंता थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार पर महिला डॉक्टर से गाली-गलौज का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि अब कुशेश्वरस्थान थानाध्यक्ष अंकित चौधरी और एसआई मनोज कुमार शर्मा पर एक दवा व्यवसायी से थाने में मारपीट का गंभीर आरोप सामने आया है। इस मामले में व्यवसायी ने एसएसपी से लिखित शिकायत कर जांच की मांग की है। दवा व्यवसायी आनंद खेतान ने एसएसपी को दिए आवेदन में कहा है कि थाने में हुई पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड है। उन्होंने फुटेज की जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलते ही एसएसपी ने मामले की जांच का निर्देश बिरौल एसडीपीओ प्रभाकर चौधरी को दे दिया है।

फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 : सीएम योगी बोले हम लोगों ने तय किया जीरो टॉलरेंस

> अब कोई अपना-पराया नहीं होगा

लखनऊ, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को वैश्विक निवेशकों एवं उद्यमियों के महासंगम उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 का आयोजन हुआ। कार्यक्रम होटल ताज में आयोजित किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी शामिल हुए। इस मौके पर राज्य सरकार के साथ 11 कंपनियों ने एमओयू किया है। मेडिकल डिवाइस और नई दवाओं पर मिलकर शोध किया जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि हमने पूर्वी उत्तर प्रदेश में इन्सेफेलाइटिस बीमारी को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। 2017 से पहले जब सुरक्षा नहीं थी तो जो पहले से उद्यम थे, वो भी पलायन कर रहे थे। हम लोगों ने जीरो टॉलरेंस तय किया। अब अपराधियों में कोई अपना-पराया नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यूपी को अब तक 50 लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बेरोजगारी दर में यूपी सबसे न्यूनतम स्तर पर है। आज हमारे पास लैंड बैंक भी है। जब सभी लोग प्रयास करेंगे तो परिणाम आएंगे। हमने ललितपुर में प्रदेश के पहले फार्मा पार्क के लिए लैंड अधिग्रहण की। पार्क के विकास के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। उत्तर प्रदेश में सेंटर लेवल की लैबोरेट्री पहले से मौजूद है।

फर्जीवाड़ा : पांच हजार के दानपत्र से बेच दी पांच करोड़ की धर्मशाला

ट्रस्टियों-भूमाफियाओं पर गंभीर आरोप

आगरा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। नामनेर चौराहे पर स्थित चुन्नीलाल अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट की 100 साल पुरानी धर्मशाला की बेशकीमती संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने का बड़ा मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ कथित ट्रस्टियों, भूमाफिया ने सब रजिस्ट्रार से मिलीभगत कर धोखाधड़ी से पांच करोड़ की संपत्ति पांच हजार रुपये के दानपत्र से बेच दी। मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचने के बाद जांच शुरू हो गई है।

ट्रस्ट से जुड़े अग्रवाल समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री से भूमाफिया के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मुकदमा दर्ज कराने की गुहार लगाई थी। शिकायतकर्ता ट्रस्टी कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने बताया कि स्वर्गीय चुन्नीलाल अग्रवाल ने वर्ष 1927 में निःसंतान होने के कारण अपनी संपत्ति संख्या 2/204 एवं 2/205 ट्रस्ट के नाम कर दी थी। डीड की शर्तों के अनुसार, ट्रस्टियों को केवल देख-रेख का अधिकार था, बेचने या दान करने का नहीं। वर्ष 2010 में अग्रवाल समाज ने मौखिक रूप से कुछ नए ट्रस्टी नियुक्त किए थे। आरोप है कि उन्होंने खुद को मुख्य ट्रस्टी बताकर 30 जून 2025 को संपत्ति समर्पण समिति के नाम अवैध रूप से दान कर दी। करीब 300 वर्ग गज में बनी दो मंजिल धर्मशाला पर कब्जे की कोशिश की गई लेकिन वे कामयाब नहीं हो सके।

सब रजिस्ट्रार ने दरकिनार किए नियम

इस मामले में दानपत्र पंजीकृत करने वाले सब रजिस्ट्रार की भूमिका भी संदिग्ध है। सीएम को भेजी शिकायत में सब रजिस्ट्रार पर ट्रस्ट की संपत्तियों के हस्तांतरण में नियमों को दरकिनार करने के आरोप लगे हैं। शिकायत में दोषी व्यक्तियों के साथ सब रजिस्ट्रार के खिलाफ भी धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की गई है।

कराई जा रही है जांच

निबंधन सहायक महानिरीक्षक योगेश कुमार ने बताया कि सब रजिस्ट्रार ने नियमों का उल्लंघन किया या नहीं, इस बिंदु पर जांच कराई जा रही है। आरोप सही साबित होने पर सब रजिस्ट्रार के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ की जनवरी से ज्यादा माघ में हुआ जीएसटी कलेक्शन

संगमनगरी ने इस बार आर्थिक मोर्चे पर सबको चौंकाया

प्रयागराज, 3 फरवरी (एजेंसियां)। संगमनगरी ने इस बार आर्थिक मोर्चे पर सबको चौंका दिया है। राज्य वाणिज्य कर के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष महाकुंभ की जनवरी की तुलना में इस वर्ष माघ मेले की जनवरी में प्रयागराज जोन में रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन दर्ज किया गया है।

यह उछाल जोन की बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों की ओर इशारा कर रही है। खास बात यह है कि देश में जहां जीएसटी कलेक्शन की बढ़त 6.2 फीसदी रही, वहीं प्रयागराज में यह ग्रोथ 8.83 फीसदी दर्ज की गई। प्रयागराज में पिछले वर्ष महाकुंभ का आयोजन था। तब जनवरी-2025 में यहां 262.72 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। वहीं, जनवरी-2026 में माघ मेला लगा, जिस दौरान यहां जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 285.91 करोड़ रुपये पहुंच गया।

जानकारों का मानना है कि माघ मेले के दौरान स्थानीय व्यापार एवं अन्य क्षेत्र में हुए भारी लेनदेन ने राजस्व बढ़ाने में मदद की। डिजिटल पेमेंट और बिलिंग के प्रति बढ़ती जागरूकता ने भी इस रिकॉर्ड कलेक्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वरिष्ठ कर एवं वित्त सलाहकार डॉ. पवन जायसवाल का कहना है कि माघ मेले के साथ ही हाल के दिनों में सोने-चांदी की खरीद फरोख्त की बिलिंग काफी हुई। इससे विभाग को राजस्व मिला। इस वजह से भी यहां जीएसटी की ग्रोथ अच्छी रही। प्रयागराज जोन ने इस बार प्रदेश के अग्रणी जोन में अपनी जगह बनाई है। जीएसटी कलेक्शन के ग्रोथ रेट के मामले में प्रयागराज उत्तर प्रदेश के शीर्ष पांच जोन में शामिल रहा।

श्रीराम अस्पताल के फार्मासिस्ट रामप्रीत वर्मा को एसटीएफ ने हिरासत में लिया

अयोध्या, 3 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अयोध्या के श्रीराम अस्पताल में कार्यरत फार्मासिस्ट रामप्रीत वर्मा को हिरासत में ले लिया है।

यह कार्रवाई पड़ोसी जनपद बस्ती के पकौली थाने में दर्ज अपहरण और हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। पुलिस लगभग एक हफ्ते से इस मामले की जांच कर रही है और रामप्रीत वर्मा से पूछताछ कर रही है। सुबह करीब चार बजे पुलिस ने रामप्रीत वर्मा को उनके घर से हिरासत में लिया। इसके बाद एसटीएफ की टीम श्रीराम अस्पताल पहुंची, जहां उन्होंने फार्मासिस्ट के कार्यालय और अन्य हिस्सों की जांच की। जांच के दौरान रामप्रीत वर्मा को अस्पताल में भी साथ ले जाया गया।

इंसानियत शर्मसार : पोस्टमार्टम के बाद शव कवर करने के लिए मांगे रुपये

परिजनों ने खुद बॉडी को पैक किया

नोएडा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर-94 स्थित पोस्टमार्टम हाउस में एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव को कवर करने के लिए कथित तौर पर तीन हजार रुपये की मांग की गई।

इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें परिजन पैसे मांगे जाने की बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे परिजनों को शव को खुद पोस्टमार्टम के कपड़े में रखना पड़ा, जो नियमों के विपरीत है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, शव को ठीक से ढकने या पैक करने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा परिजनों से तीन हजार रुपये की मांग की गई। जब परिजन इस मांग का विरोध कर रहे थे, तब यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और वीडियो तेजी से फैल गया। यह घटना सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह

हालांकि, इस मामले में परिजनों की ओर से अभी तक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। इसके बावजूद, वीडियो के वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। यह घटना इस बात का संकेत देती है कि कहीं न कहीं सरकारी व्यवस्था में खामियां हैं, जिनका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है।

'भारत-अमेरिका ट्रेड डील से दोनों देशों को लाभ नहीं'

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच हुए नए व्यापार समझौते को लेकर देश में राजनीतिक बहस तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के नेताओं ने इस समझौते की शर्तों पर गहरी चिंता जताई है। वाशिंगटन का दावा है कि इस डील के बाद अमेरिका भारत को ज्यादा कृषि उत्पाद बेच पाएगा और भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय सामानों पर टैक्स (टैरिफ) कम होना अच्छी बात है, लेकिन यह सौदा सबके लिए फायदेमंद नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि भारत ने वेनेजुएला से तेल खरीदने और रूसी व ईरानी तेल बंद करने की बात मान ली है। उनके अनुसार, भारतीय बाजारों में अमेरिकी कृषि उत्पादों को छूट देना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि ट्रंप की तरफ से जो जानकारी सामने आई है, वह भारतीयों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं है।

'किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा: संजय सिंह,

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील को को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है। एक तरफ जहां इस डील के होते ही शेयर बाजार में उछाल देखा गया वहीं, राजनीतिक बयानबाजी भी होने लगी है। विपक्ष केंद्र सरकार पर जमकर हमलावर है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किसानों के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया है। सांसद संजय ने मीडिया से बातचीत में कहा, कृषि क्षेत्र में हमें अमेरिकी बाजार के लिए खोलकर नरेंद्र मोदी ने भारत के किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है। यह समझौता भारत के करोड़ों किसानों के साथ धोखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति कह रहे हैं कि अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। इसलिए, भारत के लोगों को अमेरिका से महंगा तेल खरीदना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, यह भारत के लोगों के लिए दोहरा झटका है। यह भारत के लोगों के साथ विश्वासघात है। जिस कृषि क्षेत्र को हमेशा बचा कर रखा गया कि अगर बाहर के उत्पाद यहां सस्ते में बिकेंगे, तो भारतीय किसान बर्बाद हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने करोड़ों किसानों के साथ विश्वासघात किया है।।उन्होंने खेत फलिहानों के साथ धोखा करने का काम किया है। इसका विरोध सड़क से लेकर सदन तक हम लोग करेंगे। संजय सिंह ने एक्स पर भी पोस्ट कर केंद्र सरकार पर हमला बोला है,

कांग्रेस ने क्या कहा?

इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमन सिंह ने भी सरकार को घेरा है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस समझौते की घोषणा भारतीय अधिकारी के बजाय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यों की? उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है जैसे भारत को मजबूर किया गया है। सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार ने रूस के साथ दशकों पुराने रिश्तों को दांव पर लगा दिया है। उन्होंने इसे भारत की विदेश नीति को गिरवी रखने जैसा बताया। उनके अनुसार, भारत को अपनी मर्जी से सस्ता तेल खरीदने की आजादी होनी चाहिए। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने प्रधानमंत्री मोदी से संसद में इस पर सफाई देने की मांग की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे भारत की राजधानी दिल्ली से हटकर वाशिंगटन पहुंच गई है।

पाकिस्तानी गैंगस्टर भट्टी से जुड़े नेटवर्क का पता लगा रही एनआईए, हैंड ग्रेनेड मामले में आरोपित को जमानत नहीं

मोहाली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। जालंधर में यूट्यूबर के घर हैंड ग्रेनेड रखने के आरोपित को मोहाली स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोपित दपिंदर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी का करीबी है और इसलिए एनआईए पूरे नेटवर्क की गहन जांच कर रही है। यूट्यूबर नवदीप सिंह उर्फ रोजर संधू के घर की बालकनी से हैंड ग्रेनेड मिला था, जोकि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने प्लांट कराया और परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। जालंधर के थाना मकसूदा में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए यह केस बाद में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपा गया। एनआईए ने जांच के दौरान कई अहम साक्ष्य जुटाए और आरोपित की संलिप्तता को अदालत के सामने रखा।

समीर वानखेड़े को 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के खिलाफ

मुंबई में मानहानि वाद दायर करने की मिली अनुमति

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के निर्देशन में बनी नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मानहानिकारक चित्रण के खिलाफ मुंबई की सत्र अदालत के समक्ष वाद दायर करने की दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े को अनुमति दे दी। समीर वानखेड़े ने आवेदन दायर कर क्षेत्राधिकार के आधार पर उनकी पूर्व याचिका को खारिज करने के आधार पर मुंबई की सत्र अदालत में जाने की स्वतंत्रता देने का अनुरोध किया। वहीं, सुनवाई के दौरान रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स सहित प्रतिवादियों ने कहा कि अगर आवेदन को मंजूरी दी जाती है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं जताई।

18 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग दो लोग झुलसे

ठाणे, 3 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में तड़के सुबह एक 18 मंजिला इमारत आग की चपेट में आ गई। आग की लपटों के बीच 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू किया गया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में 2 लोग घायल हैं। ये घटना ठाणे के शास्त्री नगर स्थित मिलान हिल का है। आज (मंगलवार) सुबह लगभग 4 बजे बिजली की पाइप से चिंगारी उठी और पलक झपकते ही पूरी बिल्डिंग आग की चपेट में आ गई। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन ताडवी के अनुसार, हमें सुबह 4.14 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग 10वीं और 13वीं मंजिल के बीच में स्थित बिजली की पाइप में लगी थी, जिससे इमारत के अंदर भारी धुआं भर गया था। यासीन ने बताया कि धुएं के कारण लगभग 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए थे।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्षा शर्मा की पहल, पानीपत में अब कोर्ट-कचहरी से पहले गांव में मिलेगा न्याय

पानीपत, 3 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्षा शर्मा ने सरपंचों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर गांव-गांव रैली निकालने का ऐलान किया है। इसमें हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में शुरू किए गए हरियाणा कम्युनिटी मीडिएशन प्रोग्राम को अब पानीपत जिले में बड़े स्तर पर लागू किया जा रहा है। इसको लेकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्षा शर्मा ने जिले के सरपंचों, ग्राम सचिवों और बीडीपीओ के साथ अहम बैठक की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गांव स्तर पर ही छोटे-मोटे आपसी विवादों का समाधान करना होगा, ताकि लोगों को कोर्ट-कचहरी और पुलिस के चक्कर न लगाने पड़ें। यह कार्यक्रम साल 2024 में शुरू किया गया था और फिलहाल पानीपत के सिवाह गांव में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है,

रिवर्स लेते ट्रैक्टर ने महिला को कुचला

सूरत, 3 फरवरी (एजेंसियां)। शहर के अलथान–भटार इलाके से एक दिल दहला देने वाला सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, जिसने सड़क सुरक्षा और निर्माण स्थलों पर लापरवाही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां एक निर्माणाधीन साइट पर रिवर्स लेते ट्रैक्टर ने सड़क से गुजर रही महिला को कुचल दिया। गनीमत रही कि महिला की जान बच गई, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना अलथान भटार इलाके की है, जहां एक इमारत का निर्माण कार्य चल रहा था। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई देता है कि एक महिला सड़क पर चलते हुए मोबाइल फोन पर बात कर रही थी। इसी दौरान निर्माण साइट पर मौजूद ट्रैक्टर चालक बिना पीछे देखे ट्रैक्टर को रिवर्स करता है और महिला को जोरदार टक्कर मार देता है। टक्कर लगते ही महिला सड़क पर गिर जाती है और ट्रैक्टर का पिछला पहिया उसके ऊपर चढ़ जाता है। कुछ पलों के लिए महिला पूरी तरह ट्रैक्टर के नीचे दब जाती है।

केरल विधानसभा में सबरीमाला सोना चोरी मामले पर बवाल

विपक्ष का हंगामा; सीएम ऑफिस की दखलअंदाजी का आरोप

तिरुवनंतपुरम, 3 फरवरी (एजेंसियां)।

केरल विधानसभा में मंगलवार को भारी हंगामा हुआ। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन यूडीएफ ने सदन की कार्यवाही में सहयोग न करने का फैसला किया है। विपक्ष ने सबरीमाला मंदिर से सोना गायब होने के मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय पर जांच में दखल देने का गंभीर आरोप लगाया है। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने विधानसभा अध्यक्ष ए एन शमसीर को यूडीएफ के इस फैसले की जानकारी दी। सतीशन ने कहा कि विशेष जांच टीम (एसआईटी) की जांच सही दिशा में नहीं जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय के दबाव के कारण आरोपियों को आसानी से जमानत मिल रही है। सतीशन के अनुसार, मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और गिरफ्तार किए गए तीन सीपीआई (एम) नेता भी वैधानिक जमानत जल्द ही जेल से बाहर आ जाएंगे।

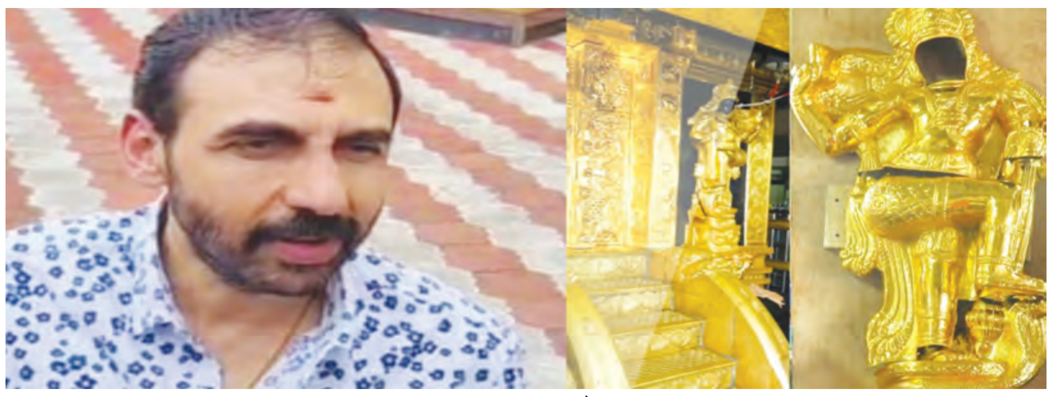

विपक्ष के नेता ने कहा, यह सब मुख्यमंत्री कार्यालय के दबाव और दखलंदाजी के कारण हो रहा है। इसलिए, हम आपको (स्पीकर) सूचित करना चाहते हैं कि हम अपने विरोध को सदन में लाकर तेज कर रहे हैं और हम विधानसभा की कार्यवाही में सहयोग नहीं करेंगे। इसके बाद विपक्षी विधायकों ने सदन के बीचों-बीच आकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिनमें से कुछ में दावा किया गया था कि सीपीआई (एम) भगवान अयप्पा का सोना चुराने वालों को बचा रही है। हंगामे के बीच ही सरकार ने प्रश्नकाल चलाया। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने विपक्ष के इस व्यवहार को गैर-जिम्मेदाराना बताया। सोमवार को एक सतर्कता अदालत ने सबरीमाला मंदिर से सोने के नुकसान से जुड़े दो मामलों में पूर्व त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के कार्यकारी अधिकारी डी सुधीश कुमार को वैधानिक जमानत दे दिया, जिससे विरोध और तेज हो गया। इससे पहले बी मुरारी बाबू और एस श्रीकुमार जैसे अधिकारी भी बाहर आ चुके हैं। यह पूरा मामला मंदिर के गर्भगृह के दरवाजों और मूर्तियों की प्लेटों से सोने की परत गायब होने से जुड़ा है। इस मामले में अब तक 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। विपक्ष का कहना है कि वे सरकार के खिलाफ अपना विरोध और तेज करेंगे।

कार के खुले गेट से टकराकर गिरीं बाइक सवार 2 महिलाएं

देवास, 3 फरवरी (एजेंसियां)। शहर के एमजी चौराहे पर कार और बाइक की टक्कर के बाद शुरू हुआ विवाद जिला अस्पताल पहुंचते-पहुंचते बड़े हंगामे में तब्दील हो गया। जिला अस्पताल में पदस्थ एक डॉक्टर और उनके पति पर दो घायल महिलाओं के साथ मारपीट करने के गंभीर आरोप लगे हैं। घटना के बाद अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई और भारी संख्या में लोग व भाजपा नेता मौके पर पहुंच गए। पीड़ित महिलाओं ने मीडिया को बताया कि वे बाइक से एमजी चौराहे की ओर जा रही थीं, तभी अचानक एक कार का गेट खुल गया। बाइक सीधे कार के गेट से टकरा गई, जिससे दोनों महिलाएं सड़क पर गिर पड़ीं और घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बड़ी राहत

विवेक तनखा ने मानहानि मामला वापस लेने पर जताई सहमति

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बड़ी राहत मिली है। कांग्रेस नेता, राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तनखा ने शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ दायर मानहानि के मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। तनखा ने सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी दी, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने इसे रिकॉर्ड पर लेते हुए मामले का निस्तारण कर दिया और आगे की सुनवाई बंद कर दी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान विवेक तनखा की ओर से अदालत को बताया गया कि इस पूरे मुद्दे पर शिवराज सिंह चौहान के साथ आपसी समझौता हो गया है। समझौते के तहत विवेक तनखा शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि के मामले और सिविल सूट दोनों को वापस ले रहे हैं। कोर्ट ने इस सहमति को औपचारिक रूप से रिकॉर्ड में दर्ज किया।

गौरतलब है कि यह सुनवाई केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की याचिका पर हो रही थी। शिवराज चौहान ने सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए अपने खिलाफ चल रहे मानहानि के मुकदमे को रद्द करने की मांग की थी। इससे पहले मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उनकी यह मांग खारिज कर दी थी, जिसके बाद वे शीर्ष अदालत पहुंचे थे। कांग्रेस सांसद और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील विवेक तनखा ने शिवराज सिंह चौहान सहित तीन भाजपा नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। इन नेताओं में भाजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और भूपेंद्र सिंह भी शामिल थे। विवेक तनखा का आरोप था कि इन नेताओं ने मीडिया में उनके खिलाफ बयान दिए, जिससे उनकी सामाजिक और पेशेवर प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

इसी आधार पर उन्होंने आपराधिक मानहानि का मामला और सिविल सूट दायर किया था। इस मामले में पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने शिवराज सिंह चौहान समेत तीनों भाजपा नेताओं को निचली अदालत में व्यक्तिगत पेशी से राहत दी थी। हालांकि, इससे पहले मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उनकी इस मांग को ठुकरा दिया था, जिसके चलते मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। हालांकि, अब विवेक तनखा की ओर से सभी मानहानि के मामले वापस लेने की घोषणा के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पूरे प्रकरण का निस्तारण कर दिया है।

बिक्रम सिंह मजीठिया पटियाला की नाभा जेल से रिहा, सात महीने बाद मिली रिहाई; सैकड़ों की तादाद में जुटे समर्थक

पटियाला, 3 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आय से अधिक संपत्ति के मामले में शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को जमानत प्रदान की थी। मंगलवार यानी आज वह पटियाला की नाभा जेल से बाहर आ गए हैं। जेल के बाहर सैकड़ों की तादाद में उनके समर्थकों ने मजीठिया का स्वागत किया। विक्रम सिंह मजीठिया जेल से बाहर निकलते ही एक गाड़ी में खड़े हो गए हैं। गाड़ी में खड़े होते ही उन्होंने सभी का अभिनंदन स्वीकार करते हुए अपनी मूंछों को ताव दिया जिससे कार्यकर्ताओं में भारी खुशी देखी गई मजीठिया की याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रम नाथ व न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश पारित किया। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश को मजीठिया ने शीर्ष कोर्ट में चुनौती दी थी जिसने उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था।

श्रीनगर में एनआईए का एक और एक्शन, आतंकी नेटवर्क पर शिकंजा

श्रीनगर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने श्रीनगर के रैनावाड़ी इलाके में एक संदिग्ध के घर पर मंगलवार तड़के छापेमारी की। यह कार्रवाई कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकी तंत्र से जुड़े एक मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों के अनुसार यह तलाशी हजारी बाजार क्षेत्र में स्थित एक आवासीय मकान में सुबह के समय की गई।

इससे एक दिन पहले सोमवार को एनआईए ने कश्मीर के तीन जिलों में कुल छह स्थानों पर छापेमारी की थी। ये कार्रवाई बारामुला जिले के रफियाबाद, सोपोर और बोमई, बांदीपोरा जिले और श्रीनगर के परिमपोरा इलाके में की गई। एनआईए अधिकारियों ने बोमई में पूर्व जमात-ए-इस्लामी नेता गुलाम अहमद शेख और पूर्व उग्रवादी इकबाल शेख के घरों की तलाशी ली। इसके अलावा रफियाबाद में पूर्व सरकारी कर्मचारी मोहम्मद मुनव्वर मीर और सोपोर के मॉडल टाउन इलाके में फारूक अहमद पीर के आवासों पर भी छापे मारे गए। अन्य जिन ठिकानों पर तलाशी ली गई, उनमें बांदीपोरा शहर में सेवानिवृत्त शिक्षक मोहम्मद मकबूल मीर और श्रीनगर के परिमपोरा इलाके में जहूर-उल-रहीम का निवास शामिल है।

ओवरब्रिज से कार पर गिरा हाईवा, 2 की मौत

जबलपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। शाहपुरा थाना क्षेत्र में ओवरब्रिज के नीचे सर्विस रोड पर चल रही कार पर हाईवा गिर गया। हादसे में 2 लोगों की मौके पर ही मौत की सूचना है। हालांकि फिलहाल एक मौत की पुष्टि हुई है। वहीं 4 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही शहपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को एम्बुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। शहपुरा थाना प्रभारी प्रवीण धुर्वे ने बताया कि कार में सवार 4 लोगों को इलाज के लिए भेजा गया है। अभी तक सिर्फ एक मौत की पुष्टि हुई है। रेस्क्यू जारी है। हाईवा हटाने के बाद ही मरने वालों की सही संख्या पता चलेगी। वहीं एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि गुरुकृपा पेट्रोल पंप के पास ओवरब्रिज के नीचे हादसा हुआ है।

नवजोत कौर ने अमरिंदर सिंह को क्यों बताया मानसिक रूप से अस्थिर? कहा- इलाज की जरूरत

चंडीगढ, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस छोड़ने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ नवजोत कौर सिद्धू का अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ शब्दों के माध्यम से हमला जारी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष पर निशाना साधा है। उन्होने कहा है कि वड़िंग को इलाज की जरूरत है। नवजोत कौर ने लिखा, मैं डॉक्टर हूं और जानती हूं कि आप मानसिक रूप से अस्थिर हैं और आपने ये बात एक-दो बार नहीं बल्कि कम से कम सौ बार साबित की है। आपके भ्रष्टाचार की वजह से मुख्यमंत्री भगवंत मान आपको अपनी धुन पर नचा रहे हैं और पूरा पंजाब आपका कॉमेडी शो देख कर आनंद ले रहा है।

नवजोत कौर ने लिखा कि आपको ये समझने में बहुत मुश्किल होगी कि आपने अपनी विश्वसनीयता और ईमानदारी क्यों बर्बाद कर दी। आप कांग्रेस पार्टी के लिए एक शर्म हैं, क्योंकि आपने पंजाब कांग्रेस में कई गुट बना दिए हैं। आपने एक ही सीट पर 3 से 4 लोगों को विधायक बनाने का वादा किया, ताकि वे आपस में लड़ते रहें और आप पंजाब में कांग्रेस पार्टी को बर्बाद करने का अपना मकसद आसानी से पूरा कर सकें।

नवजोर कौर ने दो दिन पहले कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। हालांकि नवजोत पार्टी से निलंबित चल रही थीं। उन्हें अपने विवादित सीएम बनने के लिए 500 करोड़ रुपये चाहिए वाले बयान पर करीब 2 महीने पहले सस्पेंड कर दिया गया था। अब अपने इस्तीफे में पीपीसी अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा को अक्षम और भ्रष्ट करार देते हुए जमकर निशाना साधा। नवजोत कौर ने अपने सियासी सफर की शुरुआत बीजेपी से की थी। वह अब पीएम मोदी की तारीफ कर रही हैं। उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू पूरे मसले पर अब तक चुप हैं। अगले साल पंजाब में विधानसभा चुनाव हैं,

'पहले शर्म लिहाज होती थी लेकिन अब', विनेश फोगाट ने एक बार फिर बृजभूषण सिंह पर साधा निशाना

पानीपत, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता विनेश फोगाट ने पूर्व भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष व बीजेपी नेता बृजभूषण सिंह पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट के जरिए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अन्य नेताओं पर सवाल उठाए। यह बयान प्रो रेसलिंग लीग के एक कार्यक्रम के बाद सामने आया है। विनेश फोगाट ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि अगर किसी रैपिड फायर में खेल मंत्री से पूछा जाए कि भारतीय कुश्ती संघ का अध्यक्ष कौन है, तो उनके मुंह से सीधे बृजभूषण सिंह का नाम निकलेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि असली अध्यक्ष का नाम तक किसी को याद नहीं आता। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि हाल ही में प्रो रेसलिंग लीग के दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया बृजभूषण सिंह के साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए विनेश ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह तस्वीरें कई सवाल खड़े करती हैं।

विवाहिता की पीट- पीट कर हत्या: पति सास, ससुर, ननंद व देवर पर आरोप

कैथल, 3 फरवरी (एजेंसियां)। डुलयानी में करीब 31 वर्षीय विवाहिता की पीट- पीट कर हत्या कर दी। मृतका के पिता ने पति, सास, ससुर, ननंद व देवर पर उसे पीटने और हत्या करने के आरोप लगाए। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मामले में पुलिस ने हत्या संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी। पूंडरी थाना पुलिस को दी शिकायत में मृतका के पिता सिरटा रोड कैथल निवासी वेद प्रकाश ने बताया कि करीब 10 साल पहले उसकी बेटी ज्योति की शादी गांव डूलयानी के सुरजीत के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे दहेज की मांग कर रहे थे। बार- बार उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। कई बार ससुराल पक्ष के लोगों के साथ उनकी पंचायत भी हुई, लेकिन आरोपी उसके बेटी से लगातार मारपीट कर रहे थे

सुसराल पक्ष के लोग बार- बार पैसे लाने की मांग कर रहे थे। दो फरवरी को उन्हें जानकारी मिली कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी बेटी के साथ मारपीट की है। इसके बाद उसकी बेटी के ससुर ने फोन करके कहा कि अपनी बेटी को ले जाओ, जब वह मौके पर पहुंचे, तो लड़की गंभीर हालात में चारपाई के नीचे पड़ी हुई थी। वे उसे लेकर कैथल के नागरिक अस्पताल में पहुंचे, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लड़की के पिता ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पिता ने बताया कि ज्योति के दो बच्चे एक लड़की और एक लड़का है।

डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि पुलिस के पास सूचना आई थी। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। डॉक्टरों के बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। इस संबंध में ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ हत्या संबंधी धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

वकीलों ने रेप के आरोपी को पीटा

भोपाल, 3 फरवरी (एजेंसियां)। जिला कोर्ट परिसर में वकीलों ने 11वीं की छात्रा से रेप-ब्लैकमेलिंग के आरोपी को पीट दिया। कोहेफिजा पुलिस सोमवार को आरोपी ओसाफ अली खान को कोर्ट में पेश करने लेकर आई थी। इस बीच वहां मौजूद वकीलों की भीड़ ने उसे घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिसकर्मियों और वकीलों के बीच झूमाझटकी की स्थिति बन गई। इसके वीडियो भी सामने आए हैं।

एक वीडियो 2 फरवरी का बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी को देखते ही वकीलों का गुस्सा भड़क उठा। कुछ वकीलों ने आरोपी को पुलिस से छुड़ाने की कोशिश की और उसके साथ मारपीट की। कोर्ट परिसर में शोर-शराबा और धक्का-मुक्की के चलते कुछ देर के लिए कामकाज भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने बल प्रयोग कर किसी तरह आरोपी को भीड़ से बचाया और सुरक्षित बाहर निकाला। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी उस पर धर्म बदलने का दबाव डालता था।

दिल्ली मेट्रो केबल चोरी केस: गिग वर्कर को नहीं मिली जमानत; कोर्ट ने कहा- आरोपी ने जनता की जान से किया खिलवाड़

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मेट्रो लाइन से 32 मीटर कॉपर केबल चोरी करने के आरोपी एक गिग वर्कर को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी ने जनता की जान के साथ खिलवाड़ किया और सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि आरोपी ने केवल कोई लापरवाह हरकत नहीं की, बल्कि उसके कृत्य से आम जनता के जीवन और अंगों को गंभीर खतरे में डाला गया।

जमानत याचिका खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि आरोपी आदतन अपराधी है। अदालत ने 31 जनवरी को पारित आदेश में कहा, जमानत देते समय इस अदालत को सार्वजनिक हित और निजी हित के बीच संतुलन पर विचार करना होता है। इस मामले में आवेदक आम जनता की जान के साथ खिलवाड़ करने का दोषी है। अदालत ने कहा कि आरोपी द्वारा किया गया अपराध समाज पर व्यापक प्रभाव डालता है,

रूस को ट्रम्प के दावे पर यकीन नहीं

कहा- भारत ने तेल खरीद रोकने पर कुछ नहीं कहा, हम ट्रम्प के बयान का मतलब समझ रहे

मॉस्को, 3 फरवरी (एजेंसियां)। रूस ने मंगलवार को कहा कि भारत सरकार की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जिसमें यह कहा गया हो कि भारत रूस से तेल की खरीद बंद करने जा रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन के प्रवक्ता रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस, भारत को लेकर ट्रम्प की टिप्पणियों का विश्लेषण कर रहा है। जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने का फैसला कर लिया है, तो उन्होंने कहा कि अब तक दिल्ली की तरफ से इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है।

पेस्कोव का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील के तहत रूस से तेल खरीदना रोकने पर सहमति जताई है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की थी कि अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौता हुआ है। इसके तहत अमेरिका ने भारतीय सामान पर लगने वाला टैरिफ 50% से घटाकर 18% करने पर सहमति दी है। इसके बदले में ट्रम्प का दावा है कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और व्यापार से जुड़ी रुकावटें भी कम करेगा। भारत ने उनकी इस घोषणा पर न तो स्वीकार किया है और न ही खारिज किया है।

फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर सैन्य हमला किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू हो गया, जो अब तक जारी है। इस युद्ध के कारण रूस पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, खासकर उसके तेल और गैस सेक्टर पर।

इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को अपना कच्चा तेल सस्ते दामों पर बेचने के लिए नए खरीदार ढूंढने पड़े। इसी दौरान भारत ने रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदना शुरू किया।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और रूस का द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन इसमें बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का था। भारत ने अकेले 52.73 अरब डॉलर का कच्चा तेल रूस से खरीदा था।

अब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल आयात रोकने पर सहमत हो गया है। अगर भारत वाकई रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद कर देता है, तो भारत-रूस का कुल द्विपक्षीय व्यापार घटकर 20 अरब डॉलर से भी नीचे आ सकता है।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पिछले महीने कहा था कि रूस से कच्चे तेल के आयात में आगे भी गिरावट आने की संभावना है। पुरी ने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि रूस से तेल खरीद में आई कमी की वजह किसी राजनीतिक या विदेशी दबाव की वजह से नहीं, बल्कि बाज़ार की परिस्थितियों का नतीजा है।

उन्होंने कहा था कि भारत अब तेल आपूर्ति के लिए किसी एक देश पर निर्भर नहीं रहना चाहता और इसी वजह से अलग-अलग देशों से तेल खरीदकर आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाई जा रही है।

ट्रेनिंग से लौट रहे कॉन्स्टेबल को कुचला, मौत

बालोद, 3 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जिलों में हुए सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। बालोद जिले में कुत्ते को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार कार पलट गई। हादसे में किराना व्यापारी की जान चली गई। जबकि टीचर पत्नी और 2 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र का है। वहीं, कोरबा में ट्रेलर और प्याज से लदे ट्रक की टक्कर हो गई। ट्रक का ड्राइवर केबिन में फंस गया था, जहां केबिन काटकर उसका शव निकाला गया। घटना उरगा थाना क्षेत्र की है। बलरामपुर में सरिया से लदा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर तालाब में पलट गया। हादसे में ड्राइवर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना बलरामपुर कोतवाली थाना क्षेत्र की है। वहीं, सूरजपुर में बाइक सवार कॉन्स्टेबल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में कॉन्स्टेबल की जान चली गई। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद वे अपनी बाइक से बिश्रामपुर की ओर लौट रहे थे। घटना जयनगर थाना क्षेत्र की है। चारों हादसे मंगलवार (3 फरवरी) को हुए।

इटली के पूर्व पीएम बोले- ग्लोबल ऑर्डर मर चुका है

अमेरिका फायदे नजरअंदाज कर अपने खर्च गिनाता है, चीन सस्ता माल डंप करता है

ब्रसेल्स, 3 फरवरी (एजेंसियां)। इटली के पूर्व पीएम मारियो द्रागी ने दावा किया है कि ग्लोबल ऑर्डर मर चुका है। उन्होंने यह बयान बेल्जियम की ल्यूवेन यूनिवर्सिटी में सोमवार को आयोजित एक समारोह में दिया। द्रागी ने कहा कि जो लोग ये चेतावनी दे रहे हैं कि मौजूदा ग्लोबल इकोनॉमिक ऑर्डर टूट रहा है, वे सही हैं।

द्रागी यह भी कहा कि असली खतरा इसके टूटने से नहीं है, बल्कि इस बात से है कि इसकी जगह क्या लेगा। उन्होंने कहा कि यूरोप को एक ऐसे अमेरिका का सामना करना पड़ रहा है जो ये कहता है कि उसने बहुत ज्यादा कीमत चुकाई है, लेकिन ये नहीं देखता कि उसे कितने फायदे मिले हैं। वहीं चीन पर आरोप लगाया कि वो ग्लोबल सप्लाई चेन के अहम हिस्सों को अपने कंट्रोल में रखता है। इस ताकत का इस्तेमाल बाजारों में सस्ता माल डंप करने, जरूरी चीजों की सप्लाई रोकने और अपनी आर्थिक गड़बड़ियों का बोझ दूसरों पर डालने के लिए करता है। द्रागी ने चेतावनी दी कि ऐसे हालात में यूरोप को खतरा है कि वह कमजोर पड़ सकता है, अंदर से बंट सकता है और उसकी इंडस्ट्री सिस्टम भी कमजोर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि यूरोपीय यूनियन को जल्द से जल्द अपनी व्यापार नीति में बदलाव करना चाहिए और जरूरी सप्लाई चेन में अपनी स्थिति मजबूत करनी चाहिए, क्योंकि देशों के बीच प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है।

द्रागी ने कहा कि बदलती ग्लोबल ताकतों के दौर में यूरोप को अब सिर्फ देशों के ढीले-ढाले समूह की तरह नहीं, बल्कि एक मजबूत यूनियन की तरह काम करना होगा।

द्रागी ने कहा कि यूरोप ने जब व्यापार, बाजार, कॉम्पिटिशन और करेंसी जैसे मामलों में मिलकर काम किया है, वहां उसे एक मजबूत ताकत माना गया। लेकिन जहां डिफेंस, इंडस्ट्री और विदेश नीति में सब देश अलग-अलग चलते हैं, वहां यूरोप को छोटे-छोटे देशों का बिखरा हुआ समूह समझा जाता है, जिसे आसानी से अलग-अलग करके दबाया जा सकता है।

उन्होंने यह भी समझाया कि जब व्यापार और सुरक्षा आपस में जुड़ जाते हैं, तो यूरोप की कमजोरियां उसकी ताकत पर हावी हो जाती हैं।

द्रागी ने साफ कहा कि अगर यूरोप पैसे और व्यापार के मामले में तो एकजुट है, लेकिन सुरक्षा और सेना के मामले में बंटा हुआ है, तो उसकी आर्थिक ताकत का इस्तेमाल उसकी सुरक्षा की कमजोरी के खिलाफ किया जा सकता है और आज यही हो रहा है।

नॉर्वे की राजकुमारी का एपस्टीन फाइल्स में 1000 बार नाम

ओस्लो, 3 फरवरी (एजेंसियां)। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मारिट और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच संबंध सामने आने से विवाद छिड़ गया हैं। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की ओर से 30 जनवरी को जारी की गई एपस्टीन फाइल्स में प्रिंसेस नाम का 1 हजार से ज्यादा बार आया है।

इन फाइलों में मेटे-मारिट और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच 2011 से 2014 के दौरान हुए कई ईमेल शामिल हैं। दोनों के बीच लंबे समय तक संपर्क रहा।

एक मेल में एपस्टीन ने मेटे-मारिट को बताया कि वो शादी करना चाहता है और पत्नी की तलाश में पेरिस आया है। उसने फ्लर्टी मैसेज करते हुए कहा था कि पेरिस अफेयर और अवैध संबंध बनाने के लिए अच्छा है, लेकिन पत्नी ढूंढनी हो तो स्कैंडिनेवियाई (नॉर्वे, स्वीडन और डेनमार्क) महिलाएं ज्यादा अच्छी और वफादार पत्नी होती हैं। इस पर मेटे-मारिट ने जवाब दिया, 'मुझे अभी भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा कि आप सच में पत्नी की तलाश कर रहे हैं।' मेटे-मारिट का जन्म नॉर्वे में हुआ था। यानी वे खुद स्कैंडिनेवियाई महिला हैं।

एक ईमेल में मेटे ने एपस्टीन से पूछा था कि क्या अपने 15 साल के बेटे के वॉलपेपर के लिए दो न्यूड लड़कियों की फोटो (सर्फबोर्ड के साथ) लगाना ठीक रहेगा? एक अन्य ईमेल में उन्होंने एपस्टीन को आकर्षक बताया था।

नॉर्वे के मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, निजी ईमेल में मेटे-मारिट ने एपस्टीन से कहा था, 'तुम्हारी बातें मुझे गुदगुदाती हैं।' कुछ ईमेल में उन्होंने उन्हें 'सॉफ्ट हार्टेड' और 'स्वीटहार्ट' भी लिखा। दोनों की दोस्ती सामने आने के बाद शनिवार को मेटे-मारिट ने एपस्टीन से अपने संबंधों को लेकर माफी मांगी।

फाइलों में कई ईमेल दिखाते हैं कि दोनों काफी करीबी थे। एक ईमेल के जरिए पता चला कि जब मेटे-मारिट बीमार थीं, तब एपस्टीन ने उनके लिए फूल भेजे थे। मेटे-मारिट ने फूलों के लिए शुक्रिया अदा किया और 'लव, MM (मेटे-मारिट)' के नाम से साइन किया। ईमेल में कई जगह मिलने की योजना का जिक्र था। दस्तावेजों से पता चलता है कि मेट-मारिट ने 2011 से 2013 के बीच ओस्लो, न्यूयॉर्क और कैरिबियन में एपस्टीन से तीन बार मुलाकात की और 2013 में फ्लोरिडा में उनके घर पर चार दिन रुकीं थीं।

जिला आयुष पदाधिकारी गिरफ्तार

महिला चिकित्सक से रिश्वत मांगने का आरोप, कार्यालय में रंगे हाथ पकड़ाया अधिकारी

चतरा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। चतरा जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला आयुष पदाधिकारी राम प्रकाश वर्मा को 10 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई हजारीबाग एसीबी की टीम ने चतरा स्थित जिला आयुष कार्यालय में की।

आरोपी अधिकारी पर अपने ही विभाग में कार्यरत महिला आयुष चिकित्सक से विभागीय कार्य के निष्पादन के बदले अवैध राशि की मांग करने का आरोप है। गिरफ्तारी की खबर फैलते ही स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य सरकारी कार्यालयों में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा।

एसीबी की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि शिकायतकर्ता कोई आम नागरिक नहीं, बल्कि विभाग की ही चिकित्सक हैं।

अमेरिका-चीन के बीच फंसा भारत

अब कम ताकतवर देशों से बढ़ा रहा दोस्ती, ट्रम्प के टैरिफ से बदली भारत की विदेश और व्यापार नीति

वाशिंगटन, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पिछले महीने स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के मंच से कहा था कि दुनिया की पुरानी व्यवस्था 'टूट' रही है। अब मध्यम ताकत वाले देशों को साथ लाकर काम करना होगा।

दावोस में अपने भाषण में कार्नी ने न तो ट्रम्प प्रशासन का नाम लिया और न ही उन अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किया, जिनकी वजह से पुराना ग्लोबल सिस्टम हिल गया। अपने भाषण में उन्होंने सीधेतौर पर भले ही भारत का नाम न लिया हो, लेकिन इशारा साफतौर पर भारत की तरफ था।

भारत इस वक्त दो बड़े दबावों के बीच खड़ा है। एक तरफ अमेरिका की बदलती नीतियां हैं तो दूसरी ओर चीन की बढ़ती आक्रामकता। ऐसे हालात में भारत अब पारंपरिक साझेदारों से आगे बढ़कर दुनिया के दूसरे हिस्सों में नए दोस्त तलाश रहा है। इस घटना के ठीक एक हफ्ते बाद, भारतीय पीएम मोदी नई दिल्ली में यूरोपियन (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ खड़े थे।

दोनों ने करीब 18 साल से अटके पड़े एक बड़े व्यापार समझौते की घोषणा की, जिसे उन्होंने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा। इस डील से करीब 2 अरब लोगों का बाजार तैयार होगा। यह सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि उस नए अंतरराष्ट्रीय सिस्टम का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका की भूमिका कमजोर होने के बाद बाकी देश मिलकर नया ढांचा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। आज भारत उन देशों में शामिल है जिनकी राय और फैसले वैश्विक राजनीति को प्रभावित करने लगे हैं। 140 करोड़ की आबादी के साथ यह दुनिया की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। भारत की इकोनॉमी भी जापान और जर्मनी के साथ दुनिया की टॉप-5 में शामिल हो चुकी है, हालांकि प्रति व्यक्ति आय अब भी इन देशों से बहुत कम है।

प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत वाली सोच अब थोड़ी नरम पड़ती दिख रही है। भारत में यह धारणा लंबे समय से रही है कि खुद को सुरक्षित रखने के लिए दूसरे देशों से ज्यादा आर्थिक जुड़ाव नहीं होना चाहिए।

लेकिन यूरोप, कनाडा और दूसरे देश यह तर्क देते रहे हैं कि मिलकर व्यापार करने से ही देश मजबूत बनते हैं। भारत और दूसरे अहम देशों के बीच रिश्तों में तेजी पिछले साल ब्रिटेन के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से दिखनी शुरू हुई। यह समझौता लंबे समय से अटका हुआ था। इसके बाद दिसंबर में ओमान और न्यूजीलैंड के साथ भी ऐसे ही अहम समझौते किए गए। ये द्विपक्षीय समझौते दिखाते हैं कि भारत की नीति में बदलाव आ रहा है।

सिंधु जल संधि पर भारत ने खारिज किया आर्बिट्रेशन कोर्ट का समन

बुरी तरफ फंसा पाकिस्तान, अब क्या करेंगे शहबाज?

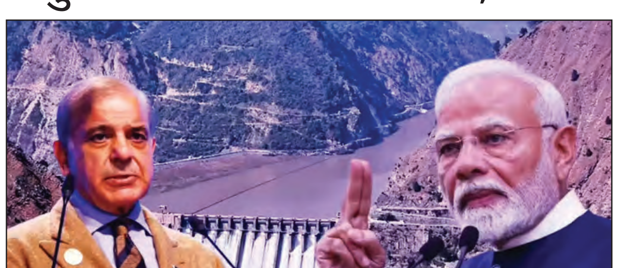

इस्लामाबाद, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) विवाद के मुद्दे पर भारत ने एक बार फिर सख्त रुख दिखाया है। भारत ने इस मामले में हेग के परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) के दखल को खारिज कर दिया है। नीदरलैंड्स के हेग में आईडब्ल्यूटी पर सुनवाई पर भारत ने कहा है कि वह इस ट्रिब्यूनल को गैर-कानूनी मानता है। भारत ने इस ट्रिब्यूनल के सप्लीमेंट्री अवॉर्ड और ऑपरेशनल डाटा मांगने वाले समन को नहीं माना है। दूसरी ओर पाकिस्तान इस मुद्दे को पूरे क्षेत्र के लिए खतरा कह रहा है। भारत के ताजा फैसले ने उसके संकट को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

हेग स्थित कोर्ट ने पिछले हफ्ते भारत को समन देते हुए कहा था कि कश्मीर के किशनगंगा और रातले हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से संवेदनशील ऑपरेशनल रिकॉर्ड और डाटा दिया जाए। भारत ने इस मांग को खारिज करते हुए डाटा देने से इनकार कर दिया है। भारत सरकार ने ट्रिब्यूनल के अधिकार क्षेत्र को मानने से ही इनकार कर दिया है। जब तक भारत की मौलिक सुरक्षा चिंताओं का समाधान नहीं हो जाता और पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को समर्थन बंद नहीं करता है, तब तक भारत किसी भी संधि दायित्व को पूरा करने के लिए बाध्य नहीं है। इसमें हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना या मध्यस्थता में भाग लेना शामिल है।

पाकिस्तान की ओर संयुक्त राष्ट्र में सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया गया है और दुनिया से दखल की अपील की है। पाकिस्तान इस मुद्दे को लेकर यूएन और दूसरे मंचों पर उठा रहा है। पाकिस्तान ने ना सिर्फ दुनिया से गुहार लगाई है बल्कि भारत को युद्ध की गीदड़भभकी भी दी है। पाकिस्तान इस कदम को एक्ट ऑफ वॉर कहता है।

बीते साल अप्रैल में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद भारत ने घोषणा की थी कि वह पाकिस्तान के साथ 1960 में हुई आईडब्ल्यूटी को स्थगित कर रहा है। आईडब्ल्यूटी संधि सिंधु बेसिन की छह नदियों के पानी का बंटवारा भारत और पाकिस्तान के बीच करती है।

महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा काट ले गए चोर, 426 किलो था वजन

मेलबर्न, 3 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में महात्मा गांधी की 426 किलोग्राम वजनी कांस्य प्रतिमा चोरी हो गई है। यह प्रतिमा ऑस्ट्रेलियन इंडियन कम्युनिटी सेंटर के बाहर लगी हुई थी। महात्मा गांधी की इस प्रतिमा को नई दिल्ली स्थित इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस (आईसीसीआर) ने तोहफे के तौर पर दिया था। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के लिए इसका सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक महत्व भी था। इस प्रतिमा का उद्घाटन 12 नवंबर 2021 को ऑस्ट्रेलिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने किया था और इसके 24 घंटों के भीतर ही अज्ञात लोगों ने इसमें तोड़फोड़ की थी।

ऑस्ट्रेलिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह चोरी कथित तौर पर सोमवार को लगभग 12.50 बजे हुई। मेलबर्न पुलिस के अनुसार, तीन अपराधियों ने महात्मा गांधी की 426 किलोग्राम की प्रतिमा को उसके फाउंडेशन से काटने के लिए एंगल ग्राइंडर का इस्तेमाल किया।

सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही तस्वीरों में प्रतिमा को टखनों से काटा हुआ दिखाया गया है। ऐसे में प्रतिमा स्थल पर सिर्फ पैर ही बचे हैं। पुलिस ने कहा कि विक्टोरिया पुलिस नॉक्स क्राइम इन्वेस्टिगेशन यूनिट के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने शहर के स्क्रैप मेटल डीलरों को चेतावनी दी है कि वे कांस्य प्रतिमा बेचने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति पर नजर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करें। अभी तक चोरों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। इंडियन लिंक से बात करते हुए ऑस्ट्रेलियन इंडियन कम्युनिटी चैरिटेबल ट्रस्ट के एक समिति सदस्य संतोष कुमार ने कहा कि यह घटना बिल्डिंग के सीसीटीवी में आंशिक रूप से दिखाई दे रहा था और इसकी रिपोर्ट अगले दिन की गई।

कनाडा के सरे शहर में गोलीबारी के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

ओटावा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कनाडा के सरे शहर में एक घर के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। कनाडाई पुलिस के अनुसार आरोपियों को रंगदारी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पकड़ा गया।

सरे पुलिस सेवा ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि हरजोत सिंह (21), तरणवीर सिंह (19) और दयाजीत सिंह बिलिंग (21) पर एक-एक मामले में हथियार से गोलीबारी करने का आरोप लगाया गया है। तीनों को हिरासत में भेज दिया गया है और वे 5 फरवरी 2026 तक रिमांड पर रहेंगे।

पुलिस के अनुसार, 1 फरवरी 2026 की सुबह सरे के क्रेसेंट बीच इलाके में क्रेसेंट रोड और 132 स्ट्रीट के पास एक घर के बाहर गोली चलने और छोटी आग लगने की सूचना मिली थी। इसके कुछ ही समय बाद गश्ती दल ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच अब सरे पुलिस की मुख्य अपराध शाखा कर रही है। तीनों आरोपियों पर कनाडा के आपराधिक संहिता की धारा 244.2(1)(a) के तहत किसी स्थान पर गोली चलाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और आगे और आरोप भी लगाए जा सकते हैं। सरे पुलिस ने पुष्टि की है कि तीनों आरोपी विदेशी नागरिक हैं और इस मामले में कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) को भी शामिल किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के वीजा या आव्रजन स्थिति की भी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के दौरान एक आरोपी को चोटें आईं, जिनमें दोनों आंखों के नीचे सूजन शामिल है। सरे पुलिस की स्टाफ सार्जेंट लिंडसे हॉटन ने बताया कि एक आरोपी ने राइड-शेयर वाहन से बाहर आने के निर्देशों का पालन नहीं किया और सक्रिय रूप से विरोध किया, जिसके बाद उसे जमीन पर गिराकर सुरक्षित रूप से हथकड़ी लगाई गई।

बांग्लादेश आतंकियों के हाथ में चला जाएगा, जनता करे बहिष्कार

ढाका, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने लोगों से चुनाव बहिष्कार की अपील की है। सजीब का कहना है कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में पक्षपात और धांधली साफ नजर आ रही है। ऐसे में लोग इस चुनाव से दूरी बनाएं और बनावटी इलेक्शन में वोट डालकर इसे वैधता देने से बचें। बांग्लादेश के 12 फरवरी के चुनाव में शेख हसीना की अवामी लीग को लड़ने की इजाजत नहीं मिली है। इस फैसले ने अवामी लीग के नेताओं की नाराजगी को बढ़ा रखा है। एक कार्यक्रम में वीडियो कॉल के माध्यम से बोलते हुए सजीब ने कहा, 'बांग्लादेश में आतंकवादी ही सही मायनों में शासन कर रहे हैं। मोहम्मद यूनुस सिर्फ इस्लामी चरमपंथियों का मुखौटा बना हुआ है। देश में लगातार निर्दोष मारे जा रहे हैं। अवामी लीग के कार्यकर्ता और नेताओं पर ज्यादती की हदें पार की जा रही हैं। ये कोई भी देख सकता है कि 12 फरवरी को बांग्लादेश का सबसे ज्यादा धांधली वाला चुनाव होने जा रहा है।' लंबे समय से अमेरिका में रह रहे सजीब ने कहा कि बांग्लादेश में सिर्फ अवामी लीग को चुनाव लड़ने से नहीं रोका गया है। यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने सभी प्रगतिशील पार्टियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

बलूच विद्रोही पाकिस्तानी सेना से ज्यादा एडवांस्ड और महंगे हथियार इस्तेमाल कर रहे

पाक रक्षा मंत्री का कबूलनामा

इस्लामाबाद, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया है कि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान की रखवाली करने में अक्षम है। उन्होंने माना है कि पाकिस्तानी सेना हाल ही में आतंकवादी हमलों में बढ़ोतरी के बीच बलूचिस्तान की सुरक्षा और गश्त करने में संघर्ष कर रही है। उनका यह कबूलनामा बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों के भीषण हमले के बाद आया है। सोशल मीडिया पर कई असत्यापित वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें पाकिस्तानी सैनिकों को बलूच विद्रोहियों के हमलों के डर से भागते हुए दिखाया गया है।

सोमवार को नेशनल असेंबली में बोलते हुए, ख्वाजा आसिफ ने कहा कि सरकार को बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बलूचिस्तान पाकिस्तान के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 40 प्रतिशत से अधिक है, जिससे प्रभावी नियंत्रण करना बेहद मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, बलूचिस्तान भौगोलिक रूप से पाकिस्तान के 40 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। उन्होंने कहा, इतने बड़े क्षेत्र को नियंत्रित करना घनी आबादी वाले शहर को संभालने से कहीं ज्यादा मुश्किल है। हमारे सैनिक तैनात हैं और सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, लेकिन जब इतने बड़े क्षेत्र की रखवाली और गश्त करने की बात आती है तो वे शारीरिक रूप से अक्षम हैं।"

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने यह भी खुलासा किया कि बलूचिस्तान में विद्रोहियों के पास पाकिस्तान की सेना से ज्यादा एडवांस्ड और महंगे हथियार हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादी (विद्रोही) लगभग 20 लाख रुपये की राइफलें, 4,000-5,000 डॉलर के थर्मल और लेजर सिस्टम और हर बलूच विद्रोही लगभग 20,000 डॉलर के पूरे कॉम्बैट गियर पैकेज का इस्तेमाल कर रहा है।

पनकला लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में प्रतिमा पी जाती है कई लीटर मीठा पानी!

विज्ञान और अध्यात्म को लेकर हमेशा तर्क-वितर्क की स्थिति रहती है। जहां विज्ञान चमत्कारों को नकारता है, वहीं अध्यात्म इसे भगवान की उपस्थिति करार देता है। देशभर में ऐसे कई मंदिर हैं, जहां ऐसे चमत्कार देखने को मिलते हैं जिनके पीछे का रहस्य खुद विज्ञान भी नहीं जान पाया है। आज आपको ऐसे ही मंदिर के बारे में बताएंगे, जहां गर्भगृह में मौजूद प्रतिमा सारा पानी पी जाती है और किसी को नहीं पता है कि भोग के रूप में प्रयोग किए जाने वाला पानी कहां जाता है। बताया जाता है कि प्रतिमा के मुंह में गुड़ का पानी डाला जाता है, जिससे गड़गड़ की आवाज़ आती है, जैसे कोई पानी गटक रहा हो। आइए जानते हैं इस मंदिर के बारे में खास बातें...

पनकला नरसिम्हा स्वामी मंदिर की खास बातें

दक्षिण भारत को अध्यात्म की धरती माना जाता है, जहां भगवान शिव, विष्णु से लेकर नरसिम्हा भगवान के कई मंदिर मौजूद हैं। **आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के मंगलगिरी में** भगवान नरसिम्हा को समर्पित पनकला नरसिम्हा स्वामी मंदिर है, जो खुद में कई रहस्य समेटे हुए है। इस मंदिर में भगवान नरसिम्हा की पत्थर की बड़ी ही प्रतिमा विराजमान है, जो भोग के रूप में मीठा पानी पीती है।

प्रतिमा को पिलाते हैं गुड़ का मीठा पानी

भक्त शंख के माध्यम से प्रतिमा को गुड़ का मीठा पानी पिलाते हैं और जब पानी पिलाया जाता है तो गड़गड़ की आवाज आती है, जैसे कोई पानी को गटक रहा हो। प्रतिमा को पिलाया गया पानी कहां जाता है, ये किसी को नहीं पता। खास बात ये भी है कि मंदिर में मौजूद नरसिम्हा भगवान की प्रतिमा का मुंह धातु से बना है। मुंह के अंदर शंख की सहायता से मीठा पानी अर्पित किया जाता है। मुंह के अंदर पानी डालने के बाद कुछ पानी बाहर भी निकलता है, जिसे भक्त प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं।

इसलिए यहां आज तक नहीं फटा ज्वालामुखी

प्रतिमा पर ना तो मीठे पानी के निशान पड़ते हैं और ना ही पत्थर पानी को सोखने की क्षमता रखता है। पानी के रहस्य का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक भी मंदिर का दौरा कर चुके हैं, लेकिन इस रहस्य को कोई जान नहीं पाया। इतना ही नहीं, मंदिर में मीठा पानी चढ़ाने की प्रथा काफी समय से चली आई है, लेकिन फिर भी मंदिर में एक भी चींटी देखने को नहीं मिलती है। स्थानीय लोगों के बीच मान्यता है कि मंदिर ज्वालामुखी की पहाड़ी पर स्थित है और भगवान नरसिम्हा को अर्पित किया जाने वाला मीठा पानी ज्वालामुखी के तेज को कम करता है और ज्वालामुखी को फटने से रोकता है। भक्त इसे भगवान का चमत्कार ही मानते हैं कि आज तक ज्वालामुखी फटा नहीं है।

आश्रम किसी गतिविधि के नहीं, ऊर्जा के केंद्र होते हैं

हम मनुष्यों के जीवन में तीन जगहें ऐसी हैं, जहां हमारा आना-जाना-रहना बना ही रहता है। घर हमारा आसरा है, दफ्तर हमारा कार्यस्थल, और बाजार। लेकिन एक चौथी जगह भी तुलसीदास जी ने बताई है। पक्षीराज गरुड़ ने काकभुशुंडि जी के पास पहुंचकर कहा- यहां आते ही मेरे सब काम हो गए। देखि परम पावन तव आश्रम, गयउ मोह संसय नाना भ्रम। आपका परम पवित्र आश्रम देखकर ही मेरा मोह, संदेह और अनेक प्रकार के भ्रम- सब जाते रहे। तो चौथी जगह आश्रम है, जिसमें मंदिर समाया हुआ रहता है। गरुड़ जी कहते हैं कि मेरा मोह, संदेह और भ्रम तीनों मिट गए।

घर में हमको मोह पैदा होता है, दफ्तर में हम संदेह से गुजरते हैं और बाजार तो भ्रम पैदा करते ही हैं। इन तीनों को मिटाने के लिए हमें प्रतिदिन किसी न किसी आश्रम, या कहें मंदिर आते-जाते रहना चाहिए। ये किसी गतिविधि के केंद्र नहीं होते, ये ऊर्जा के केंद्र होते हैं। आश्रम पद्धति भारतीय ऋषि-मुनियों की मौलिक गतिविधि है, जिससे हम आज भी जुड़े रहें तो हमें लाभ मिलेगा।

होली पर दुर्लभ संयोग: भद्रा और चंद्र ग्रहण एक साथ

ग्रहण से 12 घंटे पहले सूतक काल शुरू ज्योतिषी बोले– सिर्फ सूखे रंग से खेलें होली

इस वर्ष होली पर्व पर भद्रा और खग्रास चंद्र ग्रहण का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसको लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति है। 2 मार्च की रात होलिका दहन किया जाएगा, जबकि अगले दिन 3 मार्च को धुलेंडी के दिन खग्रास चंद्र ग्रहण रहेगा। ग्रहण से 12 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाएगा, जिसमें शुभ कार्य और मंदिर दर्शन वर्जित माने जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला के अनुसार, 2 मार्च को शाम 5:55 बजे भद्रा काल प्रारंभ होगा, जो 3 मार्च सुबह 4:28 बजे तक रहेगा। इस वर्ष भद्रा भूलोक में और सिंह राशि में मानी जा रही है, इसलिए प्रदोष काल में होलिका पूजन और दहन शास्त्रसम्मत और श्रेष्ठ रहेगा। उन्होंने बताया कि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर होलिका पूजन का विशेष महत्व होता है। भद्रा काल में दान-पुण्य भी किया जा सकता है।

17 मिनट तक पूर्ण खग्रास की स्थिति

धुलेंडी के दिन 3 मार्च को खग्रास चंद्र ग्रहण दोपहर 3:19 बजे से शाम 6:47 बजे तक रहेगा। यह उदित चंद्र ग्रहण होगा, जिसमें लगभग 17 मिनट तक पूर्ण खग्रास स्थिति बनी रहेगी। सूतक काल के दौरान आमतौर पर शुभ कार्यों पर रोक मानी जाती है।

पानी से होली खेलने से बचने की सलाह

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार ग्रहण के दिन केवल गुलाल यानी सूखे रंग से होली मनाई जा सकती है। इससे पर्व की धार्मिक मान्यता प्रभावित नहीं होती और किसी भी प्रकार का ग्रहण दोष नहीं लगता। इस दौरान जल से होली खेलने से बचने की सलाह दी गई है। शास्त्रीय नियमों और सावधानी के साथ होली मनाने से परंपरा और आस्था दोनों सुरक्षित रहती हैं।

साधना का विशेष समय

पंडित डिब्बेवाला ने बताया कि ग्रहण काल साधना के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। इस दौरान इष्ट देव या गुरु मंत्र की माला जाप करने से मंत्र सिद्धि का लाभ मिलता है।

कोई भी काम शुरू करने से पहले उसकी सही योजना बनानी चाहिए, तभी सफलता मिलती है

कभी-कभी व्यक्ति अपने दायित्व को बोझ समझने लगता है, जबकि दायित्व में उसकी योग्यता, धैर्य, कुशलता, शिक्षा, अनुभव, संस्कार और सोच दिखाई देती है। इसलिए कोई भी काम शुरू करने से पहले उसकी सही योजना बनानी चाहिए। काम को छोटे-छोटे चरणों में बांट लेना चाहिए। मन में उत्साह और सकारात्मक सोच रखें। यह विश्वास रखें कि सफलता जरूर मिलेगी। जब पूरे मन से और ध्यान लगाकर काम किया जाता है, तो छोटा सा काम भी बड़ी सफलता बन सकता है।

क्या संतान पिता के कर्मों का फल भुगतती है? प्रेमानंद जी महाराज

अक्सर घर-परिवार की बातचीत में एक वाक्य ज़रूर सुनाई देता है "जैसा पिता, वैसी संतान।" यह सिर्फ कहावत नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक अनुभवों से निकला सच भी है। लेकिन क्या यह बात केवल संस्कारों तक सीमित है या कर्मों का हिसाब भी इसमें जुड़ा है? क्या पिता के पाप, गलत फैसले और अधर्म का बोझ बच्चों को भी उठाना पड़ता है? इन्हीं सवालों पर संत प्रेमानंद जी महाराज ने बेहद सरल लेकिन गहरे शब्दों में अपनी बात रखी है। उनका दृष्टिकोण न तो डर पैदा करता है, न ही भ्रम, बल्कि आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है। आज की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी में, जहां सफलता के लिए शॉर्टकट आम हो चुके हैं, यह समझना ज़रूरी है कि कर्म का असर केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। यह परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों तक फैलता है। यही कारण है कि प्रेमानंद जी महाराज के विचार आम लोगों के दिल को छूते हैं और सीधे ज़िंदगी से जुड़ जाते हैं।

पिता की भूमिका और कर्मों का असर

हर बच्चे के जीवन में पिता एक मजबूत आधार होते हैं। उनके निर्णय, व्यवहार और रोज़मर्रा की आदतें बच्चों के लिए अनजाने में ही सीख बन जाती हैं। अगर पिता ईमानदारी, संयम और सच्चाई के रास्ते पर चलता है, तो बच्चे भी उसी दिशा में बढ़ते हैं। वहीं, गलत रास्तों पर चलने वाला पिता जाने-अनजाने संतान के भविष्य को कठिन बना सकता है।

प्रेमानंद जी महाराज क्या कहते हैं?

प्रेमानंद जी महाराज के अनुसार, कर्म का सिद्धांत बहुत सीधा है। यदि पिता अधर्म, छल या गलत कमाई का सहारा लेता है, तो उसका प्रभाव संतान के जीवन में दुख, संघर्ष या मानसिक अशांति के रूप में सामने आ सकता है। यह दंड ईश्वर की सज़ा की तरह नहीं, बल्कि कर्मों की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।

जब संतान के कर्म पिता पर भारी पड़ते हैं

यह संबंध एकतरफा नहीं है। महाराज बताते हैं कि यदि संतान गलत रास्ते पर चलती है, तो समाज में पिता को अपमान और आलोचना झेलनी पड़ती है। लोगों के ताने, सवाल और संदेह पिता के मान-सम्मान को चोट पहुंचाते हैं। यानी कर्मों की ज़िम्मेदारी परिवार के भीतर घूमती रहती है।

हर प्रयास तुरंत परिणाम नहीं देता

सफलता के लिए मेहनत के साथ ही धैर्य भी जरूरी है

एक लोक कथा है- पुराने समय में एक गरीब व्यक्ति अपने काम में लगातार असफल हो रहा था। हर प्रयास के बाद निराशा ही हाथ लगती और उसकी मेहनत बेकार जाती। धीरे-धीरे निराशा उसके ऊपर हावी होने लगी और वह सोचने लगा कि मेहनत करने का कोई फायदा नहीं है। एक दिन, थकावट और हताशा के कारण उसने काम करना ही छोड़ दिया। उसी दिनों उसके गांव में एक संत आए हुए थे। संत बहुत विद्वान थे। निराश व्यक्ति ने संत से मिलने का विचार किया और वह संत के पास पहुंच गया। दुखी व्यक्ति ने अपनी सारी परेशानियां संत को बता दीं। संत ने धैर्यपूर्वक उसकी बातें सुनीं और कहा कि तुम असफलताओं से डरकर प्रयास क्यों छोड़ रहे हो? जीवन में सफलता केवल लगातार प्रयास करने से ही मिलती है।

निराश व्यक्ति ने कहा कि मैं तो हार चुका हूं। अब मेरे लिए कुछ भी करना व्यर्थ है।

संत ने उसकी स्थिति समझी और उसे एक कहानी सुनाई। संत ने कहा कि एक छोटे से गांव में एक बच्चे ने बांस और कैक्टस के पौधे लगाए। वह रोज दोनों पौधों की देखभाल करता। समय बीतता गया, कैक्टस का पौधा तेजी से बढ़ने लगा, लेकिन बांस के पौधे में कई महीनों तक कोई उन्नति नहीं दिखी।

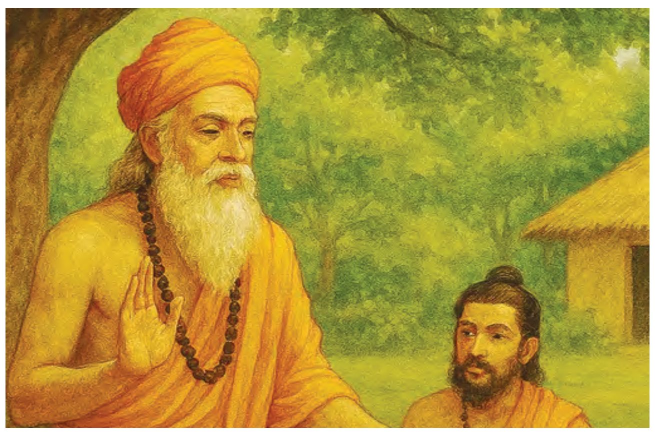

बच्चा निराश नहीं हुआ। उसने दोनों पौधों को बराबर ध्यान दिया। अंततः बांस का पौधा पनपा और जल्दी ही कैक्टस से भी ऊंचा हो गया। संत ने समझाया कि बांस का पौधा पहले अपनी जड़ें मजबूत कर रहा था और जब उसकी जड़ें मजबूत हो गईं, तब वह तेजी से बढ़ने लगा। जीवन में भी संघर्ष और समय की जरूरत होती है। यदि हम धैर्य और निरंतर प्रयास करते रहें, तो हमारी मेहनत निश्चित रूप से रंग लाती है।

इस कहानी से निराश व्यक्ति समझ गया कि असफलता अस्थायी है और निरंतर प्रयास से ही सफलता मिलती है। उसने फिर से मेहनत करना शुरू किया और धीरे-धीरे उसे वह सफलता मिली, जिसकी उसे तलाश थी।

किस्से की सीख

धैर्य जरूरी है

जीवन में हर प्रयास तुरंत परिणाम नहीं देता। सफलता अक्सर उन लोगों को मिलती है जो समय और मेहनत के साथ धैर्य बनाए रखते हैं।

निरंतर प्रयास करें

एक बार असफल होने के बाद प्रयास बंद कर देना असफलता को स्थायी बना देता है। रोजाना छोटे कदम उठाते रहना बड़े लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता खोलता है। निरंतर प्रयास करते रहेंगे, तो सफलता जरूर मिलेगी।

असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ें

असफलता को अपने खिलाफ नहीं, बल्कि सीखने का अवसर समझें। हर असफल प्रयास आपको मजबूत और अनुभवी बनाता है। असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ें।

सकारात्मक सोच अपनाएं

नकारात्मक सोच हमें निराशा की ओर ले जाती है। सकारात्मक दृष्टिकोण रखना और उम्मीद बनाए रखना जरूरी है, तभी सफलता मिलती है।

लगातार अभ्यास करें

किसी भी काम में महारत हासिल करने के लिए नियमित अभ्यास जरूरी है। जैसे बांस की जड़ें मजबूत हुईं, वैसे ही अभ्यास से हमारी क्षमताएं भी विकसित होती हैं और क्षमताएं बढ़ने के बाद हमें भी सफलता मिल जाती है।

छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

बड़ी सफलता सीधे नहीं मिलती। छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने का आनंद लें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और निराशा कम होती है। धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहेंगे, तो एक दिन बड़ी सफलता भी जरूर मिलेगी।

मार्गदर्शन जरूर लें

जीवन में मार्गदर्शक या अनुभवियों से सलाह लेना लाभकारी होता है। संत की तरह किसी ज्ञानी से सीख लेने पर हम अपनी गलतियों से जल्दी उबर सकते हैं।

लक्ष्य पर ध्यान लगाए रखें

कठिनाइयों के बावजूद अपने लक्ष्य को याद रखें। बाधाएं आती-जाती रहती हैं, हमें अपने लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए।

खुद पर विश्वास रखें

खुद पर भरोसा होना सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। आप अपनी मेहनत और धैर्य से किसी भी मुश्किल को पार कर सकते हैं।

नेल कटर का यूज किस दिन नहीं करना चाहिए?

हिंदू धर्म में रोजमर्रा के कामों से जुड़े कई नियम बताए गए हैं जिनमें नाखून काटने का दिन भी शामिल है। मान्यताओं अनुसार सप्ताह के कुछ खास दिनों में नाखून नहीं काटने चाहिए क्योंकि इसका अशुभ प्रभाव पड़ता है। शास्त्रों और जन मान्यताओं के अनुसार इन दिनों में नेल कटर का इस्तेमाल करने से जीवन में उथल-पुथल मच जाती है और कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। चलिए जानते हैं वो कौन से दिन हैं जब नेल कटर का यूज नहीं करना चाहिए।

नेल कटर कब नहीं चलाना चाहिए?

मंगलवार के दिन नेल कटर का इस्तेमाल करना बेहद अशुभ माना जाता है। कहते हैं इस दिन नाखून काटने से वाद-विवाद में फंसने और चोट लगने की आशंका रहती है। साथ ही मंगल ग्रह की स्थिति कमजोर होती है।

गुरुवार के दिन भी नेल कटर का इस्तेमाल करना अशुभ माना जाता है। कहते हैं इससे धन हानि के आसार रहते हैं और परिवार का माहौल बिगड़ता है। साथ ही कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति कमजोर होती है।

शनिवार के दिन भी नाखून काटने से बचना चाहिए। कहते हैं इस दिन नेल कटर का इस्तेमाल करने से जीवन में उथल-पुथल मच जाती है। साथ ही कार्यों में रुकावटें आने लगती हैं। तो वहीं शनि का भी प्रकोप सहना पड़ता है।

इसके अलावा अमावस्या और एकादशी के दिन भी नाखून काटने से बचना चाहिए। तो वहीं व्रत वाले दिन भी नेल कटर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे व्रत का फल प्राप्त नहीं हो पाता।

नाखून काटने के लिए शुभ दिन

नाखून काटने के लिए सोमवार, बुधवार और शुक्रवार का दिन शुभ माना गया है। कोशिश करें कि इनमें से ही किसी एक दिन नेल कटर का इस्तेमाल करें। अगर इन दिनों में नेल नहीं काट पाते हैं तब ही रविवार के दिन आप ये काम करें।

भारत के पांच पवित्र जल तीर्थ, जहां आस्था से मिलता है मोक्ष का मार्ग

भारत की आध्यात्मिक परंपरा में जल को जीवन, शुद्धि और मोक्ष का माध्यम माना गया है। इसी आस्था से जुड़े हैं भारत के पांच पवित्र सरोवर, जिन्हें पंच सरोवर कहा जाता है। ये सरोवर सिर्फ पानी के स्रोत नहीं हैं, बल्कि हजारों साल पुरानी मान्यताओं, पुराणों और साधना की जीवंत मिसाल हैं। माना जाता है कि इन सरोवरों में स्नान करने से व्यक्ति के पाप कटते हैं, मन शुद्ध होता है और आत्मा को शांति मिलती है। ये पांच सरोवसर ना केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति और पौराणिक कथाओं से भी गहरे जुड़े हुए हैं। आइए जानते हैं ये पंच सरोवर कहां कहां स्थित हैं और इनका धार्मिक महत्व क्या है।

राजस्थान के पुष्कर में स्थित पुष्कर सरोवर हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थों में गिना जाता है। लोक मान्यताओं के अनुसार, भगवान ब्रह्मा के हाथ से यहां एक कमल का

फूल गिरा था, जिससे इस सरोवर की उत्पत्ति हुई। कहा

जाता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन यहां स्नान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। पुष्कर सरोवर के किनारे स्थित भगवान ब्रह्मा का एकमात्र मंदिर इस स्थान को और भी खास बना देता है। देश-विदेश से श्रद्धालु यहां मोक्ष की कामना लेकर आते हैं।

कैलाश पर्वत के पास स्थित **मानसरोवर** को भगवान शिव का धाम माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस सरोवर का निर्माण भगवान ब्रह्मा ने किया था और माता पार्वती यहां स्नान करती थीं। इसका जल अत्यंत शीतल और मीठा माना जाता है। केवल हिंदू ही नहीं, बल्कि बौद्ध धर्म में भी मानसरोवर को बेहद पवित्र स्थान माना गया है। यहां तक पहुंचना कठिन जरूर है, लेकिन जो श्रद्धालु पहुंचते हैं, वे इसे जीवन का सबसे बड़ा आध्यात्मिक अनुभव मानते हैं।

गुजरात के कच्छ जिले में स्थित नारायण सरोवर भगवान विष्णु से जुड़ा पवित्र तीर्थ है। मान्यता है कि यहां स्वयं भगवान विष्णु ने स्नान किया था। कहा जाता है कि कभी सरस्वती नदी का प्रवाह यहां तक आता था और इस सरोवर का जल उसी पवित्र धारा से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि नारायण सरोवर में डुबकी लगाने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गुजरात के पाटन जिले में स्थित बिंदु सरोवर को मातृ गया तीर्थ के नाम से भी जाना जाता है। यहां विशेष रूप से महिलाओं के लिए श्राद्ध और पिंडदान की परंपरा है। मान्यता है कि इससे मातृ आत्मा को शांति मिलती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऋषि कर्दम ने भगवान विष्णु के दर्शन के लिए यहीं हजारों वर्षों तक कठोर तपस्या की थी।

कर्नाटक में हंपी के पास स्थित पंपा सरोवर रामायण काल से जुड़ा हुआ है। यही वह स्थान माना जाता है जहां शबरी ने वर्षों तक भगवान राम की प्रतीक्षा की थी। यह क्षेत्र किष्किंधा से जुड़ा माना जाता है। शांत वातावरण और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर पंपा सरोवर आज भी भक्तों को ध्यान और भक्ति की अनुभूति कराता है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 4 फरवरी - 2026

खेल में कडवी राजनीति

विश्व क्रिकेट एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां खेल से ज़्यादा राजनीतिक कडवाहट दिखाई देने लगी है। 15 फरवरी को कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला इसी कड़वाहट का ताज़ा उदाहरण है। पाकिस्तान सरकार द्वारा भारत के खिलाफ होने वाले मैच को रद्द करने की सिफारिश कर क्रिकेट को एक बार फिर असहज स्थिति में डाल दिया है। बता दें कि टी-20 विश्व कप का आयोजन पहले भारत में होना था, लेकिन पाकिस्तान ने आपत्ति जताई तो इसे श्रीलंका स्थानांतरित किया गया। क्योंकि पाकिस्तान ने भारत में खेलने से इनकार कर दिया, लेकिन वह श्रीलंका में खेलने को तैयार है। पाक का नापाक दोहरा रवैया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी असहज कर रहा है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि पाकिस्तान सरकार क्रिकेट को आखिर राजनीति से अलग क्यों नहीं रख पा रही? आईसीसी लगातार यह कोशिश कर रही है कि क्रिकेट को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी फैसला न लिया जाए। लेकिन यह भी सच है कि पाकिस्तान क्रिकेट लंबे समय से राजनीतिक हस्तक्षेप का शिकार रहा है। विडंबना यह है कि भारत के साथ क्रिकेट न खेलने की ज़िद पाकिस्तान में ज़्यादा लोकप्रिय है, जबकि भारत के साथ खेलना आर्थिक और वैश्विक स्तर पर कहीं अधिक लाभकारी है। हकीकत तो यही है कि भारत क्रिकेट की महाशक्ति है। विश्व क्रिकेट की अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से भी अधिक है। ऐसे में भारत को अलग-थलग रखने का विचार भी स्वयं क्रिकेट के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। वर्ष 2008 के बाद भारतीय टीम का पाकिस्तान न जाना पाकिस्तान क्रिकेट के लिए भारी नुकसान का कारण बना हुआ है, इसके बाद भी पाकिस्तान ने इससे सबक लेने के बजाय इसे 'सम्मान' का मुद्दा बना लिया। बड़ा सवाल यह भी है कि एशिया कप की ट्रॉफी, जिसे पाकिस्तानी बोर्ड ने जीता, आज भी भारत को क्यों नहीं सौंपी गई? जो ट्रॉफी भारतीय बोर्ड को मिलनी चाहिए थी, वह आज तक लंबित है। इससे साफ संकेत मिलता है कि पाकिस्तान खेल भावना के बजाय टकराव पर आमादा है। अब समय आ गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड को भी ठोस और संतुलित निर्णय लेना चाहिए। भारत-पाकिस्तान मैचों की भारी मांग के कारण प्रसारण अधिकारों की कीमतें प्रति दस सेकंड 40 लाख रुपये तक पहुंच जाती हैं। ऐसे में यह सिर्फ खेल नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों की भावनाओं और विश्व क्रिकेट की स्थिरता का भी प्रश्न है। यदि भारत क्रिकेट की महाशक्ति है, तो उसे संयम, न्याय और स्पष्टता के साथ दुनिया के सामने आना होगा। क्रिकेट प्रेमियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए, लेकिन राजनीति से खेल को दूर रखने का संदेश भी उतनी ही मजबूती से देना होगा। पाकिस्तान को भी समझना होगा कि क्रिकेट को बंधक बनाकर वह न तो अपने हितों की रक्षा कर सकता है और न ही विश्व क्रिकेट का भला। भारत ने हमेशा खेल भावना का परिचय दिया है। अब आवश्यकता है कि इसी भावना के अनुरूप ठोस और संतुलित कदम उठाए जाएं, ताकि क्रिकेट अपने असली उद्देश्य ,खेल, सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की ओर लौट सके।

'मदर ऑफ ऑल डील्स' अर्थव्यवस्था का टर्निंग प्वाइंट

सुरेश गांधी

जब वैश्विक व्यवस्था एक बार फिर संरक्षणवाद, व्यापार युद्ध और भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, तब भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के 27 देशों के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं रह जाता, बल्कि वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जाना इस समझौते के आकार, प्रभाव और दीर्घकालिक संभावनाओं को रेखांकित करता है। या यूं कहे यह डील न केवल व्यापार बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का भरोसेमंद केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम भी है। यह समझौता ऐसे समय में सामने आया है जब भारत विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और यूरोप ऊर्जा संकट, मंदी की आशंका तथा नई सप्लाई चेन की तलाश से जूझ रहा है। ऐसे में भारत ईयू साझेदारी दोनों के लिए एक रणनीतिक अनिवार्यता बनकर उभरी है। इस समझौते के तहत भारतीय निर्यात की लगभग 93 प्रतिशत वस्तुओं को यूरोपीय बाजार में ड्यूटी-फ्री या बेहद कम शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। इससे कपड़ा, कालीन, चमड़ा, हस्तशिल्प, रत्न-आभूषण और रसायन जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों को सीधा लाभ होगा। ये वही क्षेत्र हैं, जिनसे देश के करोड़ों लोगों की आजीविका जुड़ी है। दूसरी ओर, भारत ने भी यूरोपीय संघ को चरणबद्ध टैरिफ राहत देने पर सहमति दी है। मशीनरी, अत्याधुनिक तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में शुल्क में कटौती होगी। हालांकि सरकार का दावा है कि यह प्रक्रिया धीरे-धीरे लागू होगी, ताकि घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने का पर्याप्त समय मिल सके। आर्थिक दृष्टि से यह समझौता भारत के जीडीपी को नई मजबूती दे सकता है। मौजूदा समय में भारत और ईयू के बीच द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक है, जिसके आने वाले वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ने की उम्मीद है। निर्यात, निवेश और उत्पादन में वृद्धि से आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। रोजगार के लिहाज से यह समझौता खास महत्व रखता है। श्रम-प्रधान क्षेत्रों में लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। साथ ही यूरोपीय कंपनियों के निवेश से भारत में उच्च कौशल और तकनीकी नौकरियों का विस्तार होगा। हालांकि कुछ आशंकाएं भी हैं। छोटे और मझोले उद्योगों को सस्ते यूरोपीय उत्पादों से प्रतिस्पर्धा का डर है। लेकिन सरकार का कहना है कि सुरक्षा प्रावधान और घरेलू नीतिगत समर्थन से इस संतुलन को साधा जाएगा। कुल मिलाकर, यह समझौता भारत की आर्थिक कूटनीति का निर्णायक अध्याय है। सही क्रियान्वयन हुआ तो यह सौदा भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में और आगे ले जाएगा।

कालीन व साड़ी उद्योग के लिए नया सवेरा

इस समझौते का सबसे ठोस और ज़मीनी असर भदोही, मिर्ज़ापुर और वाराणसी जैसे इलाकों में देखने को मिल सकता है, जहां कालीन, हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार हैं। अब तक यूरोपीय बाजार में भारतीय कालीनों को भारी टैरिफ और जटिल नियमों का सामना करना पड़ता था। इस समझौते के बाद भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों को ड्यूटी-फ्री प्रवेश मिलेगा। इससे भदोही का कालीन उद्योग चीन, तुर्की और ईरान जैसे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले अधिक मजबूत स्थिति में आ सकता है। भदोही की विशेषता यह है कि यहां का उद्योग पूरी तरह एमएसएमई और कुटीर आधारित है। निर्यात बढ़ने से बुनकरों को लगातार काम मिलेगा, स्थानीय इकाइयों की आय बढ़ेगी, बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी. इसी तरह वाराणसी के रेशमी वस्त्र, ज़री-ज़रदोज़ी और हस्तशिल्प को भी यूरोपीय बाजार में नई पहचान मिलने की संभावना है। यदि निर्यात प्रक्रियाएं सरल हुईं और गुणवत्ता मानकों पर सरकारी सहयोग मिला, तो पूर्वांचल वैश्विक हस्तशिल्प मानचित्र पर उभर सकता है। हालांकि स्थानीय उद्योग यह भी चाहते हैं कि सस्ते आयात से उन्हें सुरक्षा मिले, स्किल अपग्रेडेशन हो और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में तकनीकी सहायता दी जाए। यदि नीति और ज़मीन पर अमल साथ चले, तो यह समझौता भदोही और वाराणसी की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा दे सकता है। चमड़े और शिल्प में श्रम-प्रधान आधार के कारण कानपुर और आगरा के चमड़े के जूते निर्यातक निर्यात बढ़ा सकते हैं, जबकि सहारनपुर फर्नीचर और हस्तशिल्प निर्यात से लाभान्वित होगा. नोएडा के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और वेस्ट यूपी के कृषि उत्पादों को भी लाभ होगा, जिससे राज्य के निर्यात का दायरा बढ़ेगा.

टैरिफ शून्य, अवसर अनंत राज्यों की निर्यात उड़ान

यूरोपीय यूनियन के साथ व्यापार में अधिकांश उत्पादों पर टैरिफ शून्य होने से भारत के लगभग हर प्रमुख औद्योगिक राज्य में उद्यमिता और रोजगार की नई संभावनाएं खुलती दिख रही हैं। यह केवल निर्यात वृद्धि नहीं, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के पुनरुत्थान का संकेत है। महाराष्ट्र में इचलकरंजी के वस्त्र उद्योग, पुणे के इंजीनियरिंग-इलेक्ट्रॉनिक्स और ठाणे-रायगढ़ के फार्मा सेक्टर को नए ऑर्डर मिलने की संभावना है, वहीं मुंबई के रत्न-आभूषण निर्यात को गति मिलेगी। गुजरात को सूरत के वस्त्र-हीरा उद्योग, भरूच-वडोदरा के केमिकल्स और राजकोट के इंजीनियरिंग निर्यात से बड़ा लाभ होगा। तमिलनाडु में तिरुप्पुर के परिधान, वेल्लोर-अंबूर के चमड़ा-फुटवियर और चेन्नई-कोयंबटूर के इंजीनियरिंग सेक्टर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और मजबूत होंगे। पश्चिम बंगाल को दार्जिलिंग चाय, दीघा-हल्दिया के समुद्री उत्पाद और पारंपरिक हस्तशिल्प से आजीविका आधारित लाभ मिलेगा। असम में डिब्रूगढ़-जोरहाट की चाय, ऊपरी असम के मसाले और बांस-हस्तशिल्प को प्रीमियम बाजार मिलेगा। केरल के लिए झींगा, टूना, काली मिर्च और इलायची किसानों-मछुआरों की आय बढ़ाने वाले सेक्टर बनेंगे। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और वस्त्र निर्यात से हाई-वैल्यू सप्लाई चेन मजबूत होगी। पंजाब के लुधियाना-जालंधर और राजस्थान के जयपुर-जोधपुर जैसे एमएसएमई व शिल्प केंद्रों को भी सीधा लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर, यह समझौता भारत के राज्यों को स्थानीय उत्पादन से वैश्विक बाजार तक जोड़ने वाला निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

दो दशक की प्रतीक्षा और बदली वैश्विक परिस्थितियां

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत वर्ष 2007 में शुरू हुई थी। बीच के वर्षों में कई बार वार्ता रुकी, प्राथमिकताएं बदलीं और वैश्विक परिस्थितियों ने दिशा मोड़ी। लेकिन बीते कुछ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में आए बदलावों, विशेषकर अमेरिका-चीन व्यापार तनाव, कोविड के बाद सप्लाई चेन संकट और यूक्रेन युद्धकुने यूरोप और भारत दोनों को एक-दूसरे के करीब आने के लिए मजबूर किया। भारत के लिए यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसे केवल एक उभरता बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक उत्पादन और आपूर्ति का भरोसेमंद केंद्र बनाता है।

विवादों के बीच टी-20 बादशाहत की जंग

राज कुमार सिंह

सात फरवरी से आठ मार्च तक होने जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप क्रिकेट पर विवादों का साया गहराता जा रहा है। आईपीएल से अपने खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान के बाहर हो जाने से शुरू विवाद के चलते बांग्लादेश इस विश्व कप का बहिष्कार कर चुका है। बांग्लादेश की जगह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने स्कॉटलैंड को वर्ल्ड कप में शामिल किया है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का बहाना बनाते हुए अपने मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया। इस विवाद में बांग्लादेश के पक्ष में मुखरता के चलते पाकिस्तान द्वारा भी वर्ल्ड कप के बहिष्कार की आशंका थी, लेकिन उसने सिर्फ भारत के विरुद्ध मैच खेलने से इनकार किया है। भारत-श्रीलंका की मेजबानी में आयोजित हो रहे इस विश्व कप के ग्रुप 'ए' में भारत-पाकिस्तान के बीच यह मैच 15 फरवरी को खेला जाना है।

इससे पहले पाकिस्तान को सात फरवरी को नीदरलैंड, 10 फरवरी को अमेरिका और 18 फरवरी को नामीबिया से मैच खेलने हैं। पाकिस्तान अपने ये सभी मैच खेलेगा, लेकिन भारत के विरुद्ध मैच न खेलने से उसे ग्रुप स्टेज पर ही विश्व कप से बाहर होना पड़ सकता है। दरअसल भारत के विरुद्ध मैच न खेलने से पाकिस्तान का रन रेट खराब हो जायेगा। आईसीसी के नियम 16.10.7 के मुताबिक मैच न खेलने पर पाकिस्तान के 20 ओवर में 0 रन माने जायेंगे, जबकि भारत का एक भी ओवर नहीं गिना जायेगा। परिणामस्वरूप बाकी सभी मैच जीत कर भी पाकिस्तान का रन रेट नकारात्मक हो सकता है।

हालांकि ग्रुप 'ए' में भारत, पाकिस्तान के अलावा अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड जैसी कमजोर टीमें ही हैं, लेकिन क्रिकेट अनिश्चतताओं का खेल है। पिछले वर्ल्ड कप में अमेरिका तो पाकिस्तान को हरा कर ग्रुप स्टेज पर ही बाहर कर भी चुका है। नीदरलैंड भी अतीत में आईसीसी टूर्नामेंट में उलटफेर कर चुका है। अगर पाकिस्तान अपने इन तीन मैचों में से एक भी हार गया तो उसे ग्रुप स्टेज पर ही वर्ल्ड कप से बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है। बेशक आईसीसी ने पाकिस्तान से भारत के विरुद्ध मैच न खेलने के फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया है, लेकिन अगर वह नहीं माना तो ग्रुप स्टेज पर ही वर्ल्ड कप से बाहर होने के खतरे के अलावा दंडात्मक कार्रवाई का भी सामना करना पड़ सकता है। आईसीसी बहिष्कार का कारण पूछेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का जवाब संतोषजनक नहीं लगा तो उसे इस वर्ल्ड कप से बैन भी किया जा सकता है। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के लिए विदेशी खिलाड़ियों को एनओसी मिलना तो मुश्किल होगा ही, उसे भविष्य में आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी से भी वंचित किया जा सकता है। भारत-पाकिस्तान मैच न होने से आईसीसी की आय में होनेवाली कमी की भरपाई के लिए भी पाकिस्तान को कहा जा सकता है। सबसे ज्यादा पैसा भारत-पाकिस्तान के बीच खेले जानेवाले मैचों पर ही बरसता है।

वैसे यह पहली बार नहीं है, जब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप पर विवाद और बहिष्कार का साया पड़ रहा है। भारतीय उप महाद्वीप में आयोजित 1996 के वर्ल्ड कप में श्रीलंका में जारी हिंसा के चलते ऑस्ट्रेलिया ने कोलंबो में मैच खेलने से इनकार कर दिया था। श्रीलंका को वॉकओवर मिल गया। उसी वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज ने भी श्रीलंका में खेलने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप श्रीलंका को एक और वॉकओवर मिल गया। दो बड़ी टीमों के विरुद्ध मिले वॉकओवर से श्रीलंका की किस्मत ऐसी चमकी कि वह लाहौर में खेला गया फाइनल जीत कर विश्व विजेता ही बन गया। 2003 में अफ्रीकी धरती पर खेले गये विश्व कप में, जिंबाब्वे में रॉबर्ट मुगाबे शासन पर ब्रिटिश सरकार की आपत्ति के चलते, इंगलैंड ने खेलने से इनकार कर दिया तो जिंबाब्वे को वॉकओवर मिला गया। उसी वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने भी सुरक्षा कारणों से खेलने से इनकार किया तो केन्या को वॉकओवर मिल गया और चमत्कारिक रूप से वह सेमीफाइनल में पहुंच गया। अगला विश्व कप ब्रिटेन में हुआ, जिससे जिंबाब्वे के राजनयिक रिश्ते खराब थे। सो, वीजा संबंधी संकट खड़ा हो गया। आईसीसी से समझौता कर जिंबाब्वे वर्ल्ड कप से हट गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को मौका मिला। हालांकि क्रिकेट अनिश्चतताओं का खेल है, जिसमें कभी भी कोई भी टीम कमाल कर सकती है, लेकिन हालिया प्रदर्शन की बात करें तो इस टी-20 वर्ल्ड कप में सूर्य कुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया खिताब की प्रबल दावेदार है। बेशक भारतीय टीम का पिछला साल अच्छा नहीं गुजरा। हाल में मेहमान न्यूजीलैंड टीम से वन डे श्रृंखला भी 0-3 से हार गयी, लेकिन उसके बाद टी-20 श्रृंखला 4-1 से जीत कर जैसी जबर्दस्त वापसी की, उसके बाद ज्यादातर जानकार मानते हैं टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने से रोक पाना आसान नहीं होगा। कप्तान सूर्या को खोयी हुई फॉर्म वापस मिल गयी है तो ईशान किशन भी तूफानी बल्लेबाजी फॉर्म के साथ टीम में लौटे हैं।

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अच्छी फॉर्म में हैं तो तेज गेंदबाजी आक्रमण किसी भी प्रतिद्वंद्वी टीम को धराशायी करने में समर्थ है यानि टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप का पिछली बार जीता अपना खिताब बरकरार रख सकती है। बेशक सदाबहार ऑस्ट्रेलिया, जुझारू दक्षिण अफ्रीका, गजब की पेशेवर न्यूजीलैंड और क्रिकेट के जनक इंगलैंड को भी कम आंकने की गलती कोई जानकार नहीं करना चाहेगा। ये टीमें अतीत में अपने असाधारण प्रदर्शन से चौंका चुकी हैं और इस बार भी खिताब की दावेदार हैं। चार ग्रुपों में बंटे इस विश्व कप में कुल 20 टीमें मैदान में होंगी। हर ग्रुप में दो मजबूत टीमें रख कर स्पर्धा को रोमांचक और संतुलित बनाने की कोशिश की गयी है। ग्रुप 'ए' में भारत और पाकिस्तान मजबूत टीमें हैं तो ग्रुप 'बी' में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका की बाबत ऐसा कहा जा सकता है। ग्रुप 'सी' में इंगलैंड और वेस्टइंडीज को मजबूत माना जा सकता है, जबकि ग्रुप 'डी' में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका उसी श्रेणी में आती हैं। घरेलू पिचों का लाभ भारत और श्रीलंका को मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन आईपीएल के चलते अन्य देशों के खिलाड़ी भी अब भारतीय पिचों से अनजान नहीं रह गये हैं। इसलिए टी-20 वर्ल्ड कप की नयी चैंपियन वही टीम होगी, जो सुनियोजित रणनीति के साथ मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

कैंसर रोकने के लिए जागरूकता ही है सबसे बड़ा हथियार

योगेश कुमार गोयल

लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया जाता है। दरअसल आज भी लगभग सभी लोगों के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। भारत में तो कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है और कैंसर से मौतों का आंकड़ा साल-दर-साल निरंतर बढ़ रहा है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। हालांकि कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को लाइलाज रोग माना जाता था लेकिन कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं और अब अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का उपचार अब संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है। यह जानना भी बहुत जरूरी है कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का शुरूआती चरणों में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं। कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता।

अप्रकाशित किताब, बड़े दावे और खाली हाथ राहुल गांधी

आरके जैन

2 फरवरी 2026 का दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक और तीखे और दुर्भाग्यपूर्ण टकराव के रूप में दर्ज हो गया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की बहस, जो सामान्यतः सरकार की नीतियों पर गंभीर और मर्यादित विमर्श का अवसर होती है, उस दिन राहुल गांधी की आक्रामक राजनीति और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तथ्यपरक दृढ़ता की भेंट चढ़ गई। लोकसभा का वातावरण अचानक उग्र हो उठा, तर्कों की जगह शोर ने ले ली और संसद की गरिमा एक बार फिर कठघरे में खड़ी दिखाई दी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चीन, डोकलाम और गलवान का मुद्दा उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश की, लेकिन उनका तरीका, उनका स्रोत और उनकी प्रस्तुति ही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर सामने आ गई।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की कथित अप्रकाशित किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी का हवाला देते हुए यह सनसनीखेज दावा कर दिया कि चार चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुसे थे और डोकलाम की एक रणनीतिक रिज पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने इसे सीधे-सीधे मोदी सरकार की विफलता करार दिया और चुनौती भरे लहजे में सवाल उछाला कि सरकार "सच से डर क्यों रही है?" पहली नजर में यह आरोप चौंकाने वाला था, लेकिन जैसे ही उसके स्रोत की सच्चाई सामने आई, पूरा तर्क खोखला और आधारहीन नजर आने लगा। संसद कोई मंच नहीं है, जहां अप्रमाणित और अप्रकाशित स्रोतों के सहारे गंभीर आरोप उछाल दिए जाएं।

यहीं से राहुल गांधी की राजनीतिक रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे। संसद के नियम 349 के तहत किसी भी अप्रकाशित, असत्यापित या अप्रमाणिक स्रोत से उद्धरण देना सख्त रूप से निषिद्ध है। जनरल नरवणे की किताब न तो प्रकाशित हुई थी और न ही उसे किसी आधिकारिक प्रक्रिया के तहत संसद के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद राहुल गांधी ने कारवां मैगजीन के एक लेख को आधार बनाकर पूरे सदन को गुमराह करने का प्रयास किया। यह केवल संसदीय नियमों का उल्लंघन नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर घोर गैर-जिम्मेदाराना रवैये का भी परिचायक था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पर बिना किसी हिचक के कड़ा और स्पष्ट ऐतराज जताया। शांत लेकिन सधे हुए शब्दों में उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी आखिर किस किताब का उल्लेख कर रहे हैं, जिसे न उन्होंने स्वयं देखा है और न ही संसद के पास उसका कोई आधिकारिक संज्ञान है। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि जनरल नरवणे के पास कोई नई या गंभीर जानकारी होती, तो वह संवैधानिक मर्यादाओं के तहत सीधे सरकार को अवगत कराते। उन्होंने यह भी दोहराया कि नरवणे ने कभी अपनी किताब के प्रकाशन को लेकर किसी तरह की कानूनी लड़ाई नहीं लड़ी। रक्षा मंत्री का यह तर्कपूर्ण जवाब न सिर्फ संसदीय नियमों पर आधारित था, बल्कि राहुल गांधी के पूरे राजनीतिक नैरेटिव की बुनियाद को ही हिला देने वाला साबित हुआ। बहस के दौरान गृह मंत्री अमित शाह का हस्तक्षेप राहुल गांधी के लिए और अधिक असहज साबित हुआ। अमित शाह ने साफ शब्दों में कहा कि जिस लेख का हवाला दिया जा रहा है, वह भी उसी अप्रकाशित किताब पर आधारित है, जिसे संसद में उद्धृत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी से सीधा सवाल किया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के बीच अचानक चीन का मुद्दा उठाने का उद्देश्य क्या है। यह संकेत स्पष्ट था कि मामला राष्ट्रहित से अधिक राजनीतिक लाभ का था। भाजपा सांसदों की नारेबाजी और स्पीकर ओम बिरला की बार-बार चेतावनियों के बीच सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती रही। राहुल गांधी का रवैया इस पूरे घटनाक्रम में उनके पुराने राजनीतिक पैटर्न को ही दोहराता दिखा।

त्राहिमाम! बैटरी सिर्फ 1% है

डॉ. सुरेश कुमार

आजकल के युवाओं के लिए 'मोक्ष' का मतलब निर्वाण प्राप्त करना नहीं, बल्कि कैफे में अपनी मेज के पास एक 'चार्जिंग पॉइंट' पा लेना है। एक जेन-जी युवा के लिए दुनिया तब नहीं रुकती जब युद्ध छिड़ जाए, बल्कि तब रुकती है जब उसके फोन का ऊपरी दायां कोना लाल होकर चीखने लगता है- बैटरी 1%। यह 1% उस परमाणु बम की तरह है जिसका रिमोट पता नहीं किसके हाथ में है। जैसे ही फोन 1% पर आता है, घर में महाभारत शुरू हो जाती है। वह लड़का जो मम्मी के दस बार बुलाने पर हम्म... आता हूँ कहकर करवट बदल लेता था, अब उस 1% के लिए उस 'स्पाइडरमैन' की तरह उछलता है जिसका जाला कट गया हो। उसकी आँखों में वह खौफ होता है जो शायद हिमालय पर अकेले फँसे पर्वतारोही की आँखों में भी न हो। वह कमरे से हॉल तक ऐसे दौड़ता है जैसे ओलंपिक में 100 मीटर की फर्राटा दौड़ चल रही हो।

असली कॉमेडी तब होती है जब चार्जर तो मिल जाता है, पर केबल 'बेवफा' निकलती है। उसे एक खास एंगल पर मोड़ने पर ही चार्जिंग शुरू होती है। अब हमारा जेन-जी योद्धा उस तार को 37.5 डिग्री के कोण पर पकड़कर मूर्ति बना खड़ा रहता है। अगर इस बीच सांस भी तेज ले ली, तो चार्जिंग बंद! वह आधा घंटा बिना हिले-डुले ऐसे खड़ा रहता है जैसे किसी प्राचीन मंदिर का कोई तपस्वी हो, बस अंतर यह है कि तपस्वी को भगवान चाहिए थे और इसे 'इंस्टाग्राम रील्स'।

घर के बुजुर्ग इस दृश्य को देखकर सिर पकड़ लेते हैं। दादाजी कहते हैं, हमारे जमाने में हम लालटेन की रोशनी में पढ़ते थे। पोता मन ही मन सोचता है, दादाजी, लालटेन में कम से कम बफरिंग तो नहीं होती थी! जेन-जी के लिए 'लो बैटरी' किसी 'हॉरर फिल्म' के क्लाइमेक्स जैसा है। उसे लगता है कि अगर फोन बंद हो गया, तो दुनिया उसे भूल जाएगी, उसकी 'स्ट्रीक्स' टूट जाएंगी और शायद वह डिजिटल रूप से मर ही जाएगा। जब फोन 2% पर पहुँचता है, तो उसके चेहरे पर वैसी ही शांति आती है जैसी किसी प्यासे को रेगिस्तान में गंगा मिल गई हो। यह 1% का डर ही आज की नई सभ्यता का सबसे बड़ा सत्य है-प्राण जाए पर प्लग न छूटे!

बुज़ुर्गों के लिए दवा ही नहीं, उसे लेने का सही तरीका भी है ज़रूरी, अपनाएं ये खास टिप्स

बढ़ती उम्र में सही समय पर सही दवा लेना स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। छोटी-सी भी चूक गंभीर परिणाम दे सकती है, इसलिए दवाओं के प्रबंधन में सावधानी बरतना बेहद ज़रूरी है। अगर आपके घर में कोई बुज़ुर्ग हैं, जो दवाइयां लेते हैं तो आप उनकी उचित देखभाल के लिए ये क़दम उठा सकते हैं।

बड़े अक्षरों वाले रैपर

कई दवाओं के पत्ते दिखने में एक जैसे होते हैं। आप हर पत्ते पर सफ़ेद टेप चिपकाकर उस पर बड़े अक्षरों में दवा का नाम या उसका उद्देश्य (जैसे- 'बीपी की दवा') लिख सकते हैं।

रंगीन डिब्बों का प्रयोग

सुबह, दोपहर और रात की दवाओं के लिए अलग-अलग रंगों के बॉक्स का उपयोग करें। उदाहरण के लिए, सुबह के लिए पीला, दोपहर के लिए नारंगी और रात के लिए नीला। क्योंकि उनके लिए रंगों की पहचान करना आसान होगा और वे एक समय खाई जाने वाली दवाई बिना चूक के खा सकते हैं।

स्पष्ट पहचान चिह्न

अगर वे सही तरह पढ़ नहीं पाते तो लिखने के बजाय चिह्न बना सकते हैं। जैसे- सुबह की दवा पर 'सूरज', शाम की है तो 'पक्षी' और रात की दवा पर 'चांद' का चित्र बना दें।

दवाओं का पृथक्करण

ऐसी दवाएं जो दिखने में बिलकुल एक जैसी लगें, उन्हें कभी भी एक साथ न रखें। उन्हें हमेशा अलग-अलग डिब्बों में रखें ताकि ग़लती से भी ग़लत दवा न ली जाए।

एक्सपायरी की जांच

जब दवाई ख़रीदें उसी समय उसके रैपर या फिर डिब्बे पर एक्सपायरी की तारीख भी लिख दें। इसे समय-समय पर जांचते रहें। पुरानी दवाओं को तुरंत हटा दें ताकि वे नई दवाओं के साथ न मिलें।

आपकी अनुपस्थिति में दवाओं का इंतज़ाम

मान लीजिए कभी कोई ऐसी स्थिति हो जब आप घर पर उनके पास मौजूद न हों तो ये कुछ इंतज़ाम आज ही कर दें ताकि उस समय कोई समस्या न हो। वॉइस रिकॉर्डिंग अलार्म- सामान्य अलार्म की जगह उनके फोन में अपनी आवाज़ रिकॉर्ड करके रिंगटोन लगाएं। जैसे- 'पापा, अब शुगर की गोली लेने का समय है।' आपकी आवाज़ सुनकर उन्हें स्पष्ट निर्देश मिल जाएंगे।

इमरजेंसी नंबरों की सूची- फोन की स्पीड डायल लिस्ट या फिर डायरी में डॉक्टर, नज़दीकी फार्मासिस्ट और अपना नंबर सेव करें। चाहें तो फोन के पीछे एक काग़ज़ पर ये नंबर लिखकर चिपका दें ताकि ज़रूरत पड़ने पर तुरंत कॉल कर सकें।

ख़र्च पर कंट्रोल और बचत पर करें फोकस अपनाएंगे ये टिप्स तो कभी खाली नहीं रहेगी जेब

नया साल में बचत और निवेश को लेकर नए संकल्प लेते हैं। इरादा भले ही सही हो, लेकिन साल के अंत तक हालात अक्सर वही रहते हैं। इसकी वजह यह है कि धन प्रबंधन अभी भी भावना पर आधारित है, प्रणाली पर नहीं। जब तक ख़र्च और बचत का एक आसान और अनुशासित ढांचा न हो, योजनाएं सिर्फ़ काग़ज़ तक सीमित रहती हैं। अगर बचत के साथ धन बढ़ाना है, तो योजना भी उतनी ही मज़बूत होनी चाहिए। इसके लिए विशेषज्ञ कुछ व्यावहारिक और तार्किक उपाय बता रहे हैं, जिनसे आप बिना मानसिक दबाव के बचत कर पाएंगे, और साथ ही नए निवेश विकल्पों की ओर भी आत्मविश्वास के साथ क़दम बढ़ा सकेंगे।

ख़र्च नियंत्रण के लिए योजना

हर ख़र्च का पूरा हिसाब रखना अक्सर मुश्किल होता है। बेहतर तरीक़ा है अपनी आय को पहले ही चार हिस्सों में बांटना, जैसे- 40% ज़रूरत (घर, राशन, बिल), 30% भविष्य (बचत / निवेश), 15% मनोरंजन (यात्रा, शौक), 15% आपातकालीन निधि के लिए।

रोज़मर्रा के छोटे बजट के लिए मोबाइल वॉलेट का इस्तेमाल करें। इस तरह दैनिक ख़र्च की सीमा तय करने से बचत अपने आप बढ़ती है। दिन के अंत में जो पैसा बचता है, वही असली बचत बन जाता है।

बचत को उद्देश्य दीजिए

बड़ी रकम बचाने का लक्ष्य अक्सर डर पैदा करता है। इसके बजाय ख़र्च के साथ आनुपातिक बचत की आदत डालें। साथ ही, पैसे को एक नाम दें, जैसे- आपातकाल, शिक्षा, यात्रा या सुरक्षा फंड। जब धन का उद्देश्य स्पष्ट होता है, तो उसे बेवजह ख़र्च करना मुश्किल हो जाता है। यह तरीक़ा मानसिक रूप से असरदार होता है और लंबे समय तक टिकता है।

नियमित समीक्षा ज़रूरी है

महंगे और तात्कालिक ख़र्चों में जल्दबाज़ी नुक़सानदेह होती है। ऐसे हर फ़ैसले को 24 घंटे का समय देना अनावश्यक ख़रीद को रोकता है। इसके साथ ही, महीने-दर-महीने उलझने के बजाय तिमाही समीक्षा ज़्यादा कारगर होती है। जब पैसे की योजना को कड़े नियम या बोझ नहीं, बल्कि एक सकारात्मक आदत और नियमित अभ्यास की तरह लिया जाता है, तो उसमें अनुशासन भी आता है और निरंतरता भी।

निवेश के नए रास्ते

बचत के तरीक़े में सुधार करने के साथ-साथ बचाई हुई धनराशि को इकट्ठा करके यहां निवेश कर सकते हैं।

टारगेट मैच्योरिटी बॉन्ड फंड- ये ऐसे म्यूचुअल फंड होते हैं जो पैसा तय समय के लिए उधार से जुड़े साधनों में लगाते हैं। यानी फंड, निवेशक का पैसा सरकार या सरकारी कंपनियों को कर्ज़ के रूप में देता है और बदले में तय ब्याज कमाता है। इसमें जोखिम कम होता है क्योंकि पैसा सुरक्षित जगह लगाया जाता है। इस फंड की अवधि पहले से तय होती है, जैसे 3 या 5 साल, इसलिए निवेशक को पता होता है कि पैसा कब मिलेगा। अगर निवेश को अंत तक रखा जाए तो ब्याज दरों के घटने-बढ़ने का असर कम पड़ता है। यह विकल्प उनके लिए सही है जो सुरक्षित व स्थिर रिटर्न चाहते हैं। इसमें निवेश बैंक, एप या सलाहकार से किया जा सकता है।

थीम आधारित इंटरनेशनल ईटीएफ- थीम आधारित इंटरनेशनल ईटीएफ ऐसे निवेश विकल्प हैं, जिनमें पैसा दुनियाभर की चुनिंदा थीम पर काम करने वाली कंपनियों में लगाया जाता है, जैसे- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, तकनीक, ग्रीन एनर्जी या हेल्थ सेक्टर आदि। आसान शब्दों में कहें तो आपका पैसा सिर्फ़ भारत तक सीमित न रहकर विदेशों की बड़ी कंपनियों में भी लगता है। इससे एक ही देश पर निर्भरता कम होती है और जोखिम बंट जाता है। यह निवेश उन लोगों के लिए ठीक है जो लंबे समय तक पैसा लगाकर वैश्विक तरक़्क़ी से फ़ायदा लेना चाहते हैं। इसमें निवेश के लिए डीमैट खाता ज़रूरी होता है।

फैक्टर आधारित इंडेक्स फंड- ये ऐसे निवेश फंड होते हैं, जो शेयर बाज़ार के किसी एक ख़ास गुण पर ध्यान देकर पैसा लगाते हैं, जैसे- सस्ते दाम वाले शेयर, अच्छी गुणवत्ता वाली कंपनियां, कम उतार-चढ़ाव वाले शेयर या बढ़त की प्रवृत्ति वाले शेयर। इन फंड्स का मकसद जोखिम को संभालते हुए बेहतर रिटर्न पाना होता है। चूंकि ये तय नियमों के आधार पर चलते हैं, इसलिए भावनाओं से ग़लत फ़ैसले कम होते हैं। यह निवेश उन लोगों के लिए सही है जो लंबे समय तक सोच-समझकर निवेश करना चाहते हैं। इनमें निवेश के लिए डीमैट या म्यूचुअल फंड अकाउंट ज़रूरी होता है।

रोज़मर्रा की इन छोटी चीज़ों में छिपा है आपकी बड़ी ख़ुशियों और सेहत का राज़

हम आम को ख़ास और ख़ास को आम तो नहीं समझते न? चलिए, एक और मामले में अपने ज्ञान चक्षु खोलते हैं।

कैसे दिख रहे हैं...

अक्सर हमारे वॉर्डरोब का सबसे महंगा हिस्सा वह सूट या साड़ी होती है जिसे हम साल में केवल एक या दो बार किसी शादी या विशेष कार्यक्रम में पहनते हैं। इसके उलट, जिन कपड़ों में हम रोज़ ऑफिस जाते हैं, घर में रहते हैं या काम करते हैं, उन पर हम बहुत कम ध्यान देते हैं।

आख़िर क्यों... हम रोज़ के कपड़ों में लगभग 90 प्रतिशत समय बिताते हैं। इसलिए इनकी गुणवत्ता और फिटिंग अच्छी होनी चाहिए ताकि आप रोज़ ख़ास महसूस करें। इसका असर आपके आत्मविश्वास व कार्यक्षमता पर भी पड़ेगा।

क्या खा रहे हैं...

अमूमन लोग किसी बड़े रेस्तरां में एक ही शाम में हज़ारों रुपये ख़र्च कर देते हैं, पर जब घर के लिए अच्छे फल, पौष्टिक सब्ज़ियां या उच्च गुणवत्ता वाले मेवे ख़रीदने की बात आती है, तो हम बचत करने लगते हैं।

आख़िर क्यों... एक दिन का भारी और चटपटा भोजन आपको क्षणिक आनंद दे सकता है, लेकिन वह आपके स्वास्थ्य की नींव नहीं बनाता। इसके विपरीत, रोज़ की थाली में थोड़ा अतिरिक्त निवेश-बेहतर सामग्री और संतुलित पोषण-आपके शरीर के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा है।

किस तरह सो रहे हैं...

हम अपने जीवन का लगभग एक-तिहाई

हिस्सा सोने में बिताते हैं, फिर भी नींद से जुड़ी चीज़ों पर ख़र्च करते समय सबसे ज़्यादा समझौता करते हैं। एक अच्छे गद्दे या आरामदायक तकिए पर निवेश करने से हिचकिचाते हैं।

आख़िर क्यों... अच्छी नींद आपके अगले पूरे दिन की ऊर्जा, एकाग्रता और मानसिक संतुलन को तय करती है। जो चीज़ आपके शरीर को रोज़ आराम देती है, वह दिखावे की चीज़ों से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। नींद पर किया गया निवेश आपकी सेहत और कार्यक्षमता दोनों के रूप में लौटकर आता है। इसलिए रोज़ पर्याप्त नींद लें।

कैसे सज रहे हैं...

शादी या पार्टी से पहले लोग पार्लर/सैलून में हज़ारों रुपये ख़र्च कर देते हैं, ताकि उस एक दिन उनकी त्वचा बेहतर दिखे। लेकिन रोज़मर्रा की ज़िंदगी में स्किनकेयर और व्यक्तिगत स्वच्छता को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है।

आख़िर क्यों... त्वचा को बेहतर बनाने के लिए इस पर रोज़ ध्यान देना ज़रूरी है। किसी एक दिन त्वचा या फिर बालों का महंगा-सा उपचार कराने से आपको सिर्फ़ क्षणिक सुंदरता मिलती है, वहीं नियमित साफ़-सफ़ाई, धूप से सुरक्षा और त्वचा को नमी देने जैसी छोटी आदतें अपनाकर आप स्वयं की सही और बेहतर देखभाल कर सकते हैं।

कैसे आराम कर रहे हैं...

अक्सर हम यह कहकर ख़ुद को समझा लेते हैं कि 'वीकेंड पर सो लेंगे', इसलिए रोज़ देर रात तक जागना सामान्य हो जाता है। लेकिन जो नींद पूरे हफ़्ते में कम होती जाती है, उसकी भरपाई केवल एक या दो दिनों में संभव नहीं होती।

आख़िर क्यों... नींद कोई विलासिता नहीं, बल्कि शरीर की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रिया है। रोज़ की पर्याप्त नींद आपके मूड, निर्णय लेने की क्षमता और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। कभी-कभार देर तक जागना अलग बात है, लेकिन रोज़ की नींद से समझौता करना ख़ुद पर किया गया अन्याय है। इसे सेहत के साथ खिलवाड़ कहेंगे।

परीक्षा की तैयारी के लिए कम समय में बेहतर परिणाम पाने के लिए यथार्थवादी टाइमटेबल और रिवीजन टिप्स

जैसे-जैसे परीक्षा नज़दीक आती है, बच्चों की धड़कनें भी तेज़ होने लगती हैं। दिनभर पढ़ाई करने के बावजूद ऐसा लगता है कि कुछ भी याद नहीं हुआ..., सिलेबस अभी भी पहाड़ जैसा खड़ा है... और जो पढ़ा है वह दिमाग़ में टिकेगा भी या नहीं! दरअसल, इन सवालों और उलझनों की वजह उनका पढ़ने का तरीक़ा ही है।

याद रखें, सारा सिलेबस रट लेना ही लक्ष्य नहीं है। उससे कहीं ज़्यादा ज़रूरी है उसे सही ढंग से समझकर पढ़ना। समझदारी से पढ़ेंगे तो मेहनत आधी और नतीजा दोगुना होगा।

यथार्थवादी टाइमटेबल बनाएं

अक्सर बच्चे जोश में आकर 14-15 घंटे पढ़ने का नियम बना लेते हैं, जो दो दिन बाद टूट जाता है। बेहतर होगा कि शुरुआत में 5-6 घंटे ध्यान से पढ़ाई करें। धीरे-धीरे समय बढ़ाएं।

50/ 10 का नियम अपनाएं

लगातार कई घंटों तक पढ़ने से दिमाग़ थक जाता है। 50 मिनट पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ें। 10 मिनट का विराम लेकर टहलें या स्ट्रेचिंग करें। इस दौरान फोन या सोशल मीडिया से दूर रहें।

इस तरह बनाएं टाइमटेबल

यह एक सामान्य ढांचा है, जिसे बच्चे परीक्षा की तैयारी में अपना सकते हैं-

सुबह... गणित या विज्ञान जैसे कठिन विषय सुबह पढ़ें। इस समय मस्तिष्क ताज़ादम रहता है

इसलिए दिलचस्पी के साथ पढ़ना, समझना व याद रखना आसान होता है।

दोपहर... थोड़ा आसान विषय पढ़ें। दोपहर में नींद आ सकती है, तो लिखकर अभ्यास करना बेहतर होगा।

शाम... ऐसे विषय पढ़ें जो न अधिक कठिन हैं और न अधिक सरल। पुराने प्रश्नपत्र भी हल कर सकते हैं। इससे यह अंदाज़ा मिलता है कि परीक्षक प्रश्न कैसे घुमाकर पूछते हैं। अक्सर बोर्ड परीक्षाओं में प्रश्न दोहराते हैं या उसी कॉन्सेप्ट पर आधारित होते हैं।

रात... दिनभर जो पढ़ा उसका रिवीज़न करें।

अपनी लय पहचानें- हर छात्र की 'जैविक घड़ी' अलग होती है। उसी के अनुसार समय तय करें। दोस्तों की नक़ल न करें।

परीक्षा हॉल की रणनीति...

तैयारी कितनी भी अच्छी हो, परीक्षा के 3 घंटे ही आपका परिणाम तय करते हैं।

प्रश्नपत्र पढ़ें...

प्रश्नपत्र के दिशा-निर्देश ध्यान से पढ़ें। कई बार जल्दबाज़ी में छात्र 'और' को 'अथवा' समझ लेते हैं और पूरा प्रश्न पत्र हल करने से चूक जाते हैं। ऐसी ग़लतियों से बचें।

समय प्रबंधन...

जितना पूछा हो, उतना ही उत्तर दें। 2 अंक के प्रश्न में 2 पेज भरने से ज़्यादा अंक नहीं मिलेंगे। दूसरे प्रश्नों के लिए समय कम पड़ेगा। इसलिए घर पर परीक्षा के समय अनुसार टेस्ट दें।

कठिन पेपर का सामना...

अगर प्रश्नपत्र कठिन लगे, तो उसे दो चरणों में हल करें। पहले चरण में वो प्रश्न करें जो अच्छी तरह से आते हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। दूसरे चरण में कठिन प्रश्नों पर दिमाग़ लगाएं।

ख़ुद की सामग्री...

परीक्षा में लिखने के काम आने वाली सामग्री, जैसे- पेन, पेंसिल, रबर, स्केल आदि लेकर जाएं। दोस्तों के भरोसे न रहें। अतिरिक्त पेन हमेशा साथ रखें।

चित्र और प्रदर्शन...

प्रश्न के जवाब में ज़रूरत के अनुसार चित्र/डायग्राम और बिंदुओं का समावेश हो तो नंबर बढ़ जाते हैं। परीक्षक को कॉपी जांचने में जितनी आसानी होगी, अंक उतने अच्छे मिलेंगे।

महिलाओं को परिवार की ज़िम्मेदारियों को संभालने के अलावा ख़ुद का कॅरियर बनाना भी ज़रूरी है

बच्चे और परिवार ज़िंदगी का सबसे ख़ूबसूरत हिस्सा हैं। इन्हें सहेजना, निभाना और संभालना पहली प्राथमिकता होती है। लेकिन इन ज़िम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने के बाद जब आपके पास थोड़ी फुर्सत आती है तो अपनी पहचान, अपने सपनों और अपनी इच्छाओं को समय देने से हिचकें नहीं।

शादी होते ही एक लड़की की दुनिया अपने आप परिवार के इर्द-गिर्द घूमने लगती है। यह ज़रूरी भी है, चूंकि परिवार और बच्चों के प्रति भी उनकी ज़िम्मेदारी है। मगर एक समय के बाद जब लगे कि सबकुछ नियमित चलने लगा है, तब समय होता है ख़ुद के बारे में सोचने का। लेकिन अक्सर देखा गया है कि महिलाएं रोज़ाना की ज़िम्मेदारियों के भंवर में ख़ुद को खो देती हैं। वर्षों तक परिवार के लिए पूरी लगन से काम करती हैं, लेकिन इसी सफ़र में उनकी अपनी पहचान, महत्वाकांक्षाएं और सपने धीरे-धीरे पीछे छूटने लगते हैं। कितनी ही महिलाओं ने परिवार बढ़ने के साथ अपना कॅरियर पीछे छोड़ दिया तो कुछ ने कभी सोचा ही नहीं कि वे भी कोई मुकाम हासिल कर सकती हैं। भले कई ज़िम्मेदारियां हो, लेकिन अपने लिए समय निकालना और अपने पैरों पर खड़ा होना उतना ही ज़रूरी है।

काम करना इसलिए ज़रूरी है

आपको यह समझना होगा कि काम बस कमाई का ज़रिया नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और संपूर्णता का आधार भी है। यह आपको आर्थिक रूप से सक्षम बनाएगा, निर्णय लेने की क्षमता को मज़बूती देगा और मानसिक रूप से सक्रिय और उद्देश्यपूर्ण महसूस कराएगा। दुनिया में क्या चल रहा है, यह बाहर निकलकर ही समझ में आता है और आज के समय में यह बेहद महत्वपूर्ण है, ख़ासतौर पर बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए।

वक़्त है एक नई शुरुआत का

कई साल परिवार व बच्चों में व्यस्त रहने पर आप अपनी ज़रूरतें पीछे छोड़ देती हैं। कॅरियर की शुरुआत हो या वापसी, ख़ुद को दोबारा संवारना और अपनी पहचान बनाना बहुत ज़रूरी होता है

वॉर्डरोब में थोड़ा बदलाव ताज़गी व आत्मविश्वास देता है।

ख़ुद पर ध्यान देना यह याद दिलाता है कि आप भी महत्वपूर्ण हैं, आपका भी एक स्वतंत्र अस्तित्व है।

जब आप आईने में ख़ुद को बेहतर रूप में देखती हैं तो मन में नई शुरुआत का उत्साह और मज़बूत होता है।

घर से बाहर निकलने के लिए व्यक्तिगत तैयारी, कोई क्रैश कोर्स करें।

साक्षात्कार की तैयारी करें। पूछे जाने वाले सवाल बेहद पेचीदा हो सकते हैं, इसलिए वरिष्ठ के साथ बैठकर इसकी तैयारी कर सकती हैं।

फिर करें कोशिश

आपको अपने पेशे से दूर हुए काफ़ी वक़्त हो चुका है। आप जिस पेशे में थीं, इतने सालों में काफ़ी कुछ बदल चुका होगा, दुनिया आगे बढ़ चुकी होगी। इसलिए हो सकता है कि आप नौकरी में आए इस अंतराल को लेकर असुरक्षित महसूस करें या दूसरों को देखकर ख़ुद को कमतर समझें। ऐसा लगे कि इनका मुक़ाबला आप नहीं कर पाएगी। इसलिए शुरुआत करने से पहले ख़ुद को तैयार करना होगा।

जो महिलाएं पहले काम कर चुकी हैं, उनके लिए रिटर्नशिप प्रोग्राम बेहतरीन विकल्प है। ये 3-6 महीने के पेड प्रोग्राम्स होते हैं जिनमें प्रशिक्षण, मार्गदर्शक सहयोग और स्थायी नौकरी का मौक़ा मिलता है।

इसके अलावा कौशल नवीनीकरण प्रशिक्षण और नेटवर्किंग जैसे विकल्प कॅरियर को दोबारा गति दे सकते हैं।

पेशेवर सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल अपडेट करें, कॅरियर के विराम को छिपाने के बजाय ईमानदारी से बताएं कि इस दौरान आपने क्या सीखा।

पुराने सहकर्मियों से फिर जुड़ें, क्योंकि कई बार नौकरी संपर्कों से ही मिलती है।

फ्रीलांसिंग भी अच्छी है। अपनी शुरुआत छोटे प्रोजेक्ट्स से करें। धीरे-धीरे पोर्टफोलियो और आत्मविश्वास दोनों बढ़ेंगे। शुरुआत में पैसों से ज़्यादा महत्वपूर्ण है अनुभव जुटाना। जब आपका काम बोलेगा तो अवसर अपने आप मिलने लगेंगे।

अगर प्रयास पहली बार है तो...

अगर आपने कभी पेशेवर दुनिया में क़दम नहीं रखा है, तो यह स्वाभाविक है कि आपको आत्मविश्वास की कमी या आधुनिक कौशलों का अभाव महसूस हो। लेकिन आपने इस शुरुआत के बारे में सोचा है, यही विचार आपको आगे बढ़ने का हौसला देगा। बस शुरुआत योजना के साथ करें।

ख़ुद पर ध्यान देने के बाद एक स्पष्ट और व्यावहारिक योजना बनाएं। चाहे ऑनलाइन कोई छोटा कौशल सीखना हो, प्रतिदिन सिर्फ़ एक घंटा सीखने या अभ्यास के लिए निकालना हो, या घर से किसी छोटे काम की शुरुआत करनी हो, हर छोटा क़दम आपको बड़े लक्ष्य के क़रीब ले जाएगा।

सबसे पहले अपने रुझान को जानने की कोशिश करें, अपनी रुचि के कुछ विषय चुनें। उसके बाद छोटे क़दमों से शुरुआत करें।

डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, डेटा एंट्री, लेखन (कंटेंट राइटिंग) जैसे कौशल घर बैठे ऑनलाइन माध्यमों से सीखे जा सकते हैं। सोशल मीडिया वीडियो पर भी बेहतरीन मुफ़्त शिक्षण निर्देश मिल जाते हैं।

घर से कार्य संचालन में रुचि हो तो बेकिंग, टिफिन सेवा, कला प्रशिक्षण या कोचिंग पढ़ाने जैसे काम भी शुरू किए जा सकते हैं।

...छोटे व्यवसाय भी मदद करेंगे

अगर आपको बाग़वानी का शौक़ है तो छोटे-छोटे पौधे तैयार करके ई-कॉमर्स या सोशल मीडिया पर बेच सकती हैं।

हर्बल उत्पाद लोग पसंद करते हैं। यदि आप इन्हें बनाने की प्रक्रिया दिखाकर ऑनलाइन बेचेंगी, तो खरीदारों की दिलचस्पी बढ़ेगी।

सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर सिखा सकती हैं। सक्रिय रहने पर सब्सक्राइबर बढ़ते हैं और संख्या बढ़ने पर आय मिलती है।

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव की बढ़ी मुश्किलें कोर्ट ने आज सरेंडर करने का आदेश दिया

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट ने चेक बाउंस के आरोपों से जुड़े मामलों में सरेंडर करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह फैसला इस बात के बाद लिया है कि वे बार-बार अदालत द्वारा तय किए गए सेटलमेंट भुगतान की समयसीमा को भूलते रहे और दिये गये वादों का पालन नहीं किया।

क्या था मामला?

यह विवाद Section 138 के तहत दर्ज चेक बाउंस मामलों से जुड़ा है, जिसमें राजपाल यादव और उनकी पत्नी के खिलाफ एक कंपनी ने शिकायत की थी कि उन्होंने चेक के ज़रिये भुगतान नहीं किया। पहले उन्हें 6 महीने की सजा सुनाई गई थी, और बाद में हाईकोर्ट ने सजा को निलंबित कर दिया था ताकि वे समझौता कर सकें।

अदालत ने क्या कहा?

हाईकोर्ट ने कहा कि अदालत ने कई बार समय बढ़ाया और समझौते का मौका दिया, लेकिन बार-बार समयसीमा पार होने के बाद वे भुगतान नहीं कर पाए। अदालत ने उक्त भुगतान का भरोसा अब आगे नहीं रखने का निर्णय लिया। न्यायमूर्ति स्वराणा कांता शर्मा ने कहा कि ऐसे बार-बार वादे करने का तरीका अदालत की सहानुभूति का दुरुपयोग है और यह स्वीकार्य नहीं है।

क्या निर्देश दिए गए?

* अदालत ने पहले दिये गये संरक्षण आदेश को वापस ले लिया।

* कोर्ट ने कहा कि अब राजपाल यादव 4 फरवरी 2026 तक संबंधित जेल अधीक्षक के समक्ष सरेंडर करें।

* अदालत ने कहा कि जो राशि पहले जमा की गई थी, वह शिकायतकर्ता कंपनी को जारी की जाए।

* मुकदमे की अगली सुनवाई 5 फरवरी 2026 को होगी, जिसमें सभा के पालन की रिपोर्ट मांगी जाएगी।

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' में अक्षय कुमार की एंट्री
विलेन के किरदार में नजर आएंगे एक्टर, अजय देवगन से होगी टक्कर

बॉलीवुड की चर्चित कॉमेडी फ्रैंचाइज़ी 'गोलमाल' अब अपनी पांचवीं कड़ी के साथ दर्शकों के सामने आने वाली है और इस बार फिल्म में एक बड़ा ट्विस्ट देखने को मिलने वाला है। खबर आ रही है कि अक्षय कुमार ने 'गोलमाल 5' में मुख्य विलेन के रूप में एंट्री की है, जो अजय देवगन और उनकी टीम के खिलाफ स्क्रीन पर दो-दो हाथ करेंगे। मुख्य कलाकारों में अजय देवगन फिर से इस फ्रैंचाइज़ी के मुख्य किरदार के रूप में नजर आएंगे, साथ ही अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू और श्रेयस तलपड़े की वापसी भी तय है। इसके अलावा जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कलसेकर जैसे अनुभवी कलाकार भी इस लिस्ट में शामिल हैं। शरमन जोशी के वापस लौटने की संभावना है, जबकि करीना कपूर खान की मौजूदगी पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है।'गोलमाल 5' में अक्षय कुमार का विलेन के रूप में अभिनय इस फ्रैंचाइज़ी के लिए एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है, क्योंकि पहले इस सीरीज में मुख्य रूप से हल्के-फुल्के कॉमेडी ग्राफ पर ही फोकस रहा है। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में पारंपरिक ह्यूमर के साथ-साथ कुछ फैंटेसी एलिमेंट्स भी शामिल किए जाएंगे, जिससे इसे पहले से और भी बड़ा बनाया जा सके।फिल्म की शूटिंग फरवरी के अंत में मुंबई के फिल्म सिटी में शुरू होने की उम्मीद है और फिल्म को 2027 की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज करने का लक्ष्य रखा गया है।यह पांचवीं किस्त 'गोलमाल' फ्रैंचाइज़ी के 20 साल पूरे होने का जश्न भी है, क्योंकि पहली फिल्म 2006 में रिलीज हुई थी और उसके बाद सीरीज ने देशभर में बड़ी सफलता हासिल की है। बॉलीवुड में अक्षय कुमार और अजय देवगन की ऑन-स्क्रीन जुगलबंदी पहले भी कई फिल्मों में देखी जा चुकी है, जैसे 'सुहाग', 'खाकी', 'इंसान', 'सूर्यवंशी' और 'सिंघम अगेन' में दोनों ने साथ काम किया है, लेकिन 'गोलमाल 5' में उनका आमने-सामने आना दर्शकों के लिए एक नया सरप्राइज होगा।

धुरंधर-2 के लोकेशन मैनेजर पर मुंबई पुलिस ने की कार्रवाई, बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने पर एफआईआर दर्ज

मुंबई पुलिस ने फ़िल्म धुरंधर 2 के लोकेशन मैनेजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मैनेजर के खिलाफ साउथ मुंबई के हाई सिक्योरिटी इलाके में बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने का आरोप है।

बॉलीवुड फिल्म धुरंधर की चर्चा देश-विदेश में हो रही है। रणवीर सिंह, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, सारा अर्जुन समेत अनेक कलाकारों की इस फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है और कई रिकॉर्ड्स को धराशायी कर दिया है।

अब दर्शकों को धुरंधर-2 का इंतजार है। हालांकि, धुरंधर-2 की शूटिंग के दौरान की एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुलिस ने धुरंधर-2 के लोकेशन मैनेजर के खिलाफ कार्रवाई की है। आइए जानते हैं इस पूरे मामले के बारे में।

क्या है पूरा मामला?

मुंबई पुलिस ने फ़िल्म धुरंधर 2 के लोकेशन मैनेजर के खिलाफ साउथ मुंबई के हाई सिक्योरिटी वाले फोर्ट इलाके में बिना अनिवार्य अनुमति के ड्रोन उड़ाने का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, MRA मार्ग पुलिस स्टेशन ने 1 फरवरी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत रिंकू राजपाल वाल्मीकि के खिलाफ "अधिकारियों के वैध आदेशों की जानबूझकर अवज्ञा" करने के लिए एफआईआर दर्ज की है। पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक, एफआईआर में कहा गया है कि क्रू ने सीक्वेंस की शूटिंग के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया, लेकिन उनके पास कोई औपचारिक अनुमति नहीं थी।

शूटिंग के दौरान मौजूद थे संजय दत्त

जानकारी के अनुसार, इस शूटिंग के दौरान अभिनेता संजय दत्त के साथ पूरा क्रू 1 फरवरी को शूटिंग के लिए इकट्ठा हुआ था। यह इस शेड्यूल का तीसरा दिन था। 30 जनवरी से, ऐतिहासिक फोर्ट परिसर को नाटकीय रूप से पाकिस्तान की एक हलचल भरी पुरानी गली जैसा बनाया गया था। इस मामले से जुड़ा हुआ एक वीडियो भी वायरल हो रहा है।

कब आएगी धुरंधर-2?

आपको बता दें कि धुरंधर-2 फिल्म का टीजर 3 फरवरी को जारी कर दिया गया है। इस फिल्म को 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाएगा। फिल्म को निर्देशक आदित्य धर ने लिखा और निर्देशित किया है।

जेनेलिया-रितेश देशमुख ने एक-दूजे को दी शादी की 14वीं सालगिरह की बधाई

जेनेलिया देशमुख और रितेश देशमुख की आज शादी की सालगिरह है। इस खास मौके पर दोनों ने एक-दूजे पर जमकर प्यार बरसाया। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर दोनों ने एक-दूजे के लिए प्यारा नोट भी लिखा है। तो वहीं रितेश ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया है।

जेनेलिया ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी से लेकर हल्दी, सगाई तक की कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ ही जेनेलिया ने कैप्शन में लिखा, 'मैं तुमसे प्यार करती हूं आज, कल और हमेशा मेरे साथी।' इसके साथ ही जेनेलिया ने लाल दिल वाला इमोजी भी बनाया। जेनेलिया ने रितेश के लिए आगे लिखा, 'मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत अध्याय रहेगो। सालगिरह मुबारक हो रितेश।' राज कुंद्रा ने लिखा, 'सालगिरह मुबारक हो, आप दोनों साथ में बहुत प्यारे लगते हैं, हमेशा खुश रहें', संजय कपूर ने लिखा, 'सालगिरह मुबारक हो दोस्तों'।

रितेश का खास वीडियो

रितेश देशमुख ने इंस्टाग्राम पर जेनेलिया के साथ एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में रितेश शाहरुख खान की फिल्म 'दिल तो पागल है' का गाना 'चाक धूम धूम चाक धूम धूम' गाते नजर आ रहे हैं। रितेश इस गाने की लाइन अपने और जेनेलिया के लिए गाते हैं, 'आगे है बरसात, पीछे है तूफान...' ऐसा इसलिए क्योंकि रितेश ने अपने लिए बरसात और जेनेलिया के लिए तूफान कहा है।

रितेश देशमुख ने खास वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, '14 साल हो गए शादी को, ये वनवास कभी न खत्म हो. हैप्पी वाली एनिवर्सरी बायको (पत्नी)।' रितेश की इस पोस्ट पर सुनील शेट्टी ने लिखा, 'सालगिरह मुबारक हो दोस्तों', भाग्यश्री ने लिखा, 'शादी की सालगिरह मुबारक हो प्यारे जोड़े।'

अनिल कपूर ने बदला लुक, पहली बार सफेद बालों और मूछों में दिखे एक्टर

अनिल कपूर बॉलीवुड के उन एक्टर्स में से हैं, जो 69 साल की उम्र में भी बेहद फिट हैं। अभिनेता अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखते हैं। सोशल मीडिया पर वह अक्सर फैंस के साथ अपने फिटनेस वीडियो भी शेयर करते हैं। 69 साल के अनिल कपूर की फिजीक देखकर ऐसा लगता है मानो उनकी उम्र ठहर सी गई हो। अपनी किलर पर्सनैलिटी के साथ आज भी वह फैंस के दिलों पर राज करते हैं। इस बीच अनिल कपूर ने अपना नया लुक शेयर करके फैंस को हैरान कर दिया है। हाल ही में अनिल कपूर ने अपना नया लुक सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसे देखने के बाद अनिल कपूर के फैंस उनके नए लुक पर रिएक्ट करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं।

अनिल कपूर ने बदला लुक

अनिल कपूर ने हाल ही में जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वह सफेद बालों और मूछों में नजर आ रहे हैं और पोज दे रहे हैं। ये तस्वीर शेयर करते हुए अनिल कपूर ने कैप्शन में लिखा- 'कोई नहीं जानता.... आगे क्या होने वाला है।' उनके इस ग्रे लुक ने फैंस का दिल जीत लिया है। कई ने कमेंट करते हुए अनिल कपूर के बदले लुक पर प्रतिक्रिया दी। हालांकि, अनिल कपूर के फैंस इस मामले में थोड़ा बंटे हुए दिखे।

सोनम कपूर ने पापा के ट्रांसफॉर्मेशन पर दी प्रतिक्रिया

अनिल कपूर के ट्रांसफॉर्मेशन पर उनके फैंस ने फायर और हार्ट इमोजी पोस्ट के जरिए उनके नए लुक पर प्रतिक्रिया दी। सोनम कपूर ने भी पापा के ट्रांसफॉर्मेशन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने हार्ट और फायर इमोजी के जरिए उनके नए लुक की तारीफ की। दर्शन कुमार ने भी अनिल कपूर के नए लुक पर रिएक्शन दिया और लिखा- 'वाह, झक्कास!' अभिनेता सुधांशु पांडे, रितेश देशमुख और अनुपम खेर ने भी सुपरस्टार के झक्कास लुक की तारीफ की और वैभवी मर्चेंट ने भी कमेंट के जरिए बताया कि उन्हें अभिनेता का ये लुक बेहद पसंद आया।

क्या है अनिल कपूर के नए लुक के पीछे की वजह?

अनिल कपूर के इस लुक को देखने के कुछ यूजर्स का मानना है कि उनका ये नया लुक किसी अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए है। वहीं कुछ ने सवाल किया कि आखिर उन्होंने ये ग्रे लुक क्यों अपनाया है? अनिल कपूर ने किसी प्रोजेक्ट के चलते ये लुक अपनाया है या कोई और वजह है, फिलहाल इसे लेकर कोई अन्य जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन, एक बात तो है कि ग्रे लुक में भी अनिल कपूर बेहद हैंडसम लग रहे हैं। फैंस का तो ये भी कहना है कि अनिल कपूर हर लुक में ही झक्कास लगते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेता 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ नजर आए थे।

रश्मिका मंदाना ने वेडिंग अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी
वायरल खबर को गलत बताया, कहा-मीडिया में फैल रही बातें सिर्फ अफवाहें हैं

रश्मिका मंदाना और साउथ स्टार विजय देवरकोंडा को लेकर आज एक बड़ी खबर सोशल मीडिया पर 2 फरवरी को उदयपुर में शादी को लेकर वायरल हुई। वायरल वीडियो और इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद फैंस में यह खबर आग की तरह फैल गई कि यह कपल आज यानी 2 फरवरी 2026 को उदयपुर के सिटी पैलेस में सात फेरे ले रहा है।

रश्मिका मंदाना ने खुद इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी और साफ कहा कि 2 फरवरी को किसी भी शादी की योजना नहीं है। एक्ट्रेस ने इन रिपोर्ट्स को गलत बताया और कहा कि मीडिया में फैल रही बातें सिर्फ अफवाहें हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो, बनाया गया शादी तैयारियों का दावा

सोशल मीडिया पर एक इंस्टाग्राम वीडियो अचानक से वायरल हुआ जिसमें उदयपुर सिटी पैलेस की सजावट के वीडियो दिखाए गए। वीडियो में दो लड़कियों ने कैमरे के सामने फूलों, झाड़-बालियों, रंग-बिरंगे डेकोरेशन और शानदार सजावट से भरे पैलेस में शादी की तैयारियों का दावा किया। उन्होंने कहा कि यह वेडिंग डेकोरेशन रश्मिका और विजय देवरकोंडा के लिए है और आज शादी है।

वीडियो वायरल होते ही फैंस ने मान लिया कि लंबे समय से अफवाहों में रहते यह कपल आज शादी के बंधन में बंधने वाला है। कई स्थानीय सोशल टिप्पणी और चर्चा में यह दावा भी किया गया कि होटल और पैलेस प्रबंधन ने भी तैयारी को पुष्ट शादी बताया। लेकिन एक्ट्रेस ने इन रिपोर्ट्स को गलत बताया और कहा कि मीडिया में फैल रही बातें सिर्फ अफवाहें हैं।

इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि आज यानी 2 फरवरी को शादी नहीं है। रश्मिका की टीम द्वारा यह भी बताया गया कि दोनों अपनी पर्सनल लाइफ और इवेंट्स को लेकर मीडिया में बिना आधिकारिक जानकारी के कुछ भी स्वीकार या खारिज नहीं कर रहे।

नए डेट की चर्चा और संभावित समारोह

हालांकि रश्मिका ने 2 फरवरी वाले शादी वाले दावे को नकार दिया, लेकिन अब खबरें हैं कि कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शादी की असली तारीख 26 फरवरी 2026 हो सकती है। इस दिन को लेकर भी फिलहाल दोनों कलाकारों या उनके PR टीम ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी चर्चा है कि अगर शादी होती है तो यह एक डेस्टिनेशन वेडिंग होगी जिसमें सिर्फ करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक प्राइवेट समारोह शामिल होगा, उसके बाद हैदराबाद में ग्रैंड रिसेप्शन भी हो सकता है।

फैंस की प्रतिक्रियाएं और अफवाहों का असर

सोशल मीडिया पर फैंस के बीच यह खबरें दिन भर ट्रेंड करती रहीं। एक तरफ जहां कुछ फॉलोअर्स को लगता है कि यह अफवाह जल्द ही सही साबित होगी, वहीं कई लोग सही डेट जानने के लिए उत्सुक हैं और चाहते हैं कि दोनों सितारे जल्द ही अपने रिश्ते की वास्तविक स्थिति खुद बताएं।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के शादी को लेकर आज 2 फरवरी उदयपुर वेडिंग की अफवाहें गलत साबित हुई हैं, जिसे रश्मिका ने स्पष्ट रूप से खारिज किया है। जबकि शादी की भविष्य की तारीख और कार्यक्रम को लेकर चर्चाएं जारी हैं, फिलहाल कोई आधिकारिक और सुनिश्चित दिनांक घोषित नहीं हुई है।

क्या रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' में हुई यामी गौतम की एंट्री?

'धुरंधरः द रिवेंज' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, लेकिन लोगों ने इसकी काफी आलोचना की, क्योंकि इसमें पहले भाग के क्लाइमेक्स सीन ही ज्यादा दिखाए गए हैं। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार 'धुरंधर' के सीक्वल में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं?

यामी गौतम 'धुरंधरः द रिवेंज' में एक खास कैमियो रोल में नजर आएंगी। उनका किरदार एक्शन से भरपूर और कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। यामी ने इस रोल के लिए लगभग 5 दिन की शूटिंग की है। हालांकि ये कैमियो है, लेकिन ये इतना खास और सरप्राइज़िंग होगा कि दर्शक चौंक जाएंगे। यामी ने 'काबिल', 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक', 'ए थर्सडे', 'आर्टिकल 370', 'बाला' जैसी फिल्मों में दमदार रोल के अलावा हाल ही में 'हक' में भी सराहना बटोरी है।

'तुम्हें हीरोइन का रोल नहीं मिलेगा', नीना गुप्ता ने बेटी मसाबा को एक्ट्रेस बनने से किया था मना

अभिनेत्री नीना गुप्ता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वध 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटीं नीना गुप्ता ने हाल ही में बताया कि एक समय उनकी बेटी मसाबा गुप्ता भी अभिनेत्री बनना चाहती थीं। लेकिन नीना ने मसाबा को इंडस्ट्री के बारे में कुछ ऐसा बता दिया और उन्हें एक्ट्रेस बनने के सपने देखने से मना कर दिया। हालांकि, बाद में मसाबा का काम देखकर नीना खुद हैरान रह गईं।

नीना गुप्ता ने मसाबा को हीरोइन बनने से रोका

नीना ने मसाबा को बॉलीवुड में मुख्य अभिनेत्री बनने की ख्वाहिशों को याद किया। नीना ने बताया कि यह उसका फैसला नहीं था। बस हो गया। हालात ऐसे थे। मसाबा अपने आसपास के लोगों से प्रभावित थीं, जो इसी तरह की महत्वाकांक्षाएं रखते थे। मैंने उससे कहा, देखो तुम्हारा चेहरा ऐसा है, तुम्हारा शरीर ऐसा है। तुम्हें किसी हिंदी फिल्म की हीरोइन का रोल नहीं मिलेगा, क्योंकि तुम वैसी नहीं दिखती हो। यह सच है। तुम उस दौर की किसी हिंदी फिल्म की हीरोइन जैसी नहीं दिखती हो।

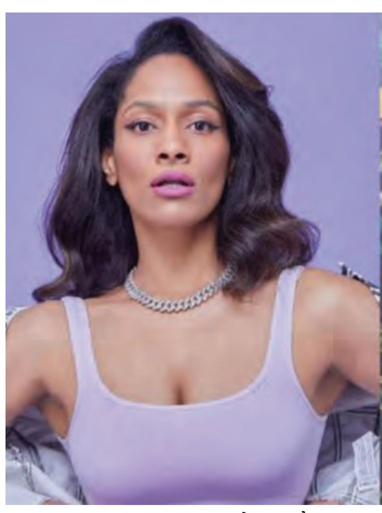

मसाबा को एक्टिंग सीखने के लिए किया प्रोत्साहित

नीना गुप्ता ने बताया कि उन्होंने मसाबा को प्रोफेशनल एक्टिंग ट्रेनिंग लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कैरेक्टर वाले किरदार करने के लिए प्रोत्साहित किया। नीना की यह सलाह तब निर्णायक साबित हुई जब मसाबा ने नेटफ्लिक्स की सीरीज 'मसाबा मसाबा' से अभिनय की शुरुआत की। इसमें उन्होंने अपनी मां के साथ खुद के एक काल्पनिक संस्करण की भूमिका निभाई।

मसाबा की एक्टिंग देख भावुक हुईं नीना

नीना ने स्वीकार किया कि बेटी के अभिनय से वह बेहद भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उसका अभिनय देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए। वह बहुत अच्छी अभिनेत्री है।

उसका अभिनय बेहद स्वाभाविक है। मैं दंग रह गई। वह बिल्कुल एक पेशेवर की तरह थी। अपने डेब्यू के बाद मसाबा ने प्राइम वीडियो की एंथोलॉजी 'मॉडर्न लवः मुंबई' में एक सेगमेंट के साथ अपने अभिनय करियर को और आगे बढ़ाया। पिछले साल उन्होंने 'केसरी चैप्टर 2' में एक डांस नंबर भी किया था। इसके अलावा वो मशहूर फैशन डिजाइनर तो हैं ही।

6 फरवरी को रिलीज होगी 'वध 2'

नीना गुप्ता जल्द ही 'वध 2' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ संजय मिश्रा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। यह क्राइम थ्रिलर 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का लोगों को इंतजार बना हुआ है।

'लोग तो दूसरों की बुराई करते हैं', रकुल प्रीत ने खोली बॉलीवुड में पेड पीआर की पोल; उठाया बड़ा सवाल

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में चल रहे पेड पीआर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने पीआर कल्चर की भी असलियत के बारे में बात की। रकुल ने उन अभिनेताओं के बारे में भी बात की जो अपने काम की वजह से नहीं बल्कि पर्दे के पीछे होने वाले प्रचार की वजह से चर्चा में रहते हैं।

हम सभी को थोड़ा पीआर करना पड़ता है

रकुल प्रीत सिंह ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पैसे लेकर की जाने वाली पीआर पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि लोग ऐसा क्यों करते हैं। रकुल ने कहा कि हम सभी को थोड़ा-बहुत पीआर करना पड़ता है। हमें अपनी उपस्थिति दर्ज करानी पड़ती है। कुछ लोग तो दूसरों की बुराई करने तक चले जाते हैं। मेरा मतलब है, जीवन में आप कितने नकारात्मक हो सकते हैं? आप खुद से कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? मेरा सबसे बड़ा सवाल यही है। मुझे लगता है कि अच्छे कर्मों का फल अच्छा ही मिलता है। अच्छा कर्म करने से ही फल मिलता है। मैं इसी सोच की हूं। मेरा दिमाग स्वाभाविक रूप से पीआर पर नहीं चलता।

पैपराजी को लेकर भी की बात

अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें पैपराजी द्वारा तस्वीरें खींचे जाने की चिंता नहीं है। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरी मां कभी-कभी मुझे फोन करके पूछती हैं, 'तुमने क्या पहना है? इस महीने पांचवीं बार तुम्हारी उसी जींस में तस्वीर खींची गई है।' तो लोग जब भी बाहर जाते हैं तो अच्छा दिखने की कोशिश करते हैं। पैपराजी यहां कैसे आ जाते हैं? कभी आप सजे-धजे होते हैं और कभी नहीं। यह ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खुद पर इतना दबाव मत डालो।

'रामायण' के अलावा इन फिल्मों का हिस्सा हैं रकुल

वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आई थीं।

वहीं उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में 'पति पत्नी और वो दो' है, जिसमें आयुष्मान खुराना और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा वह कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 3' में भी हैं। वहीं रकुल नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित मल्टीस्टारर मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का भी हिस्सा हैं। रणबीर कपूर की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में रकुल सूर्पनखा की भूमिका में नजर आएंगी। दो पार्ट में बनने वाली इस फिल्म का पहला पार्ट दिवाली 2026 पर रिलीज होना है।

शराब घोटाला: लखमा को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा, सिर्फ पेशी के लिए आएंगे, भूपेश बोले– सत्य की जीत हुई

रायपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) से जुड़े मामलों में उन्हें अंतरिम जमानत मंजूर की गई है। जमानत की शर्तों के तहत लखमा को छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा, हालांकि कोर्ट में पेशी के दौरान वे छत्तीसगढ़ आ सकेंगे।

इसके अलावा उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और अपना वर्तमान पता और मोबाइल नंबर संबंधित पुलिस थाने में दर्ज कराना अनिवार्य होगा। एडवोकेट हर्षवर्धन परगनिहा ने सुप्रीम कोर्ट में कवासी लखमा का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि इस मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में करीब ढाई घंटे सुनवाई हुई।

ईडी ने कवासी लखमा को 15 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने रिमांड पर उनसे 7 दिन पूछताछ की थी। इसके बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। उसके बाद से ही कवासी लखमा रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। बता दें कि 2 महीने पहले कांग्रेस ने जेल में बंद कवासी लखमा के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया था।

वहीं लखमा को अंतरिम जमानत मिलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कवासी लखमा को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत ने एक बार फिर इस बात को दर्ज किया है कि सत्य की लड़ाई में संघर्ष का सामना करना पड़ता है, लेकिन जीत सत्य की ही होती है।

3 महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कड़ी फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से पूछा कि ऐसी कौन-सी जांच बची है, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस जांच को पूरा करने के लिए कितने समय की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ईडी से पूछा कि एक तरफ कहते हो कि शराब घोटाले के आरोपियों को बेल नहीं देनी है, दूसरी तरफ कहते हो कि हम जांच कर रहे हैं। तो ऐसी कौन-सी जांच है, जो अभी तक चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को आदेश दिया है कि जांच अधिकारी अपना पर्सनल एफिडेविट दाखिल करें, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ अभी कौन-सी जांच चल रही है। इस जांच को पूरा करने के लिए कितने समय की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट से पूर्व मंत्री एवं कोंटा विधायक कवासी लखमा को जमानत मिलने पर जिला मुख्यालय बीजापुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर खुशी मनाई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे सत्य की जीत बताते हुए कहा कि सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता, साथ ही आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने राजनीतिक दुर्भावना के तहत कवासी लखमा को लंबे समय तक जेल में रखा।

तनिष्क ज्वेलर्स लूट प्रयास में दो अपराधी गिरफ्तार

बिहार के बेगूसराय से दबोचे गए, पूछताछ में कबूला जुर्म हथियार और मोबाइल बरामद

बोकारो, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बोकारो के सिटी सेंटर स्थित तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में 11 जनवरी 2026 को हुई लूट के प्रयास की घटना में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में सेक्टर-4 थाना में 12 जनवरी 2026 को अज्ञात अपराधियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास के साक्ष्यों को खंगालते हुए आरोपियों की पहचान की और 2 फरवरी 2026 को बेगूसराय, बिहार से दोनों संदिग्धों को हिरासत में लिया। इसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए बोकारो लाया गया। बोकारो लाकर की गई सघन पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में लूट के प्रयास में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

घर से चल रहा था गांजे का कारोबार

सगे भाइयों को पुलिस ने रंगेहाथ दबोचा पलंग पर बैठकर बना रहे थे गांजे की पुड़िया

गोड्डा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। गोड्डा जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। मेहरमा थाना क्षेत्र के अमजोरा पिरोजपुर गांव में पुलिस ने छापेमारी कर डेढ़ लाख रुपए मूल्य के अवैध गांजे के साथ दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 2 फरवरी को गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार को सूचना मिली थी कि ग्राम अमजोरा पिरोजपुर निवासी कमल कुमार उर्फ कोको साह और राजेश कुमार, दोनों स्वर्गीय नंदकिशोर साह के पुत्र, अपने घर से ही गांजे की खरीद-बिक्री का अवैध धंधा चला रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

छापेमारी दल ने सूचना का सत्यापन करते हुए अमजोरा पिरोजपुर स्थित दोनों आरोपियों के घर पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी घबराने लगे, लेकिन टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पाया कि दोनों भाई घर के अंदर पलंग पर बैठकर गांजे की पुड़िया बना रहे थे। पुलिस ने मौके से 8.940 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से घर से ही गांजे का कारोबार कर रहे थे और आसपास के इलाकों में इसकी सप्लाई की जाती थी।

पुलिस ने गांजे के साथ-साथ उसके कारोबार में इस्तेमाल होने वाले कई सामान भी जब्त किए हैं। बरामद सामग्री में मोटोरोला कंपनी का एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन, चार नापतौल मशीन, एक हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल, छोटे पैकेट बनाने के लिए काले रंग का प्लास्टिक, परफेक्ट कंपनी के एक डिब्बे में बंद रोल और 23 खुले रोल, एक भूरे रंग का सेलो टेप और एक सफेद रंग का सेलो टेप शामिल है। महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में अवैध गांजे के साथ पूरा नेटवर्क सामने आया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लाया जाता था और किन-किन लोगों तक इसकी आपूर्ति की जाती थी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

उत्तराखंड के जिम ट्रेनर को मंत्री इरफान करेंगे सम्मानित

2 लाख देने का किया ऐलान, नफरत की राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा

रांची, 3 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के कोटद्वार के रहने वाले जिम ट्रेनर दीपक कुमार के मैं दीपक हूं, मैं दीपक मोहम्मद हूं, वाले विवादित वायरल वीडियो के बीच झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने ऐलान किया कि वे अपने चार महीनों के वेतन में से 2,00,000 दीपक को देंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इरफान अंसारी ने लिखा कि राशि भले ही छोटी हो, लेकिन यह दीपक के हौसले को सलाम है। उनके मनोबल को मजबूती देगी। यह एक साफ संदेश है कि हिंदुस्तान की आत्मा नफरत नहीं, बल्कि मोहब्बत है।

इतना ही नहीं, डॉ इरफान अंसारी ने यह भी घोषणा की कि जल्द ही दीपक को झारखंड बुलाया जाएगा। स्वयं अपने हाथों उन्हें सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस सोच का होगा जो देश को जोड़ती है, तोड़ती नहीं।

उन्होंने कहा कि दीपक ने जो किया, वह कोई मामूली घटना नहीं, बल्कि गंगा-जमुनी तहजीब की एक गहरी और ऐतिहासिक लकीर है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी।

उन्होंने कहा जब दीपक खुलेआम कहता है- मैं दीपक मोहम्मद हूँ, तो यही इस देश की असली खूबसूरती सामने आती है। नफरत फैलाकर राजनीति की रोटी सेंकने वालों के मुंह पर यह करारा तमाचा है।

घटना का जिक्र करते हुए डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि जिस तरह बजरंग दल के कुछ लोगों ने एक गरीब कपड़ा बेचने वाले पर हमला किया, उस वक्त दीपक ने आगे बढ़कर एक मुस्लिम बुजुर्ग की जान बचाई।

डॉ इरफान अंसारी ने अपने पोस्ट में लिखा है कि सच्चे हिंदुस्तानी के खून में नफरत नहीं होती। सच्चा हिंदुस्तानी मोहब्बत करता है। अपनों से मोहब्बत करता है। मोहब्बत का पैगाम फैलाता है। आज दीपक पूरे देश के लिए एक संदेश हैं। हिंदी हैं हम, हिंदुस्तान हमारा और मोहब्बत हमारी पहचान। मैं दीपक को सैल्यूट करता हूं।

कौन हैं भावना बोहरा, जो पैर पखारकर करा चुकीं 265 आदिवासियों की घरवापसी

रायपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में हिंदू धर्मवापसी का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 65 आदिवासी महिला-पुरुषों ने सनातन धर्म में वापसी की। कार्यक्रम पंडरिया विधानसभा वनांचल गांव दमगढ़ में पंडरिया विधायक भावना बोहरा की पहल पर हुआ, जिसके तहत अब तक कुल 265 लोगों की वापसी कराई जा चुकी है। आयोजकों के अनुसार, यह धर्मवापसी पूरी तरह स्वेच्छा से हुई है और इसका उद्देश्य अपने मूल धर्म में लौटने वाले परिवारों को सम्मान और सामाजिक स्वीकार्यता देना है।

पूरी तरह स्वेच्छा से हुई धर्मवापसी

आयोजकों ने स्पष्ट किया कि धर्मवापसी पूरी तरह से स्वेच्छा से हुई है। इसका मुख्य उद्देश्य उन परिवारों को सम्मान और सामाजिक स्वीकार्यता प्रदान करना है जो अपने मूल धर्म में लौट रहे हैं। धर्मवापसी करने वाले आदिवासी परिवारों का पारंपरिक रीति-रिवाजों और विधि-विधान के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विधायक भावना बोहरा ने स्वयं लोगों के पैर पखारकर उनका सम्मान किया। उन्होंने धर्मवापसी करने वाले लोगों को उपहार भी भेंट किए।

धर्मवापसी करने वाले लोगों ने अपने पहले धर्म परिवर्तन के कारणों को साझा किया। उन्होंने बताया कि बीमारी, आर्थिक परेशानी और कठिन परिस्थितियों के कारण उन्होंने पहले दूसरे धर्म को अपनाया था। अब सही जानकारी मिलने और स्थानीय प्रयासों के चलते वे अपने मूल सनातन धर्म में लौट आए हैं। इस वापसी से उन्हें मानसिक शांति और संतोष की अनुभूति हुई है।

स्थानीय लोगों ने आदिवासी इलाकों में मिशनरी गतिविधियों को लेकर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की कमी का फायदा उठाकर लंबे समय से धर्मांतरण का कार्य चल रहा है। बीमारी ठीक करने और आर्थिक मदद जैसे वादों के जरिए लोगों को बहकाया जाता रहा है।

भावना बोहरा कबीरधाम जिले के पंडरिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में पहली बार बीजेपी के टिकट पर जीत हासिल की। वह आदिवासी बाहुल्य इलाकों में धर्म परिवर्तन कर चुके लोगों की घर वापसी कराने के मिशन पर सक्रिय हैं।

छत्तीसगढ़ की वह सबसे अमीर विधायक हैं। 2023 के चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनकी संपत्ति 33 करोड़ रुपए से अधिक है, जबकि देनदारी छह करोड़ रुपए से अधिक है।

सड़क हादसे में एक की मौत

पाकुड़, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पाकुड़ के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत रणडांगा गांव के पास सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान इलामी पंचायत निवासी इमरान शेख के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार इमरान अपनी मोटरसाइकिल से पाकुड़ शहर की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान इशाकपुर पंचायत स्थित रणडांगा गांव के समीप इलामी–पाकुड़ मुख्य सड़क पर विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इमरान सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए।

जेएमएम स्थापना दिवस पर रोने लगे सीएम हेमंत सोरेन

दिशोम गुरु को याद कर निकले आंसू

दुमका, 3 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड की उपराजधानी दुमका के गांधी मैदान में झामुमो की ओर से पार्टी का 47 वां स्थापना दिवस मनाया गया। देर रात तक चली रैली में संताल परगना प्रमंडल के सुदूरवर्ती इलाकों से भारी तादाद में पारंपरिक ढोल नगाड़े और तीर-धनुष के साथ जेएमएम समर्थक पहुंचे। इस दौरान दिशोम गुरु शिबू सोरेन को याद कर मुख्यमंत्री सह जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन के आंखों में आंसू आ गए।

जेएमएम की ओर से आयोजित झारखंड दिवस को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन कुछ क्षण के लिये भावुक भी हो गये। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु के नेतृत्व में आम जनों की एकजुटता और लम्बे संघर्ष की बदौलत वर्षों से शोषित वंचित लोगों को अपना हक व अधिकार मिला है। यह एकजुटता ही इस राज्य की ताकत है। यह कभी कमजोर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु ने हमें जो राह दिखाया है उस पर हमें गर्व है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि आजादी के पूर्व हमारे पूर्वज गोली और लाठी-डंडे से मार खाने को मजबूर थे, लेकिन अब झारखंड सरकार की पहल पर इस राज्य का बेटा विदेशों में अंग्रेजों के बगल में बैठकर अध्ययन कर रहा है और दुनिया के सबसे बड़े वैश्विक मंच पर आपका एक आदिवासी नौजवान बेटा इस राज्य का प्रतिनिधित्व करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के हाल के बजट पर कटाक्ष करते हुए कहा कि समूचे देश का 42 प्रतिशत खनिज संपदा झारखंड में है लेकिन केन्द्र बजट में इस राज्य का नाम तक नहीं लिया जाना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि झारखंड आर्थिक,बौद्धिक रूप से भले ही कमजोर रहा हो, लेकिन राज्य के लोग सामंती विचारधारा वाले दलों की चतुर चालाक चाल को भली भांति समझते हैं। अब इस राज्य के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जायेगा। अपना हक और अधिकार पाने के लिये अब हम न सिर्फ जमीन पर संघर्ष करेंगे बल्कि कानून का सहारा लेने के लिये भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम झारखंड वासी केन्द्र सरकार के हर चाल को समझते हैं और उसका मजबूती से जबाब भी देना जानते हैं।

कमिश्नर ऑफिस पहुंचे कांग्रेसी, बोले-रायपुर में बढ़ा क्राइम का ग्राफ

शहर में डर–भय का माहौल, अपराध कम नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

रायपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में लगातार बढ़ते अपराध और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। शहर और ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेसी नेताओं ने आरोप लगाया कि रायपुर में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। जिससे आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि, रायपुर शहर और ग्रामीण अंचलों में हत्या, लूट, मारपीट, छेड़छाड़, बलात्कार, चाकूबाजी जैसी गंभीर घटनाओं में लगातार इजाफा होने का आरोप लगाया है। हालात ऐसे हैं कि छात्र, युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और व्यापारी वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पुलिसिंग कमजोर होने का सीधा असर आम जनता की सुरक्षा पर पड़ रहा है। ज्ञापन में लिखा है कि, अवैध सट्टा, ऑनलाइन जुआ, नशे और अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। कई थानों में पुलिस बल की कमी, लापरवाही और उदासीन रवैये के चलते अपराध नियंत्रण पूरी तरह विफल होता नजर आ रहा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जनता से चालान के नाम पर अनावश्यक वसूली की जा रही है, जबकि अपराध रोकने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि, यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो कानून व्यवस्था से जुड़ी गंभीर घटनाओं के लिए पुलिस और जिला प्रशासन जिम्मेदार होंगे और कांग्रेस पार्टी जनहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस दौरान शहर अध्यक्ष कुमार शंकर मेनन, ग्रामीण अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, छाया वर्मा, प्रमोद दुबे, कुलदीप जुनेजा, विकास उपाध्याय, सुबोध हरितवाल, एजाज ढेबर, प्रमोद चौबे, संजय पाठक, आकाश शर्मा, नंदलाल देवांगन, आकाश तिवारी, जी श्रीनिवास, बंशी कन्नौजे और संदीप तिवारी मौजूद रहे।

433 कार्टून अवैध शराब, 8 लाख नकद बरामद

बोकारो, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बोकारो जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब, 8 लाख रुपये नकद और अन्य सामग्री बरामद की है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक बोकारो को गुप्त सूचना मिली थी कि बोकारो की ओर से आ रहे एक ट्रक में अवैध शराब की बड़ी खेप लाई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसपी के निर्देश पर बालीडीह थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। इसके बाद पूरी योजना के तहत ट्रक की निगरानी शुरू की गई और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई।

418 कार्टून शराब, दो वाहन और नकदी जब्त

2 फरवरी 2026 की रात छापामारी दल ने बालीडीह थाना क्षेत्र में संदिग्ध ट्रक को रोका और उसकी सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक से 418 कार्टून अवैध विदेशी शराब और 15 पेटी एएनपी प्रीमियम व्हिस्की बरामद की गई।

इसके अलावा मौके से 8 लाख रुपए नकद भी जब्त किए गए, जिसे अवैध शराब बिक्री से जुड़ा बताया जा रहा है।

पुलिस ने एक पिकअप वाहन (संख्या JH01EZ-2272) और एक हाईवा ट्रक (संख्या JH09AY-3875) को भी जब्त किया है। मौके से बालीडीह थाना क्षेत्र निवासी विनोद गोस्वामी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में शराब की तस्करी में इनके संलिप्त होने की पुष्टि हुई है।

पुलिस ने इस मामले में बालीडीह थाना कांड संख्या 130/2026, दिनांक 03 फरवरी 2026 के तहत झारखंड उत्पाद अधिनियम 2015 की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और इनके खिलाफ पहले भी उत्पाद अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं।

अवैध संतान भी पिता से गुजारा-भत्ता पाने का हकदार

बिलासपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के विवाद केस में पति की याचिका को खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस की सिंगल बेंच ने अपने आदेश में कहा कि, सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अवैध संतान भी अपने पिता से भरण-पोषण पाने का हकदार है। सिंगल बेंच ने कहा कि, इस कानून का मुख्य उद्देश्य समाज में बेसहारा होने और दर-दर भटकने की स्थिति को रोकना है।

दरअसल, बेमेतरा जिला निवासी युवक की शादी 22 अप्रैल 2016 को हुई थी। शादी के बाद गौना की रस्म 18 मई 2016 को हुई। जिसके बाद पत्नी अपने ससुराल आई। लेकिन, गौना के महज पांच महीने के भीतर ही 22 अक्टूबर 2016 को पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया। इस पर पति ने आरोप लगाया कि, गौना से पहले उनके बीच कोई शारीरिक संबंध नहीं बने थे, इसलिए वह बच्चा उसका नहीं है।

इसी विवाद के चलते उसने अपनी पत्नी से रिश्ता तोड़ दिया। जिसके बाद पत्नी ने भरण-पोषण के लिए फैमिली कोर्ट में अर्जी लगाई। इस पर फैमिली कोर्ट ने पति को अपनी पत्नी और बच्चे को भरण पोषण देने का आदेश दिया था। वहीं, पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में अर्जी लगाई। इस मामले में फैमिली कोर्ट ने माना था कि पत्नी शादी से पहले ही किसी अन्य व्यक्ति से गर्भवती हुई थी। फैमिली कोर्ट ने इसे क्रूरता ठहराते हुए पति के पक्ष में तलाक की डिक्री जारी की थी। इस फैसले के आधार पर पति ने सीआरपीसी की धारा 127 के तहत भरण-पोषण बंद करने की मांग की थी। फैमिली कोर्ट ने पत्नी का भरण-पोषण तो बंद कर दिया, लेकिन बच्चे के लिए हर महीने 1 हजार रुपए मासिक भत्ता जारी रखने का आदेश दिया। पति ने फैमिली कोर्ट के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अपील में उसने कहा कि जब यह साबित हो चुका है कि वह बच्चा उसका जैविक पुत्र नहीं है, तो वह उसे गुजारा भत्ता क्यों दे? हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए पति के तर्कों को खारिज कर दिया।

2.50 लाख को 2.50 करोड़ बना दूंगा, कहकर ठगी की

बिलासपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के रतनपुर थाना इलाके में तांत्रिक ने 2.50 लाख को पैसों की बारिश कर 2.50 करोड़ बनाने का झांसा दिया। दो पुरुष और तीन महिलाओं ने खुद को पंडित और तांत्रिक बताकर लोगों को भरोसे में लिया। उन्हें बिल्हा बुलाया, जहां आरोपियों ने 'पैसों की बारिश' का नाटक रचा और उनसे ढाई लाख रुपए ठग लिए।

पैसों की बारिश करते हुए एक वीडियो भी सामने आया है। पैसे ठगी कर भाग रहे आरोपियों को पीड़ितों ने बदला लेने के लिए बिल्हा थाना इलाके में पकड़ लिया। नेशनल हाईवे-130 पर लोगों ने तांत्रिक से मारपीट कर उसकी कार, 8 हजार कैश और मोबाइल लूट लिए। अब पुलिस ने ठगी के मामले में 5 आरोपी और लूट के मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल रतनपुर और बिल्हा पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, दो पुरुष और तीन महिलाओं ने खुद को पंडित और तांत्रिक बताकर लोगों को अपने भरोसे में लिया। इनका दावा था कि, विशेष पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र से ढाई लाख रुपए को ढाई करोड़ रुपए में बदला जा सकता है। इसी झांसे में आकर पीड़ितों को 30 जनवरी को बिल्हा बुलाया गया, जहां आरोपियों ने 'पैसों की बारिश' का नाटक रचा और उनसे ढाई लाख रुपए ठग लिए।

डॉलर के मुकाबले रुपया 129 पैसे मजबूत, 90.20 पर आया

यह 3 साल में सबसे बड़ी बढ़त, 2025 में सबसे कमजोर एशियाई करेंसी हो गया था

मुंबई,3 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय रुपया मंगलवार (3 फरवरी) को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 साल की सबसे बड़ी बढ़त के साथ 90.20 के स्तर पर ओपन हुआ। यह तेजी अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील के ऐलान के कारण हुई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय सामानों पर टैरिफ को 50% से घटाकर 18% कर दिया है।

हालांकि आरबीआई के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपया 90.45 पर बंद हुआ। इससे पहले 2025 में रुपया करीब 5% तक टूटकर एशिया की सबसे कमजोर करेंसी बन गया था। जनवरी 2026 में ही इसमें 2% की गिरावट दर्ज की गई थी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार निकासी ने रुपए पर दबाव बना रखा था। हालांकि, मंगलवार को ओपनिंग में रुपए ने वापसी करते हुए 91.49 के पिछले क्लोज के मुकाबले 129 पैसे की मजबूती दर्ज की।रुपए में आई इस तेजी के पीछे भारत और अमेरिका के बीच हुआ 'गिव एंड टेक' समझौता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बताया कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और इसके बदले अमेरिका व वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। इसके अलावा, भारत ने अगले कुछ वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर (करीब 45 लाख करोड़ रुपए) की एनर्जी, टेक्नोलॉजी और कृषि उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इस ऐलान ने उस अनिश्चितता को खत्म कर दिया है जो पिछले साल अगस्त में अमेरिका के टैरिफ के बाद से बनी हुई थी। एक्स्पर्ट्स का मानना है कि रुपए में यह तेजी अभी और जारी रह सकती है। मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के अनुसार, निर्यात बढ़ने की उम्मीद से रुपए की मांग में और इजाफा होगा। शॉर्ट टर्म में रुपया 89.50 से 89.00 के स्तर पर जा सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के करेंसी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी का कहना है कि टैरिफ में कटौती से रुपए के लिए मजबूती के रास्ते खुल गए हैं, लेकिन यह इस पर भी निर्भर करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक किस स्तर पर हस्तक्षेप करता है।डॉलर की तुलना में किसी भी अन्य करेंसी की वैल्यू घटे तो उसे मुद्रा का गिरना, टूटना, कमजोर होना कहते हैं। अंग्रेजी में करेंसी डेप्रिसिएशन कहते हैं। हर देश के पास फॉरेन करेंसी रिजर्व होता है, जिससे वह इंटरनेशनल ट्रांजैक्शन करता है।

चावल के रिकार्ड उत्पादन के बीच अमेरिका से आई इस 'पॉजिटिव' खबर से उत्साह में निर्यातक

नई दिल्ली,3 फरवरी (एजेंसियां)। आपको पता ही होगा कि इस साल भारत में चावल का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। इस बीच, अमेरिका से भारतीय चावल पर लगने वाले 50 फीसदी के टैरिफ के घट कर 18 फीसदी करने की खबर आ गई है। इससे भारतीय चावल निर्यातक उत्साहित हैं। उनका कहना है कि अब भारतीय चावल निर्यातक थाईलैंड और पाकिस्तान जैसे देशों के निर्यातकों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे।

लग रहा था भारी शुल्क

भारतीय चावल निर्यातक महासंघ के अध्यक्ष प्रेम गर्ग का कहना है कि इस समझौते से भारतीय चावल निर्यातकों को अमेरिका के बाजार में बड़ी राहत मिली है। अब भारत के चावल को थाईलैंड और पाकिस्तान जैसे देशों के बराबर ही अमेरिका में निर्यात किया जा सकेगा। आईआरईएफ के मुताबिक, अमेरिका ने भारतीय चावल पर लगने वाले 50% ड्यूटी को घटाकर 18% कर दिया है। यह एक बहुत बड़ी राहत है, क्योंकि इससे पहले भारतीय चावल पर भारी शुल्क लगता था। अब यह शुल्क लगभग उतना ही हो गया है जितना थाईलैंड और पाकिस्तान जैसे देशों के चावल पर लगता है। उन देशों पर लगने वाली ड्यूटी करीब 19 फीसदी है।

हमारे पास अच्छी उपलब्धता

प्रेम गर्ग का कहना है, यह भारतीय चावल निर्यातकों के लिए एक बहुत अच्छी खबर है। खासकर तब, जब भारत रिकॉर्ड 149 मिलियन टन चावल उत्पादन के युग में प्रवेश कर रहा है। हमारे पास अच्छी उपलब्धता है और घरेलू बाजार भी मजबूत है। उन्होंने आगे कहा, भारतीय कृषि उत्पाद दुनिया की सप्लाई चेन में हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। हाल के शिपमेंट पैटर्न से पता चलता है कि भारी शुल्क लगने के बावजूद भी इनकी मांग बनी हुई है।

बढ़े शुल्क पर भी बढ़ा था निर्यात

महासंघ ने यह भी बताया कि अमेरिका को होने वाले भारतीय चावलों का निर्यात तब भी बढ़ा था, जब उस पर लगने वाले शुल्क को 10 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया गया था। आईआरईएफ का कहना है कि इससे यह पता चलता है कि अमेरिकी खरीदार और उपभोक्ता भारतीय चावल को बहुत पसंद करते हैं। आईआरईएफ का मानना है कि भारत की चावल निर्यात में प्रतिस्पर्धात्मकता बहुत मजबूत है। शुल्क में समानता आने से निर्यात की मात्रा बढ़ेगी और कीमतों में भी सुधार होगा।

बिक्री बढ़ेगी

महासंघ ने कहा है कि शुल्क में यह बदलाव भारतीय चावल की अमेरिका में कीमत को और बेहतर बनाएगा। इससे बासमती और गैर-बासमती, दोनों तरह के चावलों की बिक्री बढ़ेगी। इससे भारत अमेरिका में अपनी बाजार हिस्सेदारी को बचा सकेगा और बढ़ा सकेगा। साथ ही, दूसरे देशों के मुकाबले और बेहतर तरीके से प्रतिस्पर्धा कर सकेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद घरेलू बाजार में छाई हरियाली

सेंसेक्स 2000+ अंक उछला

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनने के बाद मंगलवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी 2.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। तेजी के साथ कारोबार शुरू करने के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4,205.27 अंक या 5.14 प्रतिशत बढ़कर दिन के उच्चतम स्तर 85,871.73 पर पहुंच गया। बाद में यह 2,072.67 अंक या 2.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,739.13 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 639.15 अंक या 2.55 प्रतिशत बढ़कर 25,727.55 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 1,252.8 अंक या 4.99 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 26,341.20 पर पहुंच गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं। इसके तहत वाशिंगटन भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक शुल्क को मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से अदानी पोर्ट्स के शेयरों में 9.12 प्रतिशत की तेजी आई। अन्य प्रमुख विजेताओं में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, पावर ग्रिड, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल थे। टेक महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ही इस मामले में पिछड़ गए। इस व्यापार समझौते ने कपड़ा, चमड़ा, रत्न और आभूषण, समुद्री भोजन निर्यात और विशेष रसायन शेयरों में भी तीव्र उछाल को बढ़ावा दिया।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारत-अमेरिका के बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते और रुपये के मजबूत होने से प्रेरित होकर, भारतीय शेयर बाजारों में आज महत्वपूर्ण तेजी देखी गई, जिससे विदेशी निवेशकों के नए सिरे से निवेश आने की उम्मीदें बढ़ीं। उन्होंने कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से उभरते बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति मजबूत होती है और कपड़ा, मत्स्य पालन, रत्न और फार्मास्यूटिकल्स जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों के लिए संभावनाएं बेहतर होती हैं, जिनका अमेरिका के साथ गहरा संबंध है और जिन्हें 2026 के केंद्रीय बजट में समर्थन दिया गया था। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक तेजी से बढ़ा और लगभग 7 प्रतिशत उछला। जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी उच्च स्तर पर बंद हुए।

ट्रेड डील के बाद रिलायंस ने लगाई लंबी छलांग

कंपनी के लाखों निवेशकों को कैसे होगा फायदा?

नई दिल्ली,3 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में लंबे समय बाद आज भारी तेजी देखने को मिली।

बीएसई पर कंपनी का शेयर कारोबार के दौरान करीब 7 फीसदी तेजी के साथ 1,489 रुपये तक चढ़ गया। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील के कारण कंपनी के शेयरों में तेजी आई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि भारत वेनेजुएला से तेल की खरीद शुरू करेगा। भारत ने पिछले साल मई से वेनेजुएला से कोई तेल नहीं खरीदा है। लेकिन ट्रंप के बयान से वेनेजुलएला से तेल की खरीद का सिलसिला फिर से शुरू होने की उम्मीद जगी है। केपीएलईआर के आंकड़ों के मुताबिक 2024 में भारतीय कंपनियों ने वेनेजुएला से रोजाना औसतन 70,000 बैरल तेल खरीदा था। जानकारों का कहना है कि वेनेजुएला का तेल भारी होने के कारण सस्ता होता है।

यह भारतीय रिफाइनरीज के लिए फायदे का सौदा है क्योंकि वे इस तरह के तेल को प्रोसेस करने में सक्षम हैं। रिलायंस की रिफाइनरियां इस तरह के तेल को प्रोसेस करने में सबसे बेहतर स्थिति में हैं।

यही वजह है कि वेनेजुएला के साथ तेल कारोबार बहाल होने की स्थिति में कंपनी को फायदा होगा। तेजी आई है। 2022 की शुरुआत में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूस ने डिस्काउंट पर भारत को तेल बेचना शुरू किया था और देखते ही देखते रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया था। वेनेजुएला से तेल की सप्लाई बहाल होने से भारत को एक और सोर्स मिल जाएगा।

अमेरिका के साथ डील होते ही रॉकेट बने अडानी के शेयर

13% तक उछली कीमत, आखिर क्या है चक्कर?

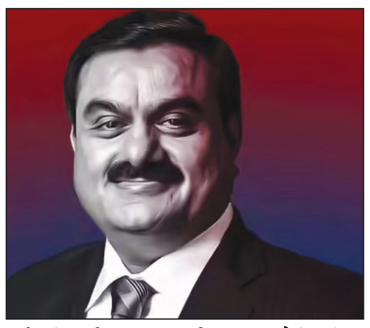

नई दिल्ली,3 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के बाद ट्रेड डील के बाद आज अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी तेजी आई है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज के मुताबिक इस डील से देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप की कंपनियों को फायदा हो सकता है।

इससे अडानी ग्रीन के शेयरों में 13 फीसदी तक तेजी आई है जबकि ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 10 फीसदी उछला है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पोर्ट्स और अडानी टोटल गैस के शेयरों में 6 से 8 फीसदी तक तेजी आई। अमेरिका ने भारतीय सामान पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। जेफरीज का कहना है कि इससे अडानी ग्रुप की कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। घरेलू ब्रोकरेज फर्म एंटीक ने भी अडानी पावर और अडानी पोर्ट्स को उन कंपनियों की लिस्ट में शामिल किया है जिन्हें अमेरिका के साथ डील से सबसे ज्यादा फायदा होगा।

विदेशी निवेशकों ने पिछले 16 महीनों में भारतीय शेयरों में करीब 34 अरब डॉलर की बिकवाली की है।जेफरीज के एनालिस्ट महेश नंदुरकर ने कहा कि ट्रेड डील पर निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता अब खत्म हो गई है। अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। इस डील से रियल एस्टेट, टेलीकॉम, ट्रांसपोर्टेशन, फाइनेंशियल सर्विसेज और हेल्थकेयर सेक्टर को फायदा मिल सकता है। साथ ही कैपिटल गुड्स, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी सर्विसेज और पावर यूटिलटीज भी फायदे में रहेंगे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य	मकर	मे	मकर...	05-32 बजे
चंद्र	सिंह	मे	कुंभ....	07-22 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन.....	09-01 बजे
बुध	कुंभ	मे	मेष......	10-37 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	12-21 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	14-21 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	16-34 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह----	18-46 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	20-53 बजे
			तुला-----	22-58 बजे
			वृश्चिक..	01-08 बजे
			धनु.....	03-21 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
सूर्योदय 06-50
सूर्यास्त. 18-09
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष बुधवार 04 February 2026
तिथि - तृतीया 00-09 रात तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 22-12 रात तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - अतिगण्ड 01-04 रात तक उप. सुकर्मा
करण - वणिज 12-19 तक विष्टी(भद्रा)

भद्रा - 12-19 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-30 से 13-56 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-50 - 08-14	शुभ	उत्पात	18-09 - 19-46	अशुभ
अमृत	08-14 - 09-39	शुभ	शुभ.	19-46 - 21-21	शुभ
काल	09-39 - 11-05	अशुभ	अमृत	21-21 - 22-55	शुभ
शुभ.	11-05 - 12-30	शुभ	चंचल	22-55 - 00-30	शुभ
रोग	12-30 - 13-56	अशुभ	रोग	00-30 - 02-05	अशुभ
उत्पात	13-56 - 15-21	अशुभ	काल	02-05 - 03-39	अशुभ
चंचल	15-21 - 16-46	शुभ	लाभ	03-39 - 05-14	शुभ
लाभ	16-46 - 18-09	शुभ	उत्पात	05-14 - 06-50	अशुभ

सरकार ने बदल दिया कस्टम बैगेज रूल अब विदेश से कितना ला सकते हैं सोना

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। आप विदेश भ्रमण करने वाले हैं या किसी काम से विदेश जाते रहते हैं तो आपके काम की खबर। भारत सरकार ने विदेश से लौटने वाले भारतीयों के लिए इंपोर्टेड सामानों पर ड्यूटी-फ्री लिमिट को बढ़ा दिया है। इस लिमिट में 25,000 रुपये की भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने कल रात में ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सामान के नियम , 2026 के अधिसूचित होने की जानकारी दी है।

इसके मुताबिक अब विदेश से लौटने वाले भारतीय 75,000 रुपये का सामान ड्यूटी फ्री ला सकते हैं। मतलब कि उन्हें इतनी राशि के विदेशी सामानों पर कोई टैक्स नहीं चुकाना होगा। यह बदलाव भारतीय मूल के निवासियों और पर्यटकों पर लागू होगा जो हवाई या समुद्री मार्ग से भारत आ रहे हैं। अभी तक देश में सामान के नियम, 2016 लागू था। लेकिन नए नियम अधिसूचित होने के बाद नया नियम 2 फरवरी 2026 की आधी रात से लागू हो गया है। नए 'बैगेज रूल्स, 2026' के तहत, भारत आने वाले भारतीय मूल के निवासी या पर्यटक, जो जमीन के रास्ते से नहीं आ रहे हैं, 75,000 रुपये तक के सामान बिना कस्टम ड्यूटी दिए ला सकते हैं। यह सामान यात्री के साथ होना चाहिए। इससे पहले तक यह ड्यूटी-फ्री लिमिट 50,000 रुपये की ही थी।

भारत सरकार ने विदेशी मूल के पर्यटकों के लिए भी छूट की लिमिट बढ़ाई है। अब भारत आने वाले विदेशी मूल के पर्यटक, जो शिशु नहीं हैं, 25,000 रुपये तक के सामान पर कोई कस्टम ड्यूटी नहीं देंगे। साल 2016 के बैगेज नियमों के तहत यह लिमिट 15,000 रुपये तक की ही थी।वैसे भारतीय निवासियों या भारतीय मूल के पर्यटकों के लिए जो एक साल से ज्यादा समय से विदेश में रह रहे हैं, उनके लिए भी लिमिट रिवाइज किया गया है। अब 12 महीने तक विदेश में रहने वाले व्यक्ति अपने साथ डेढ़ लाख रुपये का सामान बिना ड्यूटी चुकाए ला सकते हैं।

एलन मस्क की स्पेसएक्स बनी दुनिया की 11वीं वैल्यूएबल कंपनी, अब कौन रह गया है उससे आगे?

नई दिल्ली,3 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने एक बड़ा दांव खेला है। उन्होंने अपनी रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स और एआई स्टार्टअप कंपनी एक्सएआई का मर्जर कर दिया है। इस कंबाइंड कंपनी की वैल्यू 1.25 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। इस वैल्यूएशन पर यह दुनिया का 11वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी होगी। स्पेसएक्स अगले कुछ महीनों में आईपीओ लाने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि यह 1.75 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर हो सकता है। यह आईपीओ दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ सऊदी अरामको का था जिसने 2019 में 29 अरब डॉलर जुटाए थे। लिस्टेड कंपनियों की बात करें तो अभी एनवीडिया 4.519 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। इसके बाद गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट ($4.163 ट्रिलियन) ऐपल ($3.968 ट्रिलियन), माइक्रोसॉफ्ट ($3.143 ट्रिलियन), ऐमजॉन ($2.597 ट्रिलियन), मेटा प्लेटफॉर्म्स ($1.786 ट्रिलियन)ब, टीएसएमसी ($1.770 ट्रिलियन), सऊदी अरामको ($1.647 ट्रिलियन), टेस्ला ($1.582 ट्रिलियन) और ब्रॉडकॉम ($1.569 ट्रिलियन) शामिल हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्पेसएक्स के सीएफओ ब्रेट जॉनसन पिछले साल दिसंबर से ही आईपीओ को लेकर पुराने निवेशकों से बात कर रहे हैं। वह जून 2026 तक कंपनी का आईपीओ लाने की संभावना तलाश रहे हैं।

जून का महीना इसलिए चुना जा रहा है क्योंकि 28 जून को एलन मस्क का जन्मदिन होता है। बैंक ऑफ अमेरिका, गोल्डमैन सैश, जेपी मॉर्गन चेज और मॉर्गन स्टेनली इस बड़े आईपीओ को लीड कर सकते हैं। स्पेसएक्स रॉकेट और सैटेलाइट बनाती है।

सेल और अन्य स्टील पीएसयू अगले साल जम कर करेंगी निवेश, रोजगार भी बढ़ेगा

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। स्टील बनाने की बात हो इस समय हम दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा बनाने वाला देश बन चुके हैं। इस समय चीन ही ऐसा देश है जो कि हमसे ज्यादा स्टील बनाता है। हालांकि, जब स्पेशलाइज्ड स्टील बनाने की बात हो इसमें हम जापान और कोरिया समेत दुनिया के कई देशों से पीछे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए सरकारी स्टील कंपनियों ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान कैपिटल एक्सपेंडिचर में भारी बढ़ोतरी की योजना बनाई है।बीते दिनों ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में साल 2026-27 का आम बजट पेश किया। इसे देखें तो पता चलता है कि स्टील बनाने वाली सरकारी कंपनियों का निवेश अगले कुछ सालों में काफी बढ़ने वाला है। यह निवेश कैपिटल एक्सपेंडिचर यानी नई मशीनरी और प्लांट पर होने वाला है। बजट के मुताबिक अगले वित्त वर्ष के दौरान यह एक्सवेंडिचर लगभग 44% बढ़कर 25,125 करोड़ रुपये हो जाएगा। माना जा रहा है कि इससे रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। बजट के कागजात को देखें तो कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ाने में महारत्न

पीएसयू स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन सबसे आगे हैं। इन दोनों कंपनियों का कैपेक्स 50% तक बढ़ जाएगा। यह पैसा वे अपनी आंतरिक कमाई और अन्य स्रोतों आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आईईबीआर) से जुटाएंगे।

वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान जलयात्रा का कैपेक्स 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। यह पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2025-26 में 10,000 करोड़ रुपये के कैपेक्स से काफी ज्यादा है। वहीं, एनएमडीसीकाकैपेक्स भी वित्त वर्ष 2025-26 के 6,000 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 9,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड भी इस साल 800 करोड़ रुपये खर्च करेगी, जो पिछले साल के 600 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

तीन दिन की गिरावट के बाद चांदी 17 हजार बढ़ी

2.53 लाख/किलो पर पहुंची; 4 लाख से गिरकर 2.4 लाख हो गई थी कीमत

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद आज तेजी 3 फरवरी को तेजी है। वायदा बाजार में चांदी के दाम में करीब 17 हजार रुपए (7%) की बढ़त है। 1 किलो चांदी का भाव 2.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले तीन दिनों में चांदी की कीमत 1.60 लाख रुपए कम हो चुकी है। सोने में भी करीब 5 हजार रुपए (3%) की तेजी है। 10 ग्राम सोना 1.45 लाख रुपए पर आ गया है। बीते 3 कारोबार दिन में इसकी कीमत 26 हजार कम हुई थी।

सर्राफा बाजार में चांदी 2.60 प्रति किलो बिक रही

सर्राफा बाजार में चांदी 2,59,500 रुपए प्रति किलो बिक रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, कल एक किलो चांदी 6,251 रुपए गिरी थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,48,746 रुपए है।

महीने भर में 29% टूट चुका है ओला इलेक्ट्रिक का शेयर, क्या करें निवेशक?

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली नए जमाने की कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड का नाम आपने जरूर सुना होगा। इस कंपनी के शेयर मंगलवार को बीएसई में 2.57 फीसदी या 82 पैसे टूट कर 31.04 रुपये पर बंद हुए। पिछले एक महीने में इस कंपनी शेयर में करीब 29 फीसदी टूट चुका है। ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?कुछ विश्लेषकों के हवाले से मार्केट टुडे का कहना है कि ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में अभी और गिरावट आ सकती है। उन्हें 30-25 रुपये के स्तर पर सपोर्ट (सहारा) मिलने की उम्मीद है। एंजल वन के सीनियर एनालिस्ट - टेक्निकल एंड डेरिवेटिव रिसर्च, ओशो कृष्णन का कहना है, इस शेयर में काफी गिरावट आई है। इंडिकेटर्स (संकेतक) भी इसी ओर इशारा कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में यह 26-25 रुपये तक गिर सकता है। वहीं, 35-38 रुपये के स्तर पर कई रेजिस्टेंस (बाधाएं) हैं, और 40-42 रुपये के स्तर पर एक मजबूत रेजिस्टेंस जोन है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपके करियर और पढ़ाई में दिलचस्प बदलाव आ सकते हैं। पेशेवर रिश्तों को बेहतर बनाने में आपको आराम मिल सकता है। सामाजिक मेलजोल या शारीरिक प्रयासों से संभावित लाभ की उम्मीद की जा सकती है। हालाँकि, आंतरिक तनाव या अवरोध हो सकता है। बीमारी से बचने के लिए तनाव से सावधान रहें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
ऊर्जा और मौलिकता आपके करियर के प्रयासों में सहायक होंगे। आप अवसरों को जल्दी पहचान लेते हैं, लेकिन बहस में जल्दबाज़ी करने से बचें। तार्किक सोच कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद करती है। शिक्षा के क्षेत्र में, स्थिर रहें और दूसरों की आलोचना करने से बचें। समस्याओं को सुलझाने के लिए अपनी मानसिक तीक्ष्णता का उपयोग करें और सुनिश्चित करें कि आपकी बातचीत सहयोगात्मक और रचनात्मक बनी रहे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता सफलता की राह तय करते हैं, जिससे आप अपने काम में साहसिक कदम उठा पाते हैं। नवीन सोच स्वाभाविक रूप से प्रवाहित होती है, जिससे आपको समस्याओं का नए दृष्टिकोण से सामना करने में मदद मिलती है। दूसरों के साथ बातचीत के माध्यम से, आप गहरी आत्म-जागरूकता प्राप्त करते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन आपके लिए काफी हद तक उत्तम रहेगा । कुछ मुश्किल कार्य जो की आपने समय पर छोड़ दिए थे उन्हें पूरा करने का भी ये उचित समय है । आज के दिन आप अपने सारे रुके हुए कार्य अपनी उम्मीद से ज्यादा पूरा कर पायेंगे और सारा काम का भोज आज खत्म हो सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करे एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी प्रेरणा और अनुशासन आपको काम पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद करते हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, लेकिन भावनात्मक कार्यस्थल स्थितियों में सतर्क रहें। एक व्यावहारिक मानसिकता अच्छे निर्णयों का समर्थन करती है। संघर्षों से बचें और सार्थक अनुभवों को अपने मार्ग को आकार देने दें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका दिन शांत, केंद्रित काम के लिए अनुकूल हो सकता है जो आपके धैर्य और रचनात्मकता को चमकने देता है। भावनात्मक गहराई कलात्मक कार्यों का समर्थन करती है, जबकि मेष राशि में चंद्रमा से ऊर्जा का विस्फोट आपको पहल करने के लिए प्रेरित करता है। जोखिमों के प्रति सचेत रहें और संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखें। आपका अंतर्ज्ञान आज मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका करियर पथ उज्ज्वल रूप से चमकता है, पोषण ऊर्जा और एक सहायक वातावरण प्रदान करता है। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे आपको खुद को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने में मदद मिलेगी। मान्यता और अपने पेशेवर आकांक्षाओं में वृद्धि की उम्मीद करें। हालाँकि, मानसिक क्षेत्र में लाभहीन अटकलों और संभावित नुकसान से सावधान रहें। \

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सचिन पायलट को क्या पता आटे-दाल का भाव : मदन राठौड़

उदयपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मेवाड़-मारवाड़ के बीच रेल कनेक्टिविटी अब तक नहीं हो पाई है। इसके लिए अब तक जो प्रयास चल रहे हैं, उनमें तेज लाने के लिए सरकार तक अपनी बात पहुंचाएंगे, ताकि जल्द ही परिणाम दिख सके।

प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ पटेल सर्कल स्थित पार्टी कार्यालय मीडिया सेंटर में पत्रकारों के सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने केंद्रीय बजट को लेकर अपनी बात रखी। कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पाने की दिशा में दूरदर्शी और मजबूत दस्तावेज है, जो देश के आधारभूत ढांचे, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान को नई गति देगा।

पहले और अब में आया बदलाव

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार में देश विकास के मामले में पिछड़ा था, जबकि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ऐसे बदलाव हुए, जिन्हें देशवासी स्वयं महसूस कर रहे हैं। वर्ष 2013 में केवल 2.5 करोड़ लोग आयकर देते थे, वहीं 2024-25 में बढ़कर 9.2 करोड़ हो गई, जो आर्थिक सशक्तीकरण का प्रमाण है। प्रति व्यक्ति आय 2004-05 में 23,203 रुपए से बढ़कर 2024-25 में 2,05,324 रुपए हो गई है।

बजट घोषणाओं की उपलब्धियां गिनाई

फसलों के दाम बढ़े हैं, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हुई है। 2004-05 में धान का समर्थन मूल्य 550 था, जो अब 2,183 रुपए है।

रेलवे का शत प्रतिशत विद्युतीकरण, वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, आधुनिक स्टेशन,

ऑनलाइन टिकटिंग और बेहतर सुरक्षा व्यवस्थाएं हुई है।

100 से अधिक एयरपोर्ट का निर्माण और आधुनिकीकरण किया गया है। हाईवे निर्माण 50 हजार किमी से बढ़कर 1.5 लाख किमी हो गया है।

देश की जीडीपी तेजी से बढ़ रही है। 2009 में एक एम्स था, आज 24 एम्स हैं। अब बजट में 5 आयुर्वेदिक एम्स की घोषणा की गई है।

बजट आकार 2013 में 2 लाख करोड़ था, अब 54.1 लाख करोड़ है। पूंजीगत व्यय 1.1 लाख करोड़ से बढ़कर 12.2 लाख करोड़ हो गया है।

राजकोषीय घाटा घटकर 4.3 प्रतिशत रह गया। गंभीर बीमारी की दवा पर कस्टम ड्यूटी समाप्त कर राहत दी है।

कार्यकर्ताओं से संवाद

प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया। सरकार की योजनाएं आमजन तक पहुंचाने पर जोर दिया। पार्टी कार्यालय में सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग कक्ष का उद्घाटन किया। कहा कि आधुनिक राजनीति में सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों की भूमिका अहम हो चुकी है। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को तकनीक के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित करना चाहिए।

विपक्ष विरोध नहीं करेगा तो दुकान उठ जाएगी

मदन राठौड़ ने कहा कि सचिन पायलट को कभी कुछ खरीदने को मिला है क्या, वे राजेश पायलट के बेटे हैं। उनको आटे-दाल का भाव क्या मालूम। अशोक गहलोत हमारे बजट की तारीफ करेंगे तो उनकी दुकान खाली हो जाएगी। ऐसे में वे प्रशंसा नहीं, विरोध ही तो करेंगे।

यह कहा था गहलोत व पायलट ने

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय बजट को राजस्थान के साथ सौतेलेपन की झलक बताया था। कहा कि राजस्थान को मिलना चाहिए था, वह केंद्रीय बजट में नहीं मिला है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने बजट को दिशाहीन और भ्रमित करने वाला बताया। कहा कि महंगाई नियंत्रण के लिए सशक्त व ठोस उपाय नहीं है।

विधानसभा में कफ सीरप पर रार

स्वास्थ्य मंत्री बोले- 'दवा नहीं, ओवरडोज जिम्मेदार'

जयपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का प्रश्नकाल आज 'फ्री दवा योजना' और कफ सीरप से हुई मौतों के मुद्दे पर बेहद गरमागरम रहा। कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने अपनी दलीलों से पलटवार किया।

कफ सीरप से बच्चों की मौत के मामले पर जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस मामले में कोई बड़ी संख्या में मौतें नहीं हुई हैं, केवल 'दो, चार या पांच' मौतें हुई हैं। उन्होंने मौतों का कारण दवा की गुणवत्ता के बजाय 'ओवरडोज' को बताया। मंत्री ने कहा, 'माता-पिता अक्सर वही कफ सीरप बच्चों को दे देते हैं जो वे खुद के लिए लाते हैं। इनमें कोडीन जैसे केमिकल होते हैं, जिनका ओवरडोज जानलेवा साबित हुआ। दवाई खराब होने से कोई डेथ नहीं हुई है।'

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंत्री के जवाब पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जब मंत्री खुद मान रहे हैं कि मौतें हुई हैं, तो इसकी गंभीरता को समझना चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि जिस कंपनी की दवा पर सवाल उठ रहे हैं, वह कई जगह ब्लैकलिस्ट भी हुई है। जूली ने कहा, 'मुमकिन है कि दवा पहले ठीक हो और बाद में उसकी गुणवत्ता खराब हो गई हो।'

स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने स्पष्ट किया कि ये दवाएं सरकारी डॉक्टरों की सलाह पर नहीं ली गई थीं। उन्होंने कहा, 'अगर हमारे डॉक्टर के पर्चे पर दी गई दवा से मौत होती, तो सरकार और डॉक्टर जिम्मेदार होते। लेकिन यदि कोई बाहर से बिना सलाह के दवा लाकर देता है, तो उसकी जिम्मेदारी सरकार की नहीं है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि ये कफ सीरप 2014 से, यानी कांग्रेस के शासनकाल से ही सिस्टम में चले आ रहे हैं।

विधानसभा में दिलावर से भिड़े डोटासरा

दम है तो 12 साल के पेपर लीक की सीबीआई जांच कराए सरकार

जयपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा में मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने की। अपने भाषण के दौरान डोटासरा ने मौजूदा सरकार और पूर्ववर्ती बीजेपी सरकार में भी पेपर लीक के आरोप लगाते हुए कहा कि दम है तो सरकार बीते 12 वर्षों में हुए पेपर लीक की सीबीआई जांच करवा ले। डोटासरा ने कहा- 2013 से लेकर 2017 में भी रीट सहित कई परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। मौजूदा सरकार के वक्त भी नीट, आरयू के पेपरलीक हुए, नवलगढ़ में आरएएस का पेपर खुला मिला। हमारे वक्त भी पेपर लीक हुए, हमने कार्रवाई की। कोई कमी रह गई तो आप कार्रवाई करो। उन्होंने कहा कि वसुंधराजी की भी जांच करो, रोजाना बात करने से कुछ नहीं होता । पेपरलीक से बच्चों का भविष्य बर्बाद नहीं हो, यह हमारा दायित्व होना चाहिए। एक दूसरे पर भाले फेंक रहे हो। शिक्षा मंत्री तो रोज मुझे जेल में भेज रहे हैं और मैं नहा धोकर रोज तैयार होता हूं और अभी तक जेल आई नहीं है।

भाषण के दौरान डोटासरा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बीच तीखी झड़प भी हो गई। मदन दिलावर बोले कि पूर्ववर्ती सरकार में अशोक गहलोत ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शिक्षकों से पूछा था कि क्या आपको ट्रांसफर के लिए पैसे देने पड़ते हैं तो सभी टीचर्स ने हाथ खड़े किए थे। इस पर डोटासरा ने कहा कि मेरे दादाजी ने मुझे एक बात सिखाई है कि कीचड़ में पत्थर मत फेंकना वरना कीचड़ तुम पर ही उड़ेगा। इसलिए मैं आपके आरोपों को गंभीरता से नहीं लेता। डोटासरा ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों की पहले कुत्ते भगाने में ड्यूटी लगाई, इसके बाद रामकथा में ड्यूटी लगा दी। आपके स्कूलों का नामांकन घट गया, पौने दो लाख नामांकन कम हो गया। बीच सत्र तबादले कर दिए। पैसे का तो छोड़ दीजिए, 5000 का खेल कर सकता है वो कितना ही बड़ा कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्कूल जर्जर हालत में हैं, बच्चों के लिए शौचालय तक नहीं हैं और इस पर सरकार गंभीर नहीं है। हाईकोर्ट की चेतावनियों के बावजूद सरकार की "जूं तक नहीं रेंगी" और शिक्षा मंत्री ने बूंदी में पत्र लिखकर शिक्षकों को राम कथा का आयोजन करवाने के लिए कहा है। डोटासरा ने शिक्षा मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि मंत्री कथाओं में व्यस्त रहे और सोशल मीडिया पर सक्रियता दिखाई, लेकिन शिक्षा के नवाचार पर कोई ठोस काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी कथा के दौरान मंत्री ने 81 ट्वीट किए, जबकि दो साल में शिक्षा सुधारों पर आठ ट्वीट भी नहीं किए।

सीएम के इलाके में फायरिंग

कैफे पर अचानक रुकी कार, फिर जमकर हुआ धांय-धांय

जयपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पिंक सिटी का पॉश इलाका गोलियों की गड़गड़ाहट से दहल उठा। मानसरोवर के शिप्रापथ स्थित सेंट विल्फ्रेड कॉलेज के पास बने 'कैफे आरजे-21' पर कार सवार बदमाशों ने सरेआम फायरिंग कर सनसनी फैला दी। गनीमत रही कि गोली कैफे मालिक को नहीं लगी, लेकिन इस हमले ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज के अनुसार कैफे संचालक ऋतिक निठारवाल अपने काउंटर पर बैठे थे, तभी एक सफेद स्विफ्ट कार में चार बदमाश वहां पहुंचे। कार से उतरते ही बदमाशों ने ऋतिक को निशाना बनाते हुए फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई इस फायरिंग से कैफे में मौजूद ग्राहकों और राहगीरों में भगदड़ मच गई।

पुरानी रंजिश और रुपयों का लेनदेन

पुलिस की प्राथमिक जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि फायरिंग करने वाले बदमाश और कैफे संचालक ऋतिक पुराने परिचित हैं। वे पहले साथ में रेंटल

कार (किराए की गाड़ियां) का बिजनेस करते थे। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच काफी समय से रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में ऋतिक को डराने और धमकाने के मकसद से बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

लोगों के हंगामे से भागे बदमाश

जब गोलियों की आवाज सुनकर स्थानीय लोग और दुकानदार वहां जमा होने लगे और हंगामा शुरू हुआ, तो बदमाश पकड़े जाने के डर से अपनी कार में सवार होकर शिप्रापथ की गलियों में ओझल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वहां से कारतूस के खोल बरामद किए। पुलिस ने बदमाशों को नामजद कर लिया है और उनकी तलाश में शहर के अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

अरावली की गोद में छिपा 'खजाना' सामने आने को...

सोना समेत 100 मिलियन टन दुर्लभ खनिज मिलने के संकेत

जयपुर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। अरावली की गोद में छिपा खजाना अब सामने आने को है। उदयपुर-सिरोही-आबूरोड से जुड़ी अंबाजी (गुजरात) की पर्वत श्रृंखला में 100 मिलियन टन से अधिक दुर्लभ खनिज भंडार होने का आकलन किया गया है। कॉपर, गोल्ड, लेड, जिंक और सिल्वर जैसे कीमती खनिजों की मौजूदगी ने क्षेत्र को देश के बड़े माइनिंग हॉटस्पॉट के रूप में उभारा है।

इसी संभावनाओं को धरातल पर उतारने के लिए गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (जीएमडीसी) ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर के भू-विज्ञान विभाग के साथ रिसर्च और कंसलटेंसी का एमओयू किया है। दो साल के इस करार के तहत अंबाजी क्षेत्र में खनिज खोज और माइनिंग की कवायद शुरू की है।

भू-विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों की देखरेख में 1840 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन की योजना बनाई गई है। इसमें पहले चरण में करीब 140 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है। इस परियोजना के लिए जीएमडीसी ने

एक विशेष सोसायटी गठित कर उदयपुर के वैज्ञानिकों को खनिजों की खोज और उनके फैलाव के वैज्ञानिक आकलन की जिम्मेदारी सौंपी है।

इस परियोजना का नेतृत्व भू-विज्ञान विभाग के रिटायर्ड प्रो. हर्ष भू और प्रो. रितेश पुरोहित कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में डॉ. हरीश कपासिया, डॉ. निरंजन मोहंती, डॉ. टी.के. बिनवाल और प्रो. के.के. शर्मा की टीम काम कर रही है। शोध कार्य के लिए विभाग की अत्याधुनिक लैब का उपयोग किया जाएगा, वहीं भू विज्ञान विभाग के ही 7 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट देकर उन्हें सीधे रिसर्च से जोड़ा गया है।

खनन को लेकर पर्यावरणीय चिंताओं पर प्रो. रितेश पुरोहित ने कहा कि अंबाजी क्षेत्र पहाड़ों, जंगलों और मंदिरों से घिरा हुआ है, इसलिए प्रकृति से किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। ज्यादातर खनन कार्य अंडरग्राउंड होगा, जिससे पहाड़ और वन क्षेत्र सुरक्षित रहेंगे।

भू-विज्ञान वैज्ञानिकों का मानना है कि अंबाजी की पर्वत श्रृंखला राजस्थान के सिरोही समेत कई जिलों से होकर गुजरती है। ऐसे में यहां दुर्लभ खनिजों की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। अरावली की चट्टानों में छिपे इस खजाने की वैज्ञानिक खोज न केवल क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदल सकती है, बल्कि सुरक्षित और संतुलित माइनिंग का नया मॉडल भी पेश कर सकती है।

गोल्ड घोटाला, बैंक मैनेजर ने उड़ाया 6.50 करोड़ का सोना

झुंझुनू, 3 फरवरी (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले में नवलगढ़ के नानसा गेट स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा में बड़ा गोल्ड घोटाला सामने आया है। आरोप है कि बैंक के तत्कालीन वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ने दो अन्य साथी कर्मचारियों के साथ मिलकर स्ट्रांग रूम में स्थित गोल्ड सेफ से करीब 6.50 करोड़ रुपए कीमत के लगभग 4 किलो से अधिक वजन के सोने के आभूषण चोरी कर लिए।

मामले में बैंक के वर्तमान वरिष्ठ शाखा प्रबंधक मुकेश सिहाग ने नवलगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मुकेश सिहाग ने 30 जनवरी को ही नवलगढ़ शाखा में पदभार संभाला है। उसके बाद ही घोटाले का खुलासा हुआ है।

दर्ज मुकदमे के अनुसार ग्राहकों को दिए गए गोल्ड लोन के बदले स्ट्रांग रूम की गोल्ड सेफ में सोने

के आभूषणों के सैकड़ों पैकेट रखे हुए थे। इनमें से 73 पैकेटों में रखे असली सोने के आभूषण निकालकर उनकी जगह नकली आभूषण रख दिए गए, जबकि 3 पैकेटों में रखे आभूषणों का वजन कम पाया गया। बैंक की प्रारंभिक जांच में कुल 4198 ग्राम सोने के आभूषण कम मिले, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 6.50 करोड़ रुपए बताई जा रही है। चोरी हुए सोने की वास्तविक मात्रा का पता विस्तृत जांच के बाद चलेगा।

इनके खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने तत्कालीन वरिष्ठ शाखा प्रबंधक अमित कुमार पुत्र मातादीन निवासी सीथल, बैंकिंग कॉरेस्पोडेंट संतोष कुमार सैनी पुत्र महावीर प्रसाद सैनी निवासी बाजीवाली ढाणी झाझड़, और उप प्रबंधक अनंतप्रकाश चौधरी पुत्र ओमप्रकाश निवासी मुकुंदगढ़ के खिलाफ धोखाधड़ी सहित संगीन धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

दो चाबियों से खुलने वाली गोल्ड सेफ की संयुक्त अभिरक्षा की जिम्मेदारी तत्कालीन वरिष्ठ शाखा प्रबंधक अमित कुमार और उप प्रबंधक अनंतप्रकाश चौधरी के पास थी। छह दिन पहले 28 जनवरी को जब गोल्ड सेफ का चार्ज उप प्रबंधक सीमा महला को सौंपा जा रहा था, तब सेफ की जांच के दौरान पैकेटों में छेड़छाड़ सामने आई। इसके बाद बैंक प्रबंधन ने आंतरिक जांच शुरू की।

जांच के दौरान बैंक शाखा में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में 21 जनवरी को शाम करीब 6.50 बजे तत्कालीन वरिष्ठ शाखा प्रबंधक अमित कुमार और बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट संतोष कुमार सैनी स्वर्ण आभूषणों को बॉक्स में भरकर बैंक शाखा से बाहर जाते दिखाई दिए।

इसके बाद 22 जनवरी को शाम करीब 6.30 बजे दोनों को स्ट्रांग रूम में स्थित गोल्ड सेफ के स्वर्ण पैकेटों से छेड़छाड़ करते हुए देखा गया। जांच में यह भी सामने आया कि उप प्रबंधक अनंत कुमार चौधरी के पास गोल्ड सेफ की संयुक्त अभिरक्षा के तहत एक चाबी रहती थी, जो उसने वरिष्ठ शाखा प्रबंध अमित कुमार को सौंप दी।

पाकिस्तानी गैंग से जुड़ा साइबर ठग पकड़ा

भारी मात्रा में लेनदेन का मामला

हनुमानगढ़, 3 फरवरी (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ साइबर थाना पुलिस ने ऑपरेशन साइबर क्लीन के तहत एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जिसमें पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स भी शामिल थे। इस गिरोह के एक सदस्य हरदीप सिंह (29) को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि हरदीप सिंह किराए पर बैंक खाते उपलब्ध कराकर साइबर ठगी में सहयोग कर रहा था। इन खातों में कुल 3 करोड़ 26 लाख रुपये का संदिग्ध लेन-देन दर्ज हुआ है। इन खातों से जुड़े 14 राज्यों में कुल 36 साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। एक खाताधारक ने खुद इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला गंभीरता से जांच के दायरे में आया।

हनुमानगढ़ एसपी हरिशंकर ने बताया कि आरोपी के पाकिस्तानी हैंडलर्स से सीधे संपर्क के ठोस सबूत मिले हैं। आरोपी की जोन कार्यालय, सीआईडी, श्रीगंगानगर में ज्वाइंट इंटेलिजेंस कमेटी में पूछताछ भी की जा चुकी है। हरदीप सिंह को 6 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है और उससे गहन पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार हरदीप सिंह पाकिस्तान से संचालित साइबर फ्रॉड गिरोह के साथ मिलकर काम कर रहा था। वह लोगों को बहला-फुसलाकर उनके बैंक खाते की जानकारी और दस्तावेज हासिल करता था, जिन्हें पाकिस्तानी गिरोह को भेज देता था। पाकिस्तान में बैठे ठग फेसबुक और इंस्टाग्राम पर सस्ता सामान बेचने, 'हर्षा साई फाउंडेशन' जैसे फर्जी विज्ञापनों के जरिए लोगों को झांसा देते थे। पीड़ितों से पैसे ठगने के बाद राशि आरोपी द्वारा उपलब्ध कराए गए भारतीय बैंक खातों में जमा होती थी। हरदीप सिंह इन खातों से प्राप्त राशि से यूएसडीटी जैसी इलेक्ट्रॉनिक मुद्रा खरीदकर पाकिस्तानी हैंडलर्स को ट्रांसफर कर देता था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने पाकिस्तानी गिरोह को बैंक खातों के अलावा मोबाइल सिम कार्ड भी उपलब्ध कराए थे। आरोपी के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामान बरामद किया, जिनमें 26 बैंक पासबुक, 8 चेकबुक, 18 एटीएम कार्ड, 8 सिम कार्ड, 3 मोबाइल फोन पाकिस्तान से जुड़े दस्तावेज भी शामिल हैं।

सड़क हादसे में दो की मौत

मृतक को लगातार मिल रही थी जान से मारने की धमकी

अलवर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र के नया गांव माचाड़ी में सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के बिलंदी निवासी श्याम गंगा उर्फ रामफूल गुर्जर (50) और राजेंद्र प्रसाद चौधरी (50) के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान खेड़ली चंदावत लक्ष्मणगढ़ निवासी विवेक गुर्जर के रूप में हुई है, जिसका उपचार चल रहा है। पुलिस और परिजनों के अनुसार, घटना का कारण प्रेम विवाह से जुड़ा विवाद बताया जा रहा है। मृतक रामफूल गुर्जर के परिजनों का आरोप है कि विवेक गुर्जर उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी देता रहा।

किराए के कमरे में छिपा था एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक का मास्टरमाइंड

50,000 के इनामी को एसओजी ने दबोचा

श्रीगंगानगर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। प्रतियोगी परीक्षाओं की पवित्रता को दांव पर लगाने और लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले एसआइ भर्ती परीक्षा- 2021 के पेपर लीक गिरोह के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के बहुचर्चित पेपर लीक मामले में वांछित मास्टरमाइंड और एसओजी जयपुर की ओर से घोषित 50 हजार रुपए के इनामी आरोपी अशोक बिश्नोई को डीएसटी फलोदी ने दबोचा और एसओजी के सुपुर्द कर दिया। फलौदी एसपी कुंदन कंवरिया ने बताया कि आरोपी अशोक पुत्र जगमालराम बिश्नोई निवासी मटोलचक (खारा), थाना फलोदी करीब ढाई साल से फरार था। आरोपी ने नाम, पहचान और वेश बदलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में छिपकर रहना शुरू किया था। डीएसटी के कांस्टेबल किशनाराम को जानकारी मिली कि आरोपी श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ में छिपा है। अशोक रीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र सुनील के नाम से किराए के कमरे में रह रहा था। टीम ने चालाकी से उसे कमरे से बाहर बुलाकर दबोच लिया। आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए बेंगलुरु, जोधपुर सहित कई स्थानों पर फरारी काटी।

32 दिन से ग्रामीण सड़क पर दे रहे धरना, फिर भी नहीं रुके भारी वाहन; हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

कोटपूतली-बहरोड़, 3 फरवरी (एजेंसियां)। कांसली-शुक्लावास ग्रामीण सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन अब न्यायालय तक पहुंच गया है। सड़क पर भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित के बोर्ड लगे होने के बावजूद ट्रक, डंपर और ट्रेलर धड़ल्ले से गुजर रहे हैं। इससे नाराज ग्रामीण पिछले 32 दिनों से दिन-रात धरने पर बैठे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने गंभीर रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। यह आदेश शिवराम सिंह यादव और राधेश्याम यादव द्वारा दायर जनहित याचिका पर दिया गया। याचिका में बताया गया कि पीडब्ल्यूडी ने यह सड़क गांवों और ढाणियों के स्थानीय आवागमन के लिए बनाई थी। सड़क संकरी है और इसका उपयोग पैदल चलने वाले ग्रामीणों, स्कूली बच्चों, साइकिल चालकों और किसानों द्वारा किया जाता है। इसके बावजूद पिछले कुछ वर्षों से भारी व व्यावसायिक वाहन गैरकानूनी रूप से इस मार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे हादसों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने पहले जिला कलेक्टर, एसडीएम, डिप्टी एसपी और जिला परिवहन अधिकारी को ज्ञापन देकर भारी वाहनों पर रोक लगाने की मांग की थी लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

दिनदहाड़े भालू दिखने से मचा हड़कंप, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

जालोर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। जालोर जिले के जसवंतपुरा कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया, जब जसवंतपुरा पुलिस थाना से मात्र 200 मीटर की दूरी पर सुंधा माता सड़क मार्ग पर दिनदहाड़े एक भालू आबादी क्षेत्र में घूमता नजर आया। व्यस्त सड़क पर भालू के अचानक दिखाई देने से लोगों, राहगीरों और वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। भालू के सड़क पर विचरण करने की सूचना मिलते ही विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क पर भय का माहौल बन गया और लोग सहमे नजर आए। इस दौरान कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन से भालू का वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें भालू सड़क किनारे घूमता हुआ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही वन विभाग हरकत में आया। जसवंतपुरा वन अधिकारी के.के. परमार के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पूरण नाका इंचार्ज प्रभुराम जाट द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। वन विभाग की टीम ने लगभग आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भालू को सुरक्षित रूप से काबू में लेकर पिंजरे में बंद किया और उसे जसवंतपुरा वन कार्यालय लाया गया।

बाथरूम के गुप्त तहखाने में मिला 1.35 करोड़ का ड्रग्स, पति फरार, पत्नी गिरफ्तार

नागौर, 3 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में नशे के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन नीलकंठ के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। खींवसर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 35 लाख रुपये मूल्य की एमडीएमए ड्रग्स बरामद की है। यह मादक पदार्थ बाथरूम में बने एक गुप्त तहखाने में छिपाकर रखा गया था।

खींवसर थाना प्रभारी रामनारायण भंवरिया अपनी टीम के साथ गश्त पर थे, इसी दौरान डीएसटी नागौर से गोपनीय सूचना मिली कि पांचलासिद्धा गांव की विश्नोईयों की ढाणी में रहने वाला श्रवणराम विश्नोई (पुत्र झूमरराम) सिंथेटिक ड्रग एमडीएमए की अवैध खरीद-फरोख्त में संलिप्त है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मकान पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही मुख्य आरोपी श्रवणराम विश्नोई मौके से फरार हो गया। इसके बाद मकान की तलाशी ली गई, जिसमें सामने बने बाथरूम में एक छिपाने की जगह से 670 ग्राम उच्च गुणवत्ता की एमडीएमए बरामद की गई। इसकी बाजार कीमत करीब 1.35 करोड़ रुपये आंकी गई है।

जीएचएमसी ने 3-दिन का संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित किया

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने महानगर निगरानी इकाई (एमएसयू) के माध्यम से हैदराबाद, बेंगलुरु और ठाणे के एमएसयू कर्मचारियों के लिए तीन-दिन का संयुक्त इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार से डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान (एमसीआर एचआरडी), जुबली हिल्स में शुरू किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 फरवरी से 5 फरवरी तक चलेगा।

जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि महानगर निगरानी इकाइयाँ शहरी वातावरण में जनस्वास्थ्य की सुरक्षा में अग्रिम रक्षक की भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि एमएसयू कर्मियों की मुख्य जिम्मेदारी समय पर रिपोर्टिंग, सत्यापन और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है।

कमिश्नर ने मुख्य फोकस क्षेत्रों पर जोर दिया, जिनमें जलजनित रोग जैसे तीव्र पेचिश रोग, हैजा और वायरल हेपेटाइटिस; वाहक जनित रोग जैसे डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया; तथा खाद्य विषाक्तता और जूनेटिक रोग जैसे उभरते सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे शामिल हैं, जो वन हेल्थ दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा कि स्लम, घनी बस्तियों और प्रवासी समूहों में रहने वाले कमजोर लोगों को प्राथमिकता देना आवश्यक है, क्योंकि यहां रोग संचरण का खतरा अधिक रहता है।

एमएसयू हैदराबाद की प्रगति के बारे में बताते हुए कर्णन ने कहा कि यह इकाई, जीएचएमसी के अधीन और प्रधानमंत्री – आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत स्थापित, शहरी रोग निगरानी का केंद्रीय केंद्र बन रही है। 17 स्वीकृत पदों में से 14 कर्मियों की भर्ती हो चुकी है, जबकि शेष रिक्तियों को जल्द भरा जाएगा। नव नियुक्त कर्मचारी वर्तमान में विभागीय ओरिएंटेशन ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि नारायणगुड़ा स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन (आईपीएम) में प्रयोगशाला सेवाएं कार्यरत हैं और बायोसुरक्षा लेवल-II उपकरणों की खरीद के माध्यम से और मजबूत की जा रही हैं।

हरीहर कला भवन में स्थापित की जा रही कमांड कंट्रोल सेंटर रोग निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को और मजबूत करेगी। तकनीकी हस्तक्षेपों पर ध्यान देते हुए कर्णन ने बताया कि हैदराबाद डेंगू निगरानी के लिए समर्पित वेक्टर बोर्न डिजीज (वीबीडी) एप्लिकेशन का उपयोग करता है, जो जीआईएस मैपिंग और समन्वित फील्ड प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे साक्ष्य आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्रवाई आसान होती है।

तेलंगाना की पाक विरासत ने हैदराबाद में यंग शेफ ओलंपियाड में बिखेरा आकर्षण

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पाक पर्यटन की संभावनाओं को 12वें अंतरराष्ट्रीय यंग शेफ ओलंपियाड (वाईसीओ) 2026 में प्रमुख स्थान मिला, जब टीजीटीडीसी की प्रबंध निदेशक वल्लुरु क्रांति ने आईआईएचएम, गाचीबावली में क्षेत्रीय राउंड में भाग लिया। मीडिया से बातचीत में क्रांति ने कहा कि पाक पर्यटन वैश्विक पर्यटन का एक प्रमुख प्रेरक है और उन्होंने तेलंगाना की समृद्ध भोजन विरासत को रेखांकित किया। उन्होंने भारत के पहले क्यूलीनरी एक्सपीरिएंशियल टूरिज्म एक्सेलेरेटर की शुरुआत का उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना और भूली हुई क्षेत्रीय रसोइयों को पुनर्जीवित करना है।

क्रांति ने हैदराबाद के यूनेस्को सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी दर्जे पर भी जोर दिया और कहा कि तेलंगाना टूरिज्म राज्य भर में होम शेफ्स को प्रोत्साहित करने के लिए भोजन महोत्सव और अन्य पहलों की योजना बना रहा है। होमस्टे के लिए ऑनलाइन पंजीकरण जल्द शुरू होंगे, और लक्ष्य है कि राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में प्रत्येक में 50 से 100 होमस्टे विकसित किए जाएं। हैदराबाद में वाईसीओ क्षेत्रीय राउंड में 10 देशों के प्रतिभागी शामिल हैं। यह पांच शहरों में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता का हिस्सा है, जिसकी भव्य फाइनल कोलकाता में 6 फरवरी को होगी, और जीतने वाले को 15 लाख रुपये का पुरस्कार मिलेगा।

आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने जैनरत्न धर्मराज रांका, दिपक व मिनाक्षी विजयवर्गीय, गोवर्धन तपाडिया, गणेश अग्रवाल, जसराज श्रीश्रीमाल, निर्मल सिंघवी, प्रभुदत्ता महाराज, दुलीचंद नाहटा, अरविंद नाहटा, विपिन नाहटा, प्रो. एम. के. भंडारी, केशवजीभाई छेडा, नरेश मोमया, दिलीप मोमाया, राजेश तपाडिया, सतीश जाजु, अनीलकुमार, सर्वेश मालानी, प्रशांत अग्रवाल, धनिष्ट भट्ट, देवांश काबरा, मेहुल जैन, प्रशांत रीमा मेहता, गौरव प्रीती दासोट, विकास हिना महेता, मनीष रचना खंडेलवाल, किया महेश्वरी, मनहर गुप्ता आदि को निमंत्रीत करते हुए जीवराम पटेल, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, मुन्ना जोशी, हसमुख पटेल एवं अन्य ।

चेंनूर नगरपालिका के सर्वांगीण विकास का वादा

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खनन मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने चेंनूर नगरपालिका के सभी क्षेत्रों में समग्र विकास के लिए अपनी कोशिशें जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके संज्ञान में आने वाली हर समस्या का सावधानीपूर्वक निरीक्षण कर उसका समाधान किया जाएगा।

मंगलवार को चेंनूर शहर में मारवाड़ी भवन में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए, आगामी चेंनूर नगरपालिका चुनावों के संदर्भ में मंत्री ने कहा कि नगरपालिका का विकास व्यवसायिक गतिविधियों में तेजी लाएगा। बैठक में मारवाड़ी समुदाय के बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद रहे और उन्होंने शहर के विकास, व्यावसायिक चुनौतियों और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं पर चर्चा की।

चेंनूर के विकास पर चर्चा करते हुए डॉ. विवेक ने कहा, "मेरी प्रारंभिक यात्रा में मैंने देखा कि बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, और ऑटो रिक्शा केवल वार्ड में प्रवेश करने के लिए 200 रुपए चार्ज कर रहे थे। चुनाव जीतने के बाद हमने सभी वार्डों में सीसी रोड और साइड ड्रेन का निर्माण किया। वर्तमान में लगभग 40 करोड़ रुपये के विकास परियोजनाएं चल रही हैं। नए कॉलोनियों के निर्माण के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का विकास आवश्यक है।" मंत्री ने आगे कहा कि चेंनूरवासियों को गोडावरी जल उपलब्ध कराने के लिए 45 करोड़ रुपये की योजना बनाई गई है, जिससे आने वाले 15 वर्षों तक पेयजल की कमी नहीं होगी।

मारवाड़ी समुदाय से अपने संबंधों को याद करते हुए डॉ. विवेक ने कहा, "जब मैं अमेरिका जाने के बारे में सोच रहा था, मेरे पिता ने मुझे यहां व्यवसाय स्थापित करने की प्रेरणा दी। मेरे प्रारंभिक साझेदार मारवाड़ी समुदाय से थे, जिससे मेरे और आपके बीच अनूठा संबंध बन गया। उनसे मैंने अनुशासन और समझदारी से खर्च करने की सीख ली।"

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सहयोग और मित्रता भविष्य में भी बनी रहेगी। चेंनूर नगरपालिका को और अधिक विकसित करने के लिए समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए मंत्री ने निवासियों से कहा कि वे आगामी नगरपालिका चुनावों में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों की सफलता सुनिश्चित करें।

मंत्री ने यह भी बताया कि हाल ही में एक कैबिनेट बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से चेंनूर विधानसभा क्षेत्र के लिए 2027 पुष्करालु को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त धन आवंटित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने इसे सकारात्मक रूप में स्वीकार करते हुए धनराशि बढ़ाने का आश्वासन दिया।

डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि जैसे कांग्रेस सरकार ने मेदारम में विस्तृत व्यवस्थाएं की थीं, वैसे ही पुष्करालु भी समान भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा।

युवक ने गला काटकर किया आत्महत्या का प्रयास

संगारेड्डी, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को तेल्लापुर में एक युवक ने कथित तौर पर गला काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने उसे बेहोशी की हालत में देखा और तुरंत कोल्लूर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। युवक की पहचान दिलीप कुमार (32) के रूप में हुई है, जो अमीनपुर मंडल के बंदम कोम्मू गांव का निवासी बताया जा रहा है। आत्महत्या के प्रयास के पीछे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्पीकर ने कड़ियम श्रीहरी को अयोग्यता जांच के लिए बुलाया

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक के पार्टी बदलने के मामले में एक और महत्वपूर्ण घटना सामने आई है। विधानसभा स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार ने मंगलवार को स्टेशन घनपुर विधायक कड़ियम श्रीहरी को नोटिस जारी किया। स्पीकर ने उन्हें बुधवार, 4 फरवरी को सुबह 11 बजे सुनवाई में उपस्थित होने का आदेश दिया। यह पहले से ज्ञात है कि बीआरएस विधायक विवेकानंद ने स्पीकर से शिकायत की है कि बीआरएस पार्टी के प्रतीक पर जीतने वाले कड़ियम श्रीहरी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए हैं।

इस संदर्भ में, स्पीकर ने विवेकानंद को भी नोटिस जारी किया है और उन्हें बुधवार सुबह 11 बजे होने वाली सुनवाई में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। स्पीकर प्रसाद कुमार दोनों, कड़ियम श्रीहरी और विवेकानंद की दलीलों को सुनेंगे। इस बीच, पार्टी बदलने के मामले में जब 10 विधायकों की याचिकाएं स्पीकर के समक्ष आईं, तो उन्होंने सात विधायकों को क्लीन चिट दे दी थी। उन्होंने निर्णय दिया कि ये विधायक बीआरएस पार्टी में ही रहे और कांग्रेस पार्टी में शामिल नहीं हुए। हालांकि, विधायक दानम नागेंद्र की याचिका जांचाधीन है। अन्य विधायक संजय के मामले में स्पीकर ने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। कड़ियम श्रीहरी की जांच के बाद स्पीकर द्वारा लिए जाने वाले फैसले में राजनीतिक गलियारों में काफी रुचि दिखाई दे रही है।

आम सभा स्थागित

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुरातन गुरूद्वारा साहिब आसा सिंह बाग शहीदन सिंह स्थान में 5 फरवरी को होने वाली वार्षिक आम सभा की बैठक स्थगित कर दी गई है। यह निर्णय तख्त श्री हजूर अवचलनगर साहिब नांदेड के पंच प्यारे साहिबान के निर्देशों पर लिया गया।

गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह रंजन ने बताया कि आम सभा बैठक अगले वर्ष की जाएगी । इसके अतिरिक्त सभी सदस्यों को जानकारी के उद्देश्य से प्रबंधक समिति स्पष्ट करती है आगामी वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक आम सभा बैठक निर्धारित समय पर आयोजित की जाएगी। चालू वित्तीय वर्ष के एजेंडा आईटम और अगले वर्षो के लिए गुरूद्वारा साहिब विकास कार्यों की रूप रेखा आगामी बैठक में सदस्यों की स्वीकृति के लिए रखे जाएंगे।

नितिन नबिन का पहला तेलंगाना दौरा

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), तेलंगाना ने मंगलवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबिन का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह उनके पद ग्रहण के बाद राज्य का पहला दौरा है। दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी आगामी तेलंगाना नगरपालिका चुनाव की तैयारियों को तेज कर रही है। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने बयान में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करेगा, संगठन की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा और जमीनी स्तर पर पहुँच को तेज करेगा। उन्होंने कहा कि 1984 में एक लोकसभा सीट जीतने से लेकर 2024 में आठ सीटों तक भाजपा की प्रगति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पार्टी की विकासोन्मुख विचारधारा में बढ़ती जनता की भरोसा दर्शाती है। चुनावी अभियान के तहत नितिन नविन बुधवार को महबूबनगर में "कार्यकर्ता सम्मेलन" को संबोधित करेंगे। इसमें बूथ स्तर के कार्यकर्ता और नगरपालिका नेता शारीरिक रूप से और विभिन्न नगरपालिका केंद्रों में लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से भाग लेंगे।

तेलंगाना सचिवालय में अग्नि सुरक्षा अभ्यास आयोजित

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में मंगलवार को एक अग्नि सुरक्षा अभ्यास सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य आपात स्थिति में तैयारी का आकलन करना और सुरक्षा कर्मियों में अग्नि सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना था।

यह अभ्यास सुबह 9 बजे से 10:15 बजे तक किया गया और प्रमुख सुरक्षा अधिकारी पी. देवी दास, सहायक कमांडेंट्स ए. अप्पाजी और च. पवन कुमार, साथ ही जीवी प्रसाद (एडीएफओ) और जन्या (एसएफओ, सचिवालय) के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। अभ्यास के दौरान 100 टीजीएसपीएफ अधिकारियों और कर्मियों को आग रोकने के उपाय, फायर एक्सटिंगुइशर के उपयोग, निकासी प्रक्रियाएं और बचाव कार्यों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इसका उद्देश्य सचिवालय में आग जैसी आपात स्थितियों में समन्वित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करना था।

पी.वी. नरसिम्हा राव मेमोरियल अवार्ड आज

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पी.वी. नरसिम्हा राव मेमोरियल फाउंडेशन 4 फरवरी (बुधवार) को श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीमन्नारायण रामानुज चिन्जीयर स्वामीजी को 'पी.वी. नरसिम्हा राव मेमोरियल अवार्ड फॉर स्पिरिचुअल सर्विस' प्रदान करेगा। अवार्ड समारोह शाम 7.30 बजे समथमूर्ति मंडपम, मुचिंटल, वेंकन्नगुड़ा, शमशाबाद के पास आयोजित होगा, यह जानकारी मंगलवार को जारी बयान में दी गई।

पी.वी. नरसिम्हा राव मेमोरियल फाउंडेशन के महासचिव एम. अनिल कुमार ने कहा कि यह पुरस्कार स्वामीजी की अद्वितीय आध्यात्मिक सेवा, रामानुज दर्शन के प्रचार और भक्ति एवं धर्म के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए उनके अथक प्रयासों को सम्मानित करने के लिए दिया जा रहा है।

यह पुरस्कार पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव की विरासत को समर्पित है, जिनका जीवन बौद्धिक प्रतिभा और समर्पित राष्ट्रीय सेवा का प्रतीक था। आध्यात्मिक अवार्ड उन प्रमुख हस्तियों को सम्मानित करता है जो 'सनातन धर्म' की मूल्यों के माध्यम से समाज को प्रकाशित करती हैं।

वार्ता से खुला संयुक्त पीएचडी और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग का मार्ग

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टेक्सास क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी (टीसीयू), अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) का दौरा किया ताकि दीर्घकालिक शैक्षणिक सहयोग और वैश्विक जुड़ाव के अवसरों का पता लगाया जा सके। टीसीयू टीम में डॉ. ऐनेलीज़ बुश (निदेशक, टीसीयू ग्लोबल), श्री हीथ आइंस्टीन (वाइस प्रोवोस्ट, एन्फ़ॉलमेंट मैनेजमेंट), डॉ. कैथरीन विन्नी (इंटरनेशनल एजुकेशन कंसल्टेंट), ख्वाजा उमाम (सीईओ, कान इंटरनेशनल एजुकेशन), डॉ. दिया दत्त (कंसल्टेंट, गेटवे इंटरनेशनल ग्रुप) और आर्यन खान (कान इंटरनेशनल एजुकेशन) शामिल थे।

यूओएच की ओर से यह प्रतिनिधिमंडल उप-कुलपति प्रो. बी.जे. राव के नेतृत्व में था। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के लिए लगातार संवाद जारी रहेगा और ऐसे क्षेत्र पहचाने जाएंगे जिनमें सहयोग संभव हो। इसके अलावा, दोनों संस्थानों के ऐसे फैकल्टी की पहचान की जाएगी जिनकी रुचियां समान हैं, ताकि सहयोग के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि संयुक्त डॉक्टोरल प्रोग्राम से टीसीयू को डॉक्टोरल छात्रों को फंडिंग देने का अवसर भी मिलेगा। आने वाले हफ्तों में छात्र और फैकल्टी एक्सचेंज की संभावनाओं पर अधिक विस्तार से विचार किया जाएगा। इसके लिए दोनों पक्ष अपने लक्ष्यों और दृष्टिकोण के आधार पर समान रुचि वाले क्षेत्रों को मानचित्रित करेंगे। बैठक में यह भी सहमति बनी कि टेक्सास या टीसीयू केंद्रित फैकल्टी की पहचान की जाएगी, ताकि सहयोग की प्रक्रिया को और आसान बनाया जा सके।

दुर्गम चेरुवु पुल पर मोटरसाइकिल में आग, यातायात ठप

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर एक मोटरसाइकिल में अचानक आग लग गई, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। बाइक पर दो लोग सवार थे, तभी अचानक आग लगी। सतर्क आसपास मौजूद लोगों ने सवारों की मदद से बाइक रोक दी और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। कुछ ही मिनटों में मोटरसाइकिल पूरी तरह जलकर खाक हो गई। आग लगने की वजह से पुल पर भारी यातायात जाम हो गया और कई किलोमीटर तक वाहन रुक गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

दो लाख नौकरियों का वादा पूरा न होने पर बेरोजगार युवाओं का महा धरना आज

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस सरकार द्वारा दो लाख रिक्त पदों को भरने के अपने वादे को पूरा न किए जाने से नाराज बेरोजगार युवाओं ने बुधवार को हैदराबाद के धरना चौक पर महा धरना प्रदर्शन का आह्वान किया है। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने के एक वर्ष के भीतर दो लाख सरकारी नौकरियां देने का आश्वासन दिया था।

चुनाव प्रचार के दौरान इस वादे को प्रमुख मुद्दा बनाया गया था और बेरोजगार युवाओं को संगठित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। चुनाव प्रचार के दौरान अशोक नगर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बेरोजगार युवाओं से समर्थन मांगते हुए कहा था कि एक साल के भीतर दो लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने टीएसपीएससी के पुनर्गठन और युवा विकासम योजना के तहत 5 लाख रुपये की सहायता राशि देने की भी बात कही थी।

हालांकि, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लु द्वारा 2 अगस्त 2024 को विधानसभा में 2024-25 का भर्ती कैलेंडर जारी किए जाने के बावजूद अब तक उसके अनुसार कोई भर्ती अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

युवाओं का आरोप है कि सरकार के सत्ता में आने के बाद से अब तक कोई नई भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इसके अलावा, कांग्रेस द्वारा प्रत्येक बेरोजगार युवा को नौकरी मिलने तक 4,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देने का वादा भी अब तक पूरा नहीं हुआ है। न तो भत्ते की राशि दी गई है और न ही नौकरियों की अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। बेरोजगार युवाओं का कहना है कि हाल के दिनों में सरकार और पार्टी नेताओं के बयानों से भ्रम की स्थिति और बढ़ी है। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ द्वारा दिए गए बयानों को लेकर भी युवाओं में नाराजगी है।

बेरोजगार युवा नेता इंद्र नायक ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र और चुनावी विज्ञापनों में किए गए वादों के दस्तावेज उनके पास मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा और इसी के तहत बुधवार को महा धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। बेरोजगार युवाओं ने सरकार से दो लाख रिक्त पदों को भरने के लिए तत्काल अधिसूचनाएं जारी करने, जिला चयन समितियों के गठन, शिक्षकों के रिक्त पद भरने, नया नौकरी कैलेंडर जारी करने और राज्य के लगभग 30 लाख बेरोजगार युवाओं को 4,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देने की मांग की है।

सेल फ़ोन चुराकर यूपीआई के ज़रिए पैसे निकालने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की सुराराम पुलिस ने सेल फोन चोरी कर यूपीआई के जरिए पैसे निकालने वाले को गिरफ्तार किया है। सुराराम एचएसओ सुधीर कृष्णा ने बताया कि सेल फ़ोन चुराने और यूपीआई के ज़रिए पैसे लूटने वाले आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि नारायण मल्लारेड्डी हॉस्पिटल में इलाज करा रहे एक मरीज़ का मोबाइल फ़ोन चुराने और डिजिटल पेमेंट के ज़रिए गैर-कानूनी तरीके से बड़ी रकम निकालने वाले आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि 7 जनवरी की सुबह, हॉस्पिटल में इलाज करा रहे प्रवीण कुमार नाम के एक व्यक्ति का मोबाइल फ़ोन चोरी हो गया और आरोपी ने उस मोबाइल पर यूपीआई ऐप के ज़रिए पीड़ित के अकाउंट से गैर-कानूनी तरीके से करीब 80 हजार रुपये निकाल लिए।

उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर सुराराम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। जांच के तहत, सुराराम क्राइम टीम ने बताया कि उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की अच्छी तरह से जांच करके और टेक्निकल सबूतों के साथ बैंक ट्रांज़ैक्शन को एनालाइज़ करके आरोपी की पहचान कर ली है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान मेडक जिले के कविदिपल्ली गांव के बुरदा आदि नारायण (34) के तौर पर हुई है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से चोरी का एक मोबाइल फ़ोन और 6 लाख 73 हजार रुपये कैश बरामद किया गया है, और बरामद सामान की कुल कीमत करीब 7 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि आरोपी को रिमांड पर भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस मौके पर, सीनियर अधिकारियों ने कम समय में केस सुलझाने के लिए सुराराम क्राइम टीम के स्टाफ को बधाई दी। पुलिस ने लोगों को अस्पतालों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपने कीमती सामान का ध्यान रखने और मोबाइल फोन और बैंकिंग ऐप्स के लिए सिक्योरिटी लॉक लगाने की सलाह दी।

प्राण-प्रतिष्ठा के प्रथम दिवस कलश यात्रा कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेड़चल भंडामाधाराम स्थित श्री देवासी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओफ्ल के सानिध्य मे आयोजित दो दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिवस मंगलवार 3 फरवरी पंडित बाबुलाल शर्मा के मंत्रोच्चारण से पूजा-अर्चना, कलश यात्रा, हवन-यज्ञ व जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम में महाराज श्री संध्यानाथजी, महंत योगी सुरेन्द्रनाथजी, योगी श्री लक्ष्मणनाथजी महाराज लांबिया मठ प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। समाज के पदाधिकारी संघ रक्षक गणेशराम लूँका, अमानराम गांगल, अध्यक्ष महेन्द्र खाटाणा, उपाध्यक्ष राजूराम सबदरा, बीजाराम, खींवाराम भीम, सचिव किशनाराम नांगु, सहसचिव जवताराम आल, कोषाध्यक्ष सरवनराम गांगल, सहकोषाध्यक्ष बगदाराम पीपावत, सूचना मंत्री रेवतराम भीम, मंच संचालन सुखाराम भीम, युवा कार्यकर्ता व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे ।

बुधवार 4 फरवरी प्रातः 8.15 बजे से मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा, हवन पूर्णाहुति, पधारे अतिथियोफ्ल का सम्मान समारोह व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा । अध्यक्ष महेन्द्र खाटाणा व सचिव किशनाराम नांगु ने निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में समाज बन्धु सपरिवार पधारकर लाभ लेवे ।

मेडारम जातरा बड़ी सफलता, मंत्री सीताक्का ने जताई संतुष्टि

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्री सीताक्का ने मंगलवार को विश्व प्रसिद्ध मेडारम जातरा के सफल और सुचारु आयोजन पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि मेला बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हुआ। मीडिया से बातचीत में मंत्री ने बताया कि सभी व्यवस्थाएं और मंदिरीय अनुष्ठान कुशलतापूर्वक संपन्न किए गए। उन्होंने कुछ लोगों द्वारा फैलाए गए आरोप और झूठी प्रचार सामग्री को खारिज किया। उन्होंने कहा कि चोरियों की एक घटना को गलत तरीके से प्रस्तुत कर आयोजन की छवि खराब करने का प्रयास किया गया। मंत्री ने यह भी कहा कि विपक्षी दलों के नेता भी व्यवस्थाओं की सराहना कर चुके हैं। सभी वर्गों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे और देवी-देवताओं के दर्शन किए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मेडारम जातरा में लगभग 2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सीताक्का ने घोषणा की कि अगले मेला से पहले मेडारम के आसपास की सड़कों को चौड़ा किया जाएगा ताकि यातायात की समस्या कम हो सके।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कौन है दुनिया की सबसे मजबूत टी-20 टीम

3 के नाम 2-2 वर्ल्ड कप, भारत ने 67% मैच जीते; 46 बार 200+ स्कोर भी बनाए

खेल डेस्क, 3 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन 7 फरवरी से शुरू होगा। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ग्रुप मैच खेलने से मना कर दिया। इसके पीछे राजनीतिक कारण हो सकता है, लेकिन एक वजह यह भी हो सकती है कि टीम फिर एक बार वर्ल्ड चैंपियन भारत से हारना न चाहती हो।

टीम इंडिया टी-20 की सबसे मजबूत टीमों में शामिल है और पाकिस्तान को वर्ल्ड कप में 15 बार हरा भी चुकी है। भारत ने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की तरह 2-2 टाइटल जीते हैं, इतना ही नहीं टीम के नाम इतिहास में सबसे ज्यादा 46 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी है।

टी-20 की सबसे मजबूत टीम निकालने के लिए हमने 8 पैरामीटर बनाए, एक-एक कर उनका एनालिसिस करते हैं और जानते हैं कि आखिर सबसे मजबूत टीम कौन सी है?

टी-20 वर्ल्ड कप टाइटल

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 2007 में हुई। 2010 से टूर्नामेंट लगभग हर 2 साल में होते आ रहा है। अब तक 9 बार खेले गए सबसे छोटे फॉर्मेट के वर्ल्ड कप को 3 टीमों ने 2-2 बार जीता। इनमें वेस्टइंडीज के अलावा इंग्लैंड और भारत भी शामिल है। टीम इंडिया डिफेंडिंग चैंपियन भी है, टीम ने 2024 में साउथ अफ्रीका को फाइनल हराकर अपना दूसरा टाइटल जीता था।

टाइटल जीतने वालीं 6 टीमों में वेस्टइंडीज इकलौती टीम है जिसने एक भी फाइनल नहीं गंवाया। भारत और इंग्लैंड 1-1 बार रनर-अप रह चुके हैं। जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें 2-2 बार फाइनल हार चुकी हैं। ऐसे में इस पैरामीटर में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और भारत तीनों संयुक्त रूप से नंबर-1 हैं। वहीं पाकिस्तान और श्रीलंका नंबर-2 पर हैं।

वर्ल्ड कप में बेस्ट विनिंग%

9 टी-20 वर्ल्ड कप में टॉप-8 में शामिल हर टीम ने 45 से 55 मैच खेले। इनमें बेस्ट विनिंग परसेंटेज टीम इंडिया का ही है। भारत ने 52 में से 35 मुकाबले जीते, यानी विनिंग परसेंटेज 67% का रहा। टीम इंडिया के अलावा साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें ही अपना विनिंग रेट 63% से ज्यादा रख पाई हैं। इस पैरामीटर में टीम इंडिया सीधे तौर नंबर-1 है।

T20I में बेस्ट विनिंग%

वर्ल्ड कप की तरह टीम इंडिया ने सभी टी-20 इंटरनेशनल में भी अपना दबदबा बनाए रखा है। सभी टॉप टीमों ने 200 से ज्यादा टी-20 खेले। इनमें टीम इंडिया ही इकलौती टीम है, जिसका विनिंग रेट 60% से ज्यादा है। भारत ने 268 में से 67% मुकाबले जीते। दुनिया की बाकी टीमों में पाकिस्तान दूसरे और ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर हैं।

विदेश में बेस्ट विनिंग%

क्रिकेट के मैदान पर कई बार अपने होमग्राउंड से बाहर जाकर मैच जीतना मुश्किल होता है, लेकिन टीम इंडिया यहां भी टॉप पर है। भारत न सिर्फ नंबर-1 है, बल्कि टीम ने 165 में से रिकॉर्ड 66% मुकाबले भी जीते हैं। दूसरे और तीसरे नंबर पर मौजूद पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका की टीमें 55-55 परसेंटेज मैच ही जीत पाई हैं।

होमग्राउंड पर बेस्ट विनिंग%

होमग्राउंड पर क्रिकेट मैच जीतना विदेश के मुकाबले आसान रहता है, लेकिन टी-20 के नए दौर में यह कह पाना मुश्किल है। इस बार का वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में होना है। होमग्राउंड पर भी सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम इंडिया ही है।

भारत ने 103 में से 70 में जीत हासिल की है। यानी विनिंग रेट करीब 68% रहा। पाकिस्तान इस मामले में भारत के बेहद करीब है, लेकिन दोनों के बीच फिर भी 0.10% का अंतर है। मामूली अंतर से ही सही, लेकिन पाकिस्तान यहां भी भारत से पीछे है।

सबसे ज्यादा 200+ स्कोर

क्रिकेट आमतौर पर बैट और बॉल के संतुलन का खेल होना चाहिए, लेकिन टी-20 मॉडर्न डे गेम है और यहां बल्लेबाज बहुत हद तक हावी हो चले हैं। यहां लगातार छक्के मारना और बड़ा स्कोर बनाना मजबूत टीम का मापदंड बन गया है। टी-20 में सबसे ज्यादा 200 से ज्यादा का स्कोर बनाने में भी टीम इंडिया ही आगे है। भारत ने 46 बार 200 से ज्यादा के स्कोर बनाए हैं, इतना ही नहीं टीम 4 बार 250 प्लस का स्कोर भी पार कर चुकी है।

दुनिया की बाकी कोई टीम 30 बार भी 200 प्लस का स्कोर नहीं बना सकी। दूसरे नंबर पर मौजूद न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका ने 28-28 बार ऐसा किया है। वहीं वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीमें 2-2 बार ही 250 प्लस का स्कोर पार कर पाई हैं।

सबसे ज्यादा 200+ स्कोर चेज

क्रिकेट में पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाना कई बार आसान होता है, क्योंकि स्कोरबोर्ड का प्रेशर नहीं होता। दूसरी पारी में बड़े स्कोर का पीछा करना मुश्किल होता है, लेकिन इस पैरामीटर में भी टीम इंडिया सबसे आगे है।

भारत के सामने 16 बार टीमों ने 200 प्लस का टारगेट रखा। भारत ने इनमें 10 बार 200 प्लस का स्कोर बनाया और रिकॉर्ड 8 बार जीत भी हासिल की। भारत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 7 और साउथ अफ्रीका ने 6 बार 200 प्लस का टारगेट सफलतापूर्वक चेज किया है।

सबसे ज्यादा टी-20 सेंचुरी

टी-20 क्रिकेट बल्लेबाजों का खेल बन चुका है। यहां बैटर्स के लिए शतक बनाना आसान हो चला है और हर दूसरे-तीसरे मुकाबले में कोई न कोई बैटर सेंचुरी लगा ही देता है। हालांकि, इस पैरामीटर में भी टीम इंडिया के बैटर्स बाकी टीमों से बहुत आगे हैं।

भारत की ओर से अब तक 25 टी-20 इंटरनेशनल सेंचुरी लग चुकी हैं। जबकी दूसरे नंबर पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बैटर्स 13-13 शतक ही लगा सके। हालांकि, वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 2-2 सेंचुरी इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के प्लेयर्स ने लगाई हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के प्लेयर्स 1-1 शतक ही लगा सके।

सभी पैरामीटर में टॉप पर भारत

टी-20 क्रिकेट के 8 पैरामीटर में से 7 में टीम इंडिया ही टॉप पर है। वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने में जरूर भारत को इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने चैलेंज किया है। अगर टीम इंडिया इस बार का ICC टूर्नामेंट जीत लेती है तो इस पैरामीटर में भी टॉप पर पहुंच जाएगी। इसी के साथ भारत के पास हर पैरामीटर में दुनिया की सबसे मजबूत टी-20 टीम होने का तमगा भी लग जाएगा।

टाटा स्टील मास्टर्स: उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव बने विजेता

एरिगेसी को हराया; गुकेश भारतीयों में शीर्ष पर

नई दिल्ली, 3 फरवरी (एजेंसियां)। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने खराब फॉर्म से जूझ रहे अर्जुन एरिगेसी को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स का खिताब जीता। वहीं, विश्व चैंपियन डी गुकेश संयुक्त आठवें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर रहे। गुकेश ने अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट केमर से ड्रॉ खेला और 6.5 अंक के साथ भारतीय खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान हासिल किया।

आर प्रज्ञानंदा ने भी नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट के साथ ड्रॉ खेला और 5.5 अंक के साथ टूर्नामेंट खत्म किया। अगर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से पहले इस प्रदर्शन को देखें तो भारतीय खिलाड़ी को सुधार करना होगा। एरिगेसी को रेटिंग के मामले में सबसे अधिक नुकसान हुआ क्योंकि उन्होंने 29 अंक गंवा दिए और विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर हो गए। असल में गुकेश ही एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जो लाइव रेटिंग सूची में 10वें नंबर पर हैं और शतरंज के शौकीनों के लिए यह हैरानी की बात है कि 2750 रेटिंग से ऊपर कोई भारतीय नहीं है।

अब्दुसत्तोरोव ने 13 बाजी के मुकाबले में नौ अंक हासिल किए। उनके जूनियर हमवतन और विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव उनसे आधा अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। फोरेस्ट, केमर और अमेरिका के हैंस नीमन 7.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे जो जर्मनी के मथाइस ब्लूबाउम और टूर्नामेंट के 14 साल के सनसनीखेज खिलाड़ी तुर्किये के यागिज कान एर्दोगमुस से आधा अंक अधिक है। गुकेश, नीदरलैंड के अनीश गिरी और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेदोसेव ने प्रज्ञानंद से एक अंक अधिक हासिल किया और संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर रहे। एरिगेसी और अरविंद चिदंबरम ने 4.5 अंक जुटाए जबकि चेक गणराज्य के थाई दाई वैन गुयेन आखिरी पांच दौर के मुकाबले हारने के बाद सिर्फ तीन अंक के साथ सबसे आखिरी स्थान पर रहे।

इशिका मीणा का शूटिंग बॉल टीम में चयन

विदिशा, 3 फरवरी (एजेंसियां)। विदिशा की खिलाड़ी इशिका मीणा का चयन भारतीय शूटिंग बॉल टीम में हुआ है। वे 1 से 3 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में होने वाले दूसरे शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मध्य प्रदेश से चुनी गई वे एकमात्र खिलाड़ी हैं और टीम में मुख्य अटैकर की भूमिका निभाएंगी।

विदिशा जिले की होनहार खिलाड़ी इशिका मीणा ने खेल जगत में एक नई पहचान बनाते हुए जिले के साथ-साथ पूरे मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है। इशिका का चयन भारतीय शूटिंग बॉल टीम में हुआ है और वे दूसरे शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। खास बात यह है कि इस

वर्ल्ड कप में बढ़ाएंगी भारत का मान

प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए मध्य प्रदेश से चुनी गई वे एकमात्र खिलाड़ी हैं। शूटिंग बॉल वर्ल्ड कप का आयोजन 1 से 3 फरवरी 2026 तक राजधानी नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 18 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम में इशिका मीणा को मुख्य अटैकर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इशिका मीणा की शैक्षणिक और खेल यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। वे विदिशा स्थित महारानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स स्कूल की पूर्व छात्रा रही हैं। उन्होंने बीपीईएस में स्नातक की शिक्षा प्राप्त की है और वर्तमान में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से बीपीएड की पढ़ाई कर रही हैं। खेल के क्षेत्र में इशिका लगातार सक्रिय रही हैं और अब तक सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग की छह राष्ट्रीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर चुकी हैं। उनकी इस सफलता के पीछे शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष एवं अनुभवी कोच जितेंद्र सिंह बघेल का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है, जिन्होंने इशिका की प्रतिभा को निखारने में अहम भूमिका निभाई।

टी-20 वर्ल्डकप का कैप्टन्स डे दो शहरों में होगा

मुंबई में 12 और कोलंबो में 8 टीमों के कप्तान शामिल होंगे

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। इससे पहले, 5 फरवरी को ICC ने कैप्टन्स डे रखा। कैप्टन्स डे दो शहरों मुंबई (भारत) और कोलंबो (श्रीलंका) में होगा। कैप्टन्स डे एक मीडिया कार्यक्रम है, जहां कप्तान मीडिया से बात करेंगे।

मुंबई में होने वाले कैप्टन्स डे मीट में कुल 12 टीमों के कप्तान हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम 5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तान शामिल होंगे। सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत के दौरान टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।

ग्रुप-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 3:00 बजे और ग्रुप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 3:30 बजे शुरू होगी। यह कैप्टन्स डे मीट BCCI ऑफिस वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई) में आयोजित की जाएगी।

5 फरवरी को कोलंबो में भी कैप्टन्स डे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, नीदरलैंड, ओमान, पाकिस्तान, यूएई और जिम्बाब्वे की टीमों के कप्तान शामिल होंगे। यहां भी सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत करते हुए टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।

ग्रुप-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 12:00 बजे, जबकि ग्रुप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 12:30 बजे शुरू होगी। यह कार्यक्रम कोलंबो के मर्केंटाइल क्रिकेट एसोसिएशन में आयोजित किया जाएगा।

भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिनहले स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई, दिल्ली, कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रुप स्टेज के मैच खेलेगी।

श्रीलंका के वर्ल्ड कप स्क्वॉड में कामिंडु मेंडिस की वापसी

इंजर्ड ईशान मलिंगा भी शामिल, धनंजय डी सिल्वा को जगह नहीं; दासुन शनाका कप्तान

कोलंबो, 3 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए फाइनल स्क्वॉड रिलीज कर दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 खेलने वाले धनंजय डी सिल्वा को बाहर कर कामिंडु मेंडिस की वापसी हो गई। इंजर्ड पेसर ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर दासुन शनाका टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

आउट ऑफ फॉर्म हैं कामिंडु

कामिंडु मेंडिस इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं थे। वे 2025 में 19.87 के औसत से 159 रन ही बना सके। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 130.32 का ही रहा। वे 12 मुकाबलों में महज 6 ओवर ही बॉलिंग भी कर सके। कामिंडु की खासियत यह है कि वे दोनों हाथों से स्पिन गेंदबाजी कर लेते हैं।

प्लेइंग-11 में आ सकते हैं वेल्लालागे

धनंजय डी सिल्वा को बाहर करने के बाद टीम अब 23 साल के लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर दुनिथ वेल्लालागे को भी प्लेइंग-11 में शामिल कर सकती है। हालांकि, वे श्रीलंका के लिए 6 ही टी-20 खेल सके हैं। वे वनडे टीम में जरूर रेगुलर रहते हैं, लेकिन टी-20 में अपनी जगह फिक्स नहीं कर पाए। वेल्लालागे को फ्रेंचाइजी लीग में जरूर टी-20 खेलने का अनुभव है। उन्होंने एमर्जिंग एशिया कप में श्रीलंका-ए की कप्तानी भी की थी।

पवन रत्नायके को भी जगह

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शतक लगाने वाले बैटर पवन रत्नायके को भी वर्ल्ड कप टीम में जगह मिल गई। वे 4 टी-20 में 45 रन ही बना पाए हैं। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट 145 से ज्यादा का रहा। वहीं तेज गेंदबाज प्रमोद मदुषन को बाहर कर दिया।

8 फरवरी को पहला मैच खेलेगी श्रीलंका

श्रीलंका ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है। टीम ग्रुप स्टेज में अपने सभी मैच होम ग्राउंड पर ही खेलेगी। श्रीलंका 8 फरवरी को आयरलैंड से पहला मैच खेलेगी। टीम 12 फरवरी को ओमान, 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और 19 फरवरी को जिम्बाब्वे से भिड़ने वाली है। 2 मुकाबले कोलंबो और 2 पल्लेकेले में खेले जाएंगे।

श्रीलंका का स्क्वॉड

दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसांका, कमिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, चरिथ असलंका, कामिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, वनिंदू हसरंगा, महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, मथीश पथिराना और ईशान मलिंगा।

जिसने 20 साल पहले साउथ अफ्रीका के लिए खेला हॉकी वर्ल्ड कप, वो बना इटली की क्रिकेट टीम का कप्तान

रोम, 3 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 अपने आप में ही खास है. इसके खास होने की वजह है इसमें 20 टीमों का हिस्सा लेना. टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार इतनी टीमें एक एडिशन में खेल रही हैं. इन्हीं 20 टीमों में से एक टीम का कप्तान ऐसा भी है, जो क्रिकेट से पहले हॉकी में हाथ आजमा चुका है. एक देश की क्रिकेट टीम का कप्तान बनने से पहले दूसरे देश के लिए हॉकी वर्ल्ड कप खेल चुका है. हम बात कर रहे हैं, 20 साल पहले साउथ अफ्रीका के लिए हॉकी वर्ल्ड कप खेलने वाले वैन मैडसन की, जिनके हाथों में मौजूदा T20 वर्ल्ड कप में इटली क्रिकेट टीम की कमान है. 42 साल के वेन मैडसन से टी20 वर्ल्ड कप में इटली की उम्मीदें बंधी हैं. वो एक मंझे हुए बल्लेबाज हैं और दुनिया की कई छोटी-बड़ी T20 लीग में खेलने का अनुभव रखते हैं. वेन मैडसन के उन अनुभवों का फायदा जाहिर तौर पर इटली क्रिकेट टीम को मिलता दिखेगा.

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इटली की टीम अपने अभियान का आगाज 9 फरवरी को स्कॉटलैंड के खिलाफ करेगी. टूर्नामेंट के लिए उसकी तैयारियां कैसी हैं, उसका ट्रेलर उसने 2 फरवरी को कनाडा के खिलाफ मैच में दिखा दिया है. चेन्नई में खेले अपने पहले वॉर्म अप मैच में इटली ने कनाडा को 10 रन से हराया. इटली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 156 रन बनाए. उसकी ओर से सबसे ज्यादा 49 रन जेजे स्मट ने बनाए. कप्तान वेन मैडसन का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा. उन्होंने 11 गेंदों पर 1 चौके के साथ केवल 10 रन बनाए. कनाडा की टीम को 20 ओवर में 157 रन बनाने का लक्ष्य मिला. मगर उनकी गाड़ी 146 रन पर थम गई. इस तरह वेन मैडसन की कप्तानी में इटली अपना पहला वार्म अप मैच जीतने में कामयाब रही. 20 साल पहले साउथ अफ्रीका के लिए हॉकी वर्ल्ड कप खेलने वाले और अब इटली की क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे 42 साल के वेन मैडसन के पास 7 इंटरनेशनल मैचों का अनुभव है. उन 7 मैचों में उन्होंने 2 अर्धशतक के साथ 205 रन बनाए हैं. उनका इंटरनेशनल करियर जुलाई 2023 में शुरू हुआ था.

मैडसन के पास कुल मिलाकर 219 टी20 मैचों का अनुभव है, जिसकी 211 पारियों में उन्होंने 2 शतक और 25 अर्धशतक के साथ 5516 रन बनाने के अलावा 22 विकेट भी चटकाए हैं. इसमें 177 मैच उन्होंने टी20 ब्लास्ट में खेले, 22 द हण्ड्रेड में, 4 एसए20 में, 2 पीएसएल में जबकि बाकी 7 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं.

टी20 विश्व कप 2026 के बायकॉट के बाद बीसीबी को बड़ा झटका

बांग्लादेश हाईकोर्ट ने लगाई जमकर फटकार

डाका, 3 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं के चलते भारत में होने वाले मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम को भेजने से इनकार कर दिया था. इसके बाद आईसीसी ने बड़ा फैसला करते हुए बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया. वहीं, अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को एक और बड़ा झटका लगा है. महिला क्रिकेटर्स की सुरक्षा को लेकर बीसीबी मुश्किलों में फंस गया है. बांग्लादेश हाईकोर्ट ने महिला क्रिकेट खिलाड़ियों से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामलों में ठीक से कार्रवाई नहीं करने पर बीसीबी को जमकर फटकार लगाई है.

द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व नेशनल शूटर सबरीना सुल्ताना की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए बांग्लादेश हाईकोर्ट ने बीसीबी से पूछा कि उसे "गैर-कानूनी, बिना अधिकार के और जनहित के खिलाफ" संस्था क्यों न घोषित कर दिया जाए. हाईकोर्ट ने बांग्लादेश की पूर्व महिला कप्तान जहानारा आलम के मामले में लापरवाही पर बीसीबी को फटकार लगाते हुए पूछा कि उसने अब तक क्या कार्रवाई की है और आगे क्या करेगा.

साथ ही अदलात ने आदेश दिया है कि जब तक नियमों पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक बोर्ड को कोर्ट की गाइडलाइंस के मुताबिक एंटी-सेक्सुअल हैरेसमेंट पॉलिसी तुरंत लागू करनी होगी.

दरअसल, बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान जहानारा आलम ने नवंबर 2025 में बड़ा खुलासा करते हुए एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें अपने करियर के दौरान कई बार परेशान किया गया और गलत प्रस्ताव दिए गए. लेकिन इसके बावजूद वह सालों तक चुप रहीं, क्योंकि उन्हें डर था कि आवाज उठाने से उनका करियर और कमाई दोनों खतरे में पड़ सकते हैं.

भारतीय अंपायर ने पाकिस्तानी गेंदबाज को बताया बेकसूर, कैमरन ग्रीन ने माफी मांगी

मुंबई, 3 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली T20 सीरीज दो बातों को लेकर चर्चा में रही. पहली ऑस्ट्रेलियाई टीम की क्लीन स्वीप और दूसरी पाकिस्तानी गेंदबाज उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन. ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कैमरन ग्रीन ने उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन को लेकर सवाल उठाए. ग्रीन के सवाल उठाने के बाद पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा से लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी उस्मान ख्वाजा तक सभी उस्मान तारिक के सपोर्ट में उतर आए. इस मसले पर अब भारतीय अंपायर अनिल चौधरी का भी बयान सामने आया है, जिन्होंने उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन को सही बताते हुए उन्हें बेकसूर बताया है. भारतीय अंपायर अनिल चौधरी को पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन में कुछ भी गलत या संदिग्ध नहीं लगा. उन्होंने कहा कि तारिक का बॉलिंग एक्शन थोड़ा साइड आर्म वाला है और वो गेंद को थोड़ा रुक

कर डालते हैं. पर क्योंकि वो सारी गेंदों को एक ही तरह से डालते हैं और गाइडलाइन्स के हिसाब से उनका जो आर्म है वो मुड़ता नहीं है. इसलिए एक्शन बिल्कुल सही है. उन्होंने कहा कि एक्शन थोड़ा अलग जरूर है पर उसमें कोई गड़बड़ नहीं है.

उस्मान तारिक के एक्शन पर कैमरन ग्रीन ने सवाल तब उठाए थे जब वो लाहौर में खेले दूसरे T20 के दौरान उनकी गेंद पर आउट हो गए थे. उस मैच के 11वें ओवर में स्पिनर तारिक बॉलिंग पर आए और चौथी ही गेंद पर उन्होंने ग्रीन को आउट कर दिया था. आउट होकर पवेलियन लौट रहे कैमरन ग्रीन ने बाउंड्री पार करते हुए पत्थर फेंकने की नकल करते हुए अपनी भड़ास निकाली. मगर असल में वो वैसा कर स्पिनर उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन के बारे में बता रहे थे, उस पर सवाल खड़े कर रहे थे. कैमरन ग्रीन के सवाल उठाने के बाद हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हुए उस्मान ख्वाजा उस्मान तारिक का बचाव करते दिखे. उन्होंने कहा कि क्रिकेट में चकर कहलाने से बुरा कुछ नहीं होता. उस्मान अपना बेस्ट कर रहा है और वो दो बार दोषमुक्त भी हो चुका है. ऐसे में बार-बार उस पर सवाल उठाना समझदारी नहीं है. ऐसे में उनके खिलाफ किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सोचना-समझना चाहिए.

बॉलिंग एक्शन पर उठते सवालों के बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा ने भी मैच में कमेंट्री के दौरान उस्मान तारिक का बचाव करते दिखे थे. उन्होंने कहा था कि गेंदबाज के बॉलिंग एक्शन को जज करने से अच्छा है कि ऑस्ट्रेलियाई बैटर अपने आउट होने के तरीके पर गौर फरमाएं.

देश के समग्र विकास को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट : किशन रेड्डी

केन्द्रीय मंत्री ने बजट और परियोजनाओं के बारे दी जानकारी

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि यह बजट राज्यों के आधार पर नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास को ध्यान में रखकर बनाया गया है। केंद्र सरकार के सहयोग से तेलंगाना में विकास कार्य बिना किसी बाधा के जारी हैं।

ग्राम पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों को पर्याप्त धनराशि आवंटित की गई है, जिससे विकास कार्यों में तेजी आएगी। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों को केंद्र सरकार के ताज़ा बजट और तेलंगाना में चल रही विकास परियोजनाओं को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों से केंद्र सरकार जो कहती है, वही करके दिखा रही है और यह बजट उसी निरंतरता का प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि यह बजट किसी चुनावी लाभ या मुफ्त योजनाओं के लिए नहीं, बल्कि 2047 तक "विकसित भारत" के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। युवाओं, ग्रामीण क्षेत्रों, रोजगार सृजन, अनुसंधान और निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस किया गया है। आर्थिक विशेषज्ञों और बुद्धिजीवियों ने भी इस बजट की सराहना की है। उन्होंने हैदराबाद को 'हब्स ऑफ हब – हैदराबाद (एचएचएच)' बताते हुए कहा कि यह शहर आईटी हब, एजुकेशनल हब, डिजिटल हब, सेमीकंडक्टर हब, डेटा सेंटर हब और मेडिकल हब के रूप में उभर चुका है। एमएसएमई सेक्टर को देशभर में प्रोत्साहन दिया गया है, जिससे तेलंगाना के करीब 23 लाख एमएसएमई को लाभ होगा। बजट में घोषित 10,000 करोड़ रुपये की 'बायोफार्मा शक्ति' योजना से फार्मा कैपिटल हैदराबाद को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके तहत तीन नए नाईपर संस्थान स्थापित किए जाएंगे और नाईपर -हैदराबाद को अपग्रेड किया जाएगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बोलते हुए किशन रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना में करीब 42 हजार करोड़ रुपये की लागत से नए राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है।

इसके अलावा, रेलवे बजट में तेलंगाना के लिए 5,454 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2009-14 की तुलना में छह गुना अधिक है। अंत में उन्होंने राज्य सरकार पर खनन आवंटन और नैनी कोल ब्लॉक को लेकर अव्यवस्थाओं का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे जनता के हितों को नुकसान पहुंचा है।

इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक पोस्ट
सांप्रदायिक तनाव फैलाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

आदिलाबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेला मंडल के चेप्राला गांव में इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक संदेश पोस्ट कर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, चेप्राला गांव निवासी बोतला बामशी यादव को लोकप्रिय फोटो और वीडियो शेयरिंग सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

इन पोस्टों के चलते हाल ही में गांव में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। बेला निवासी हुजूर खान की शिकायत पर पुलिस ने बामशी यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सांप्रदायिक द्वेष फैलाने और झड़पों को भड़काने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने किसानों से प्रत्यक्ष संवाद किया

कृषि वैज्ञानिकों और किसानों ने लिया भाग

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने आज आयोजित रैतु नेस्तम कार्यक्रम में भाग लेकर किसानों से प्रत्यक्ष संवाद किया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों से आए किसानों ने अपने कृषि अनुभव, समस्याएँ तथा सरकारी योजनाओं से मिल रहे लाभों के बारे में मंत्री को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान रंगारेड्डी जिले के किसान शिवा ने समग्र कृषि एवं प्राकृतिक खेती पर किसानों को विस्तृत जानकारी दी। वहीं, इफको कंपनी के स्टेट मार्केटिंग मैनेजर कृपा शंकर ने नैनो यूरिया के उपयोग, उसके लाभ और सही प्रयोग विधि पर किसानों को विस्तार से समझाया।

पीजेटीएसएयू के कृषि वैज्ञानिक डॉ. किरण बाबू और डॉ. अरुणश्री ने यासंगी धान की फसल में आने वाले कीट-रोगों और उनके प्रभावी प्रबंधन पर वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की। मंत्री ने स्वयं किसानों से यूरिया ऐप के क्रियान्वयन पर सवाल पूछकर जानकारी ली। किसानों ने ऐप के माध्यम से उर्वरकों की पारदर्शी और समयबद्ध आपूर्ति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इससे यूरिया की उपलब्धता और वितरण में काफी सुधार हुआ है। मंत्री तुम्मला ने मधुमक्खी पालन से अधिक आय अर्जित कर रहे जगित्याल जिले के पूडूर गांव के किसान रामकृष्ण तथा प्राकृतिक खेती से लाभ कमा रहे रंगारेड्डी जिले के किसान शिवा की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे नवाचारों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुँचाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। किसानों ने हाल ही में शुरू किए गए तूर दाल खरीद केंद्रों के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि इन केंद्रों से उन्हें उचित मूल्य मिल रहा है तथा बिचौलियों की समस्या कम हुई है।

इस अवसर पर मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले रैतु नेस्तम कार्यक्रम में किसानों की आवश्यकताओं के अनुसार विषय पहले से तय किए जाएँ। साथ ही, संबंधित विषयों पर किसानों के अनुभवों और सफलताओं को खेतों से प्रत्यक्ष रूप में दिखाने के लिए प्रदर्शन और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ। मंत्री ने रैतु नेस्तम कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए अधिकारियों और वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की तथा अधिक संख्या में किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम प्रचार और बेहतर समन्वय पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण के उद्देश्य से चल रहे सरकारी कार्यक्रमों को मजबूत बनाने में रैतु नेस्तम एक सशक्त मंच बने। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग के निदेशक गोपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बंजारा हिल्स के रेस्तरां में आग, बड़ा हादसा टला

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को बंजारा हिल्स के रोड नंबर 3 पर स्थित सदर्न मिर्ची रेस्तरां में आग लगने से कर्मचारियों और ग्राहकों में अफरा-तफरी मच गई। आग सुबह करीब 10 बजे रेस्तरां के रसोई क्षेत्र में लगी, जब वहां से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। स्थिति को भांपते हुए कर्मचारियों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फिल्म नगर दमकल स्टेशन से दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग को फैलने से पहले ही काबू में कर लिया। दमकल अधिकारियों को आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। समय पर दमकल विभाग की कार्रवाई से बड़े नुकसान को टाल दिया गया।

अनुपालन में कमी और डी-रेगुलेशन पर उच्चस्तरीय बैठक संपन्न

सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर राज्य सरकार की सराहना

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सचिवालय में आज अनुपालन में कमी और डी-रेगुलेशन पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने की। इस अवसर पर भारत सरकार की सचिव सुकृति लेखी भी उपस्थित रहीं।

बैठक के दौरान भारत सरकार के अधिकारियों ने फेज–I में अनुपालन में कमी और डी-रेगुलेशन सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर राज्य सरकार की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार फेज–II में भी इसी गति और प्रतिबद्धता के साथ उल्लेखनीय सफलता हासिल करेगी। अधिकारियों ने बताया कि फेज–II के तहत कुल 23 प्राथमिक क्षेत्र और 5 वैकल्पिक प्राथमिक क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं।

इनका उद्देश्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाना तथा ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को बेहतर करना है। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने भारत सरकार की सचिव को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार निर्धारित लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा से पहले पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सुधारों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक विधायी संशोधनों को आगामी बजट सत्र में प्रस्तुत किया जाए। बैठक में राज्य सरकार की नियामक सुधारों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने और सुशासन तंत्र को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराया गया, ताकि राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास को गति दी जा सके। बैठक में एमए एंड यूडी एवं वाईएटी एंड सी के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, सिंचाई एवं कमांड क्षेत्र विकास के विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, वन विभाग के प्रधान सचिव अहमद नदीम, राजस्व सचिव लोकेश कुमार, एमएयूडी सचिव टी.के. श्रीदेवी, राजस्व (सीटी एवं आबकारी)सचिव रघुनंदन राव, कृषि सचिव सुरेन्द्र मोहन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिसिंग का मूल उद्देश्य जनसेवा : डॉ. एम. रमेश

हथियार लाइसेंस जारी करते समय कड़े मानदंडों का पालन करें

साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट में समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट ऑडिटोरियम में एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कानून-व्यवस्था, यातायात, अपराध, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध शाखा , महिला एवं बाल सुरक्षा विंग, कार मुख्यालय, विशेष अभियान दल और अपराध नियंत्रण स्टेशनों सहित सभी विंग्स के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में अपराध प्रवृत्तियों, लंबित मामलों, ट्रायल की प्रगति, सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आधारभूत ढांचे के विकास की विस्तृत समीक्षा की गई। डॉ. रमेश ने दिसंबर 2025 के अपराध आंकड़ों और जनवरी 2026 की प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा की। इसमें संपत्ति अपराध, साइबर अपराध, सड़क दुर्घटनाएं, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, ठगी, जालसाजी, दहेज निषेध अधिनियम के उल्लंघन, एनडीपीएस मामले और लंबित गैर-जमानती वारंट शामिल थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिसिंग का मूल उद्देश्य जनसेवा है और तेज़ी से अपराध का पता लगाना, समयबद्ध जांच और प्रभावी केस निपटान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों को अनिवार्य रूप से अपराध स्थल का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए, ताकि जांच की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। गैंग अपहरण, हत्या, चेन स्नैचिंग, धोखाधड़ी, संपत्ति अपराध, उपद्रवी गतिविधियों और साइबर अपराधों से निपटने के लिए ठोस रणनीतियों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से पास्को अधिनियम, एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम और आर्थिक अपराधों में दोषसिद्धि दर बढ़ाने और पीड़ितों को न्याय दिलाने पर जोर दिया गया। लंबित और पुराने मामलों के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने तथा संसाधनों के समुचित उपयोग के निर्देश दिए गए। सीपी ने कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन्स, आदतन अपराधियों, भूमि कब्जाधारियों और अंतर-राज्यीय गिरोहों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

आवश्यकता पड़ने पर पीडी एक्ट के तहत कार्रवाई करने को कहा गया। डायल-100 कॉल्स पर त्वरित प्रतिक्रिया, रात्रि गश्त, सरप्राइज चेक्स, क्लूज टीम, डॉग स्क्वाड और फिंगरप्रिंट टीम के प्रभावी उपयोग पर भी बल दिया गया। यातायात प्रबंधन बैठक का अहम हिस्सा रहा। पीक आवर्स में नियमों का सख्ती से पालन कराने, नियमित डीडी चेक्स, और स्काईवॉक, अंडरपास, फ्लाईओवर, फुटपाथ और सर्विस रोड्स के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। ओआरआर पर ट्रैफिक बाधाओं को दूर करने, ब्लैक स्पॉट्स की पहचान, सीसीटीवी कैमरे, हाई-मास्ट लाइट्स, इलेक्ट्रॉनिक वीएमएस बोर्ड, रोड मार्किंग, बस शेल्टर और सड़क मरम्मत कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। सीपी ने हथियार लाइसेंस जारी करते समय कड़े मानदंडों का पालन करने, न्यायिक अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय, साइबर अपराधों पर जन जागरूकता अभियान और तकनीक आधारित साक्ष्य संग्रह पर जोर दिया। उन्होंने पेशेवर ईमानदारी, नागरिक-केंद्रित सेवा और इंटर-विंग समन्वय को साइबराबाद पुलिसिंग की सफलता की कुंजी बताया। इस समीक्षा बैठक में माधापुर डीसीपी ऋतिराज, सेरिलिंगमपल्ली डीसीपी च. श्रीनिवास, ट्रैफिक–II डीसीपी शेषाद्रिनी रेड्डी, क्राइम्स डीसीपी ए. मुथ्यम रेड्डी, एसबी डीसीपी वाईवीएस सुधींद्र, ट्रैफिक–I डीसीपी रंजन रतन कुमार आदि उपस्थित रहे।

ओयू परिसर की नौ झुग्गी बस्तियों के स्थायी समाधान की मांग

डिप्टी मेयर ने कुलपति से की मुलाकात, पुनर्वास का प्रस्ताव रखा

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू)परिसर में स्थित नौ झुग्गी बस्तियों में रह रहे निवासियों की दशकों पुरानी समस्याएं एक बार फिर सामने आई हैं। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने टीटीयूसी राज्य अध्यक्ष मोटे शोभन रेड्डी के साथ सोमवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुमार मोलुगारम से मुलाकात कर इन बस्तियों से जुड़ी नागरिक और मानवीय समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति के समक्ष इन झुग्गी बस्तियों में पीने के पानी की अनियमित आपूर्ति, खराब सड़कें, बिजली की लगातार समस्याएं और स्थायी आवास की अनुपस्थिति जैसे गंभीर मुद्दों को उठाया। उन्होंने बताया कि वर्षों से सरकारें और प्रशासन बदलते रहे, लेकिन अब तक कोई ठोस और स्थायी समाधान लागू नहीं हो पाया है। डिप्टी मेयर ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के परिसर में इस तरह की समस्याओं का लंबे समय तक बने रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे का समाधान अस्थायी उपायों से नहीं, बल्कि स्थायी और व्यावहारिक निर्णय से ही संभव है। बैठक में बताया गया कि नौ झुग्गी बस्तियां मिलकर विश्वविद्यालय परिसर के भीतर लगभग 72 से 80 एकड़ भूमि में फैली हुई हैं। इससे न केवल वहां रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर असर पड़ रहा है, बल्कि विश्वविद्यालय के विकास, विस्तार और सुरक्षा योजनाओं में भी बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। स्थायी समाधान के रूप में डिप्टी मेयर ने प्रस्ताव रखा कि झुग्गी बस्तियों के निवासियों को पास की लगभग 10 एकड़ भूमि में पुनर्वासित कर डबल बेडरूम स्थायी मकान उपलब्ध कराए जाएं। इससे दशकों से वहां रह रहे परिवारों को सम्मानजनक आवास मिलेगा और शेष 70 एकड़ भूमि को पूरी तरह विश्वविद्यालय परिसर में शामिल किया जा सकेगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह समाधान सभी के लिए लाभकारी होगा।झुग्गी बस्तियों के निवासियों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिलेगा, विश्वविद्यालय को अपने शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निर्बाध भूमि प्राप्त होगी, तथा परिसर की सुरक्षा और पर्यावरणीय योजना भी बेहतर होगी। इस अवसर पर डिप्टी मेयर श्रीमती मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद और तेलंगाना की शान है। यहां दशकों से चली आ रही समस्याओं का समाधान राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए। कुलपति प्रो. कुमार मोलुगारम ने प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित सरकारी विभागों से परामर्श कर इस विषय की गहन जांच की जाएगी और इसके बाद राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाएगी।

नगर निगम चुनावों के मद्देनज़र लाइसेंसी हथियार जमा करने के आदेश

मलकाजगिरी पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने जारी किए निर्देश

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आयुध अधिनियम 1959 की धारा 21 के अंतर्गत मलकाजगिरी पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने आगामी 11 फरवरी 2026 को होने वाले नगर निगम चुनावों के मद्देनज़र शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदेश जारी किए हैं।

इन आदेशों के अनुसार, शामीरपेट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले सभी लाइसेंसी हथियार धारकों को अपने हथियार तत्काल स्थानीय पुलिस स्टेशन या किसी मान्यता प्राप्त हथियार डीलर के पास जमा करना अनिवार्य होगा। हालांकि, राष्ट्रीयकृत बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत कर्मियों तथा अधिकृत सुरक्षा स्टाफ को इस आदेश से छूट दी गई है। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि निर्धारित आदेशों का पालन न करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी, साथ ही उनके हथियार जब्त किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद, 15 फरवरी से या उसके पश्चात संबंधित लाइसेंसधारी अपने हथियार पुनः प्राप्त कर सकते हैं। पुलिस विभाग ने आम जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए यह कदम आवश्यक है।

कुछ ही घंटों में लापता बच्चों का सुराग मिला

घर से भागे दो बच्चे सकुशल परिजनों को सौंपे गए

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। घर से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को जीडीमेटला पुलिस ने महज कुछ ही घंटों के भीतर सुरक्षित रूप से खोज निकालकर उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।

जीडीमेटला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर गड्डम मल्लेश ने बताया कि बीती रात करीब 12.30 बजे नरेश नामक व्यक्ति थाना पहुंचा और लिखित शिकायत दर्ज कराई कि उसके दो बच्चे घर से लापता हो गए हैं।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। रात्रि गश्त पर तैनात एसएसआई नायडू और कांस्टेबल नरेश ने तकनीकी संसाधनों की मदद से बच्चों की तलाश तेज की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप दोनों बच्चों का पता लगाकर आज तड़के उन्हें सकुशल उनके माता-पिता को सौंप दिया गया। पुलिस की इस तेज और संवेदनशील कार्रवाई पर बच्चों के परिवारजनों और कॉलोनीवासियों ने जीडीमेटला पुलिस की सराहना की और आभार व्यक्त किया।

महिला ने विवाह संबंधी तनाव के कारण की आत्महत्या

हैदराबाद, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली पुलिस थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक 26 वर्षीय महिला ने कथित गंभीर भावनात्मक तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। महिला की पहचान मेडचल जिले के कंदलकोया गांव की निवासी टॉपनिवल विजयलक्ष्मी के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि विजयलक्ष्मी के पिता का बचपन में निधन हो गया था और उनकी मां मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं। विजयलक्ष्मी अपनी मां की देखभाल करती थी और दोनों कुकटपल्ली के मैत्री नगर में रहती थीं।

एक आईटी फर्म में काम करने वाली विजयलक्ष्मी को हाल ही में शादी के प्रस्ताव मिले थे, लेकिन बातचीत विफल रही क्योंकि उन्होंने शादी के बाद अपनी मां को अपने साथ रखने की शर्त रखी थी। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम को विजयलक्ष्मी घर से निकली और वापस नहीं लौटी। उसके रिश्तेदार अभिषेक ने रविवार को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। सोमवार को हुसैन सागर में एक युवती का शव पाया गया, जिसे कुकाटपल्ली पुलिस ने विजयलक्ष्मी का ही शव पुष्टि की। आगे की जांच जारी है।

नगरपालिका चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं में बढ़ी तकरार

जगतियाल, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका चुनावों से पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी. जीवन रेड्डी और जगतियाल विधायक डॉ. संजय कुमार के बीच मतभेद और गहरे हो गए हैं। पिछले दो वर्षों से दोनों नेताओं के बीच अनबन चल रही है, जो अब टिकट बंटवारे के बाद खुलकर सामने आ गई है।

बताया जा रहा है कि जगतियाल नगर निगम चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने विधायक डॉ. संजय कुमार के समूह को अधिक टिकट आवंटित किए हैं। जगतियाल नगरपालिका में कुल 50 वार्ड हैं, जिनमें से 29 टिकट विधायक के समर्थकों को और शेष 21 टिकट जीवन रेड्डी के समर्थकों को देने का फैसला किया गया है। इस फैसले से नाराज जीवन रेड्डी ने कथित तौर पर पार्टी नेतृत्व के समक्ष अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। टिकट बंटवारे की जानकारी मिलते ही जीवन रेड्डी के समर्थक मंगलवार को नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन बड़ी संख्या में जगतियाल स्थित उनके आवास पर एकत्रित हुए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान समर्थकों ने विधायक डॉ. संजय कुमार पर तीखा हमला बोला और उन पर हाल ही में कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर भी संजय कुमार के समर्थकों का पक्ष लेने का आरोप लगाया और कहा कि विधायक ने कभी कांग्रेस पार्टी के लिए कार्य नहीं किया।

कांग्रेस नेता ने बी-फॉर्म न देने का आरोप लगाकर दिया धरना

संगारेड्डी, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिन्नाराम नगरपालिका के एमपीडीओ कार्यालय में कांग्रेस की महिला नेता नीलम श्रीलता ने धरना प्रदर्शन किया और पार्टी नेताओं पर बी-फॉर्म देने से इनकार कर धोखा देने का आरोप लगाया। श्रीलता ने बताया कि उन्होंने जिन्नाराम नगरपालिका के चौथे वार्ड से नामांकन दाखिल किया था, लेकिन नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि यानी मंगलवार को उसी वार्ड की एक अन्य महिला को बी-फॉर्म जारी कर दिया गया। विरोध में एमपीडीओ कार्यालय पहुंचकर उन्होंने अन्याय का आरोप लगाया। श्रीलता ने कहा कि कांग्रेस नेताओं श्रीकांत रेड्डी और वडला कृष्णा ने उनके साथ धोखा किया।

दो बच्चों संग आत्महत्या का प्रयास
महिला की इलाज के दौरान मौत

करीमनगर, 3 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अपने दो बच्चों के साथ आत्महत्या का प्रयास करने वाली 30 वर्षीय महिला कुथड़ी शेरिशा की मंगलवार को यहां एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, शेरिशा ने सोमवार को रेकुर्थी स्थित अपने घर में पहले अपने बच्चों हसिनी और हर्षित को कथित तौर पर कीटनाशक पिलाया और बाद में खुद भी उसका सेवन कर लिया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य तीनों को अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान मंगलवार को शेरिशा ने दम तोड़ दिया। बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है। शेरिशा राजन्ना–सिरसिल्ला जिले के येल्लारेड्डीपेट की मूल निवासी थी। उसकी शादी पांच वर्ष पूर्व रेकुर्थी निवासी किशोर से हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence HSD/784/21-22, RNI Phone: 67964099/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.